शर्मा हार्डওয়্যাৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 302 | गुवाहाटी | सोमवार, 8 जून, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

विकसित भारत में समाज की होगी बड़ी भूमिका : ओम बिरला पेज 2
नगांव लोस उपचुनाव को लेकर राजीव भवन में समीक्षा बैठक, महंगाई पर ... पेज 3
जगमोहन सिंह राजू ने पंजाब भाजपा महासचिव पद से दिया इस्तीफा पेज 5
गुलाबी गेंद के इस्तेमाल के पक्ष में गौतम गंभीर, बोले-मैच का नतीजा... पेज 7

असम में नया प्रशासनिक दांव

16 मंत्रियों को सौंपे गए गार्जियन डिस्ट्रिक्ट

गुवाहाटी। असम सरकार ने राज्य के विकास को गति देने के लिए एक बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार, सात जून को अपनी मंत्रिपरिषद के 16 मंत्रियों को *गार्जियन डिस्ट्रिक्ट* यानी अभिभावक जिले आवंटित कर दिए हैं। मुख्यमंत्री का मानना है कि इस फैसले से जिला प्रशासनों के साथ समन्वय मजबूत होगा। इसके साथ ही राज्य भर में चल रही विकास परियोजनाओं में तेजी आएगी। इस महत्वपूर्ण घोषणा की जानकारी मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। उन्होंने लिखा कि उन्हें इन विभागों के आवंटन की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है। मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया कि सभी मनोनीत मंत्री जिला प्रशासनों के साथ मिलकर जमीनी स्तर पर काम करेंगे। यह कदम असम की प्रगति और समृद्धि को एक नए स्तर पर ले जाएगा। आधिकारिक सूची के अनुसार, रामेश्वर तेली को तिनसुकिया और जोरहट जिलों की जिम्मेदारी दी गई है। अतुल बोरा को कामरूप (मेट्रो) और धेमाजी का प्रभार मिला है। चरण बोरो को कोकराझाड़, बाक्सा और चिरांग की कमान सौंपी गई है। अजंता नेउग मोरीगांव और कामरूप के गार्जियन मंत्री के रूप में अपनी सेवाएं देंगी। अश्विनी राय सरकार को बंगाईगांव और बरपेटा की जिम्मेदारी मिली है। अशोक सिंघल दरंग और धुबड़ी जिलों का काम संभालेंगे। बिमल बोरा को शिवसागर और चराइदेउ आवंटित किया गया है। विश्वजीत दैमारी नलबाड़ी और शोणितपुर के लिए जवाबदेह होंगे। जयंत मल्लबरुआ को तामुलपुर और गोआलपारा की जिम्मेदारी दी गई है। कौशिक राय श्रीभूमि और हैलाकांदी का काम देखेंगे। केशव महंत को दक्षिण -शेष पृष्ठ दो पर

घरेलू एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में 29 रुपए की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। आम उपभोक्ताओं को महंगाई का एक और झटका देते हुए सरकार ने घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलिंडर की कीमतों में 29 रुपए की बढ़ोतरी कर दी है। नई दरों के अनुसार, दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू एलपीजी सिलिंडर अब 913 रुपए के बजाय 942 रुपए में मिलेगा। संशोधित कीमतें तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं। यह पिछले तीन महीनों में घरेलू गैस की दूसरी मूल्य वृद्धि है। इससे पहले सात मार्च को सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलिंडर के दाम 60 रुपए बढ़ाए थे। लगातार दूसरी बढ़ोतरी से घरेलू उपभोक्ताओं के मासिक बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। उद्योग सूत्रों के मुताबिक, पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक ऊर्जा बाजार में उथल-पुथल के कारण एलपीजी की लागत में लगातार वृद्धि हुई है। -शेष पृष्ठ दो पर

हर सिलिंडर पर कंपनियों को हो रहा 700 रुपए का नुकसान : केंद्र

नई दिल्ली। 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलिंडर की सप्लाई की लागत बढ़कर 1,600 रुपए से ज्यादा हो गई है। इससे हर सिलेंडर पर लगभग 700 रुपए का नुकसान (अंडर-रिकवरी) हो रहा है, जिसे सरकार और पब्लिक सेक्टर की मार्केटिंग कंपनियां उठाती हैं। कीमतों में यह बढ़ोतरी इंटरनेशनल बेंचमार्क में हुई तेज वृद्धि के कारण हुई है। होर्मुज स्ट्रेट में रुकावट की वजह से फरवरी से सऊदी अरामको की एलपीजी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस में लगभग 46 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, रुकावट से पहले फरवरी में प्रोपेन-ब्यूटेन के 50:50 मिक्स के लिए ब्लेंडेड सऊदी सीपी 542.50 अमेरिकी डॉलर प्रति टन था। होर्मुज में मिडिल ईस्ट गल्फ से होने वाले एक्सपोर्ट पर सख्ती के बाद अप्रैल का कॉन्ट्रैक्ट बढ़कर 775 अमेरिकी डॉलर प्रति टन हो गया और जून में यह और बढ़कर 790 अमेरिकी डॉलर प्रति टन तक पहुंच गया। इसी दौरान प्रोपेन सीपी में 39 प्रतिशत और ब्यूटेन में 52 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। -शेष पृष्ठ दो पर

अदालती आदेश से असम साहित्य सभा की नेतृत्व प्रक्रिया आई जांच के दायरे में

गोलाघाट। अदालत के आदेश के बाद प्रस्तावित प्रतिनिधि सभा की बैठक स्थगित होने से असम साहित्य सभा के भीतर नया विवाद खड़ा हो गया है, जिससे संगठन के आंतरिक कामकाज और नेतृत्व चयन प्रक्रिया को लेकर लंबे समय से चले आ रहे मतभेद और भी स्पष्ट हो गए हैं। यह मुद्दा सभा के 2025-27 कार्यकाल के 5वें कार्यकारी सत्र के दौरान सामने आया, जो रविवार को गोलाघाट स्थित बीरंगना सती साधनी कलाक्षेत्र में आयोजित किया गया था। गोलाघाट जिला साहित्य सभा द्वारा आयोजित इस सत्र में विभिन्न जिला इकाइयों के प्रतिनिधियों और केंद्रीय समिति के -शेष पृष्ठ दो पर

यूरोपीय संघ का प्रतिनिधिमंडल आज पहुंचेंगे गुवाहाटी

गुवाहाटी। भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के साथ आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को बढ़ावा देने और व्यापार और निवेश के नए अवसरों की पहचान करने पर केंद्रित दो दिवसीय दौरे के लिए यूरोपीय संघ (ईयू) का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल 8 जून को गुवाहाटी पहुंचने वाला है। यह दौरा इस वर्ष की शुरुआत में भारत-ईयू व्यापक रणनीतिक एजेंडा को अपनाने के बाद हुआ है और पूर्वोत्तर क्षेत्र में सहयोग पर बढ़ते जोर को दर्शाता है। यूरोपीय संघ के अनुसार, यूरोप और भारत घनिष्ठ आर्थिक सहयोग और रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से पूर्वोत्तर में जुड़ाव को गहरा करने के लिए काम कर रहे हैं। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य उन क्षेत्रों में मूल्य श्रृंखलाओं का निर्माण करना होगा जहां यूरोपीय संघ और पूर्वोत्तर राज्यों के बीच मजबूत तालमेल है, जिनमें नवीकरणीय और हरित ऊर्जा, टिकाऊ शहरी अवसंरचना, स्वास्थ्य सेवा और फार्मास्यूटिकल्स, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, चाय और कृषि-खाद्य प्रसंस्करण, स्वाद और सुगंध और आयुष शामिल हैं। इस प्रतिनिधिमंडल -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

एक निराशावादी इंसान हर मौके पर सिर्फ कठिनाइयों को ही देखता है, जबकि एक आशावादी इंसान हर कठिनाई में मौके देखता है।

-अज्ञात

कामाख्या कॉरिडोर वार्ता आज से, एक सप्ताह के भीतर होगा समाधान : मल्लबरुआ

गुवाहाटी। गुवाहाटी में प्रस्तावित मां कामाख्या एक्सेस कॉरिडोर परियोजना को लेकर हितधारकों द्वारा उठाई गई आपत्तियों और चिंताओं को दूर करने के लिए औपचारिक चर्चा 8 जून से शुरू होगी, जिसमें असम सरकार का लक्ष्य एक सप्ताह के भीतर सभी लंबित मुद्दों को हल करना है। कामाख्या मंदिर का दौरा करने के बाद रविवार को प्रेस को यह घोषणा करते हुए कैबिनेट मंत्री जयंता मल्लबरुआ ने कहा कि परियोजना से संबंधित चिंताओं को दूर करने के प्रयास अपने अंतिम चरण में पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय निवासियों और कई हितधारकों ने परियोजना और आसपास की दुकानों और प्रतिष्ठानों पर इसके संभावित प्रभाव के संबंध में आपत्तियां उठाई थीं। इन मुद्दों को सुलझाने की प्रक्रिया अब अपने अंतिम चरण में है। नलबाड़ी के विधायक ने कहा कि उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ परियोजना स्थल का दौरा किया और डोलोई कार्यालय में स्थानीय निवासियों और मंदिर अधिकारियों के साथ चर्चा की। मल्लबरुआ ने कहा कि मैं यहां जिला आयुक्त, सर्कल -शेष पृष्ठ दो पर

1 जुलाई को असम का दौरा कर सकेत हैं जापान के प्रधानमंत्री

गुवाहाटी। असम में अगले महीने एक उच्चस्तरीय अंतर्राष्ट्रीय अतिथि के आने की संभावना है। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के 1 जुलाई को तीन दिवसीय दौरे के लिए राज्य में आगमन की उम्मीद है, जिससे भारत-जापान संबंधों को और गहरा करने और पूर्वोत्तर को बढ़ते द्विपक्षीय जुड़ाव के केंद्र में लाने में मदद मिल सकती है। जापानी मीडिया, जिसमें प्रसारक टीवी असाही भी शामिल है, की रिपोर्ट है कि ताकाइची के जुलाई की शुरुआत में भारत आने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत करने की व्यवस्था की जा रही है। खबरों के मुताबिक, असम को इस यात्रा के दौरान एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है, जहां ताकाइची की मोदी के साथ दूसरी आमने-सामने की बैठक होने की उम्मीद है। प्रस्तावित चर्चाओं से अगले दशक के लिए भारत-जापान के संयुक्त दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने की उम्मीद है, जिसकी घोषणा मोदी की पिछले साल जापान यात्रा के दौरान की गई थी। अधिकारियों द्वारा ऊर्जा सुरक्षा और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं तथा मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने के प्रयासों सहित कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श किए जाने की भी संभावना है। प्रस्तावित यात्रा का स्वागत करते हुए भाजपा विधायक दीप्लू रंजन शर्मा ने रविवार को कहा कि यह भारत और जापान के बीच मजबूत और लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को दर्शाता है। आज भारत के विश्वभर के देशों के साथ उत्कृष्ट राजनयिक संबंध हैं और जापान हमेशा से एक पारंपरिक मित्र रहा है। चाहे आर्थिक विकास में सहयोग हो, अवसंरचना परियोजनाएं हों या संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार जैसे वैश्विक मुद्दों पर समर्थन हो, जापान ने भारत के साथ निरंतर सहयोग किया है। मैं गुवाहाटी और असम में जापानी प्रधानमंत्री का हार्दिक -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

30 मीटर गहरी खाई में गिरे सेना के लेफ्टिनेंट, गंवाई जान

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में भारतीय सेना के एक अधिकारी शहीद हो गए। बताया जा रहा है कि जिले में चल रहे आतंक-रोधी अभियान के दौरान एक लेफ्टिनेंट रैंक के अधिकारी बेरेशवार गोस्वामी पहाड़ी इलाके में फिसलकर गहरी खाई में गिर गए, जिससे उनकी जान चली गई। सेना ने उनके पार्थिव शरीर -शेष पृष्ठ दो पर

आज से दो दिनों तक दिखेगा बृहस्पति और शुक्र का सबसे करीबी कंजंक्शन

भोपाल (हि.स.)। खगोल विज्ञान में रुचि रखने वालों के लिए अगले तीन दिन बेहद खास होने जा रहे है। दरअसल, 8 से 10 जून तक शाम को पश्चिम आकाश मे खूबसूरत और दुर्लभ खगोलीय नजारा दिखने को मिलेगा। हमारे सौर मंडल के दो सबसे चमकदार ग्रह शुक्र (वीनस) और बृहस्पति (जुपिटर) -शेष पृष्ठ दो पर

अन्नामलाई ने मचाई हलचल, महज कुछ ही घंटे में जुड़े 15 लाख लोग

नई दिल्ली। अन्नामलाई ने भाजपा से इस्तीफा देने के कुछ दिन बाद ही तमिलनाडु में एक नया राजनीतिक आंदोलन शुरू कर दिया है। इस आंदोलन का नाम *वी द लीडर* है। ये पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की विचारधारा पर आधारित है। इस आंदोलन के शुरू होने के सिर्फ कुछ घंटों में ही इस आंदोलन में 15 लाख से ज्यादा लोग शामिल हो चुके हैं। अन्नामलाई ने कोयंबटूर में कलाम सेंटर फॉर एथिक्स एंड पॉलिटिक्स नाम से एक ट्रेनिंग और रिसर्च संस्थान भी बनाने का ऐलान किया है। अन्नामलाई 5 जून को आधिकारिक तौर पर भाजपा से अलग हो गए थे और जल्द ही उन्होंने एक नया राजनीतिक आंदोलन शुरू करने -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : 26 दिन बाद भी नहीं मिला अगवा 20 नागा और कुकी लोगों का सुराग

इंफाल। मणिपुर के पहाड़ी जिलों में हथियारबंद समूहों द्वारा कथित तौर पर अगवा किए गए नागा और कुकी समुदायों के 20 लोगों का 26 दिन बाद भी कोई सुराग नहीं मिल पाया है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि केंद्रीय और राज्य सुरक्षा बलों की ओर से लगभग चार सप्ताह से संयुक्त तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन अब तक लापता लोगों का पता नहीं चल सका है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कांगपोकपी जिले में हालिया हिंसा के असर को फैलने से रोकने के लिए सुरक्षा बलों ने इंफाल-डीमापुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-2) के किनारे स्थित लिटन, महादेव और सिनाकेइथेल गांवों के आसपास के इलाकों में संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान दोनों समुदायों के गांवों में संयुक्त गश्त की गई और कई अवैध बंकरों को -शेष पृष्ठ दो पर

गृह मंत्री अमित शाह का बड़ा दांव

जल्द हाईटेक होंगी सरहदें, परवान चढ़ेगा कारोबार, चुटकियों में मिलेगी मंजूरी

नई दिल्ली। भारत सरकार ने सीमाओं पर व्यापार और आवाजाही को पूरी तरह हाईटेक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (एलपीएमएस) लॉन्च करेंगे। यह एक आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म है। इसे देश के सभी लैंड पोर्ट्स के कामकाज को एक एकीकृत प्रणाली से जोड़ने के लिए बनाया गया है। इसके साथ ही, गृह मंत्री अमित शाह मेघालय के डाउकी और त्रिपुरा के -शेष पृष्ठ दो पर

बैठक से पहले ही इंडी गठबंधन में रार

डीएमके-आप का बहिष्कार, सीपीआई (एम) ने खड़गे से मांगा राहुल के बयान पर जवाब

नई दिल्ली। सोमवार को होने वाली इंडी ब्लॉक की बैठक में सीपीआई (एम) का प्रतिनिधित्व पार्टी के राज्यसभा नेता जॉन ब्रिटास करेंगे। हालांकि, केरल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान लगे आरोपों को लेकर पार्टी अभी भी कांग्रेस की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही है। एक न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि सीपीआई (एम) के महासचिव एम.ए. बेबी ने हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की उन टिप्पणियों पर स्पष्टीकरण मांगा है, जिनमें केरल में सीपीआई (एम) और भाजपा के बीच राजनीतिक समझ होने का संकेत दिया गया था। लेटर की कॉपी इंडी ब्लॉक के दूसरे हिस्सों के साथ भी शेयर की गई थी, जिसमें कहा गया था कि ऐसे आरोप विपक्षी गठबंधन की सहयोग की भावना के खिलाफ हैं। लेफ्ट पार्टी ने कहा है कि वह इस मामले पर कांग्रेस से सफाई का इंतजार कर रही है। सीपीआई (एम) के सूत्रों ने कहा कि पार्टी को अभी तक कांग्रेस से कोई जवाब नहीं मिला है और उम्मीद है कि ब्रिटास मीटिंग में इस मुद्दे को उठाएंगे। इस बातचीत में, बेबी ने चिंता जताई थी कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और -शेष पृष्ठ दो पर

जानता हूं मोज्तबा कहां हैं, ईरान की फ्रीज संपत्तियां रिलीज नहीं होंगी : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच 60 दिनों की डेडलाइन खत्म होने से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि वह पीस डील फाइनल होने से पहले ईरानी संपत्तियों को अनफ्रीज नहीं करेंगे या बैन नहीं हटाएंगे और उन्होंने तेहरान के सहयोग से या उसके बिना ईरान के बहुत ज्यादा एनरिच्ड यूरेनियम को वापस लेने और नष्ट करने के अपने प्लान के बारे में बताया। ट्रंप ने यह भी बताया कि वह ईरान के नए सुप्रीम लीडर, मोजतबा खामेनेई को अपने पिता से *ज्यादा समझदार* मानते हैं। ट्रंप ने न्यूज के *मीट द प्रेस* को दिए एक इंटरव्यू में यह भी दावा किया कि वह जानते हैं कि मोजतबा खामेनेई कहां हैं, हालांकि उन्होंने इसका खुलासा करने से इनकार कर दिया। ट्रंप ने ईरान की इस मुख्य मांग को साफ तौर पर खारिज कर दिया कि फ्रीज संपत्तियों को शुरुआती समझौते से पहले या उसके साथ रिलीज किया जाए। उन्होंने कहा कि यह बाद में होगा। ट्रंप ने आगे कहा कि हां, अगर वे अच्छा व्यवहार करते हैं, अगर वे अच्छा काम करते हैं, तो हम बात करना शुरू कर देंगे। न्यूक्लियर हथियारों पर ट्रंप ने कहा कि वह उससे भी आगे गए जिस पर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

विकसित भारत में समाज की होगी बड़ी भूमिका : ओम बिरला

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को कहा कि भारत आज दुनिया में अवसरों की सबसे बड़ी भूमि के रूप में उभर रहा है। विशाल बाजार, युवा शक्ति और नवाचार की अपार संभावनाओं के बल पर देश विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सामाजिक संगठन, उद्योग जगत, व्यापारी समुदाय और युवा उद्यमी सामूहिक प्रयासों से इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। समाज आगे बढ़ेगा तो देश भी आगे बढ़ेगा। बिरला आज माहेश्वरी इंटरनेशनल बिजनेस फाउंडेशन (एमआईबीएफ) की ओर से आयोजित *माहेश्वरी और विकसित भारत-2047* कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस जेके माहेश्वरी, भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अध्यक्ष संतोष कुमार लोहाटी, एमआईबीएफ के संस्थापक अध्यक्ष प्रशांत माहेश्वरी, दीपक माहेश्वरी, उद्योगपति आनंद राठी, पूर्व सांसद श्याम जाजू सहित तमाम लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष का सम्मान किया गया तथा प्रकाश पांडे द्वारा लिखित कोठारी बंधुओं पर आधारित पुस्तक का लोकार्पण भी किया गया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि देश के विकास में माहेश्वरी समाज की गौरवशाली विरासत, इतिहास और योगदान महत्वपूर्ण रहा है। समाज ने व्यापार, उद्योग, सेवा और सामाजिक कार्यों के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। समाज की प्रतिष्ठा से ही व्यक्ति की प्रतिष्ठा बढ़ती है और समाज के संस्कार ही व्यक्ति को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 का लक्ष्य केवल सरकारों के प्रयासों से पूरा नहीं होगा, बल्कि विभिन्न सामाजिक संगठनों, व्यापारिक संस्थाओं और उद्यमियों के सामूहिक योगदान से इसे साकार किया जा सकेगा। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को एक मंच पर लाकर विचार-विमर्श, सहयोग और समन्वय के माध्यम से नई संभावनाओं का निर्माण किया जा सकता है। बिरला ने कहा कि आज भारत के पास दुनिया के सबसे बड़े बाजारों में से एक है और यहां व्यापार, उद्योग, स्टार्टअप, सेवा क्षेत्र तथा नवाचार के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं। व्यापार और उद्योग से जुड़े लोग केवल आर्थिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि लाखों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने का कार्य भी करते हैं। माहेश्वरी समाज के योगदान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि समाज ने देश के विभिन्न हिस्सों में कठिन परिस्थितियों में भी व्यापार और सेवा के माध्यम से विश्वास कायम किया है। पूर्वोत्तर सहित देश के दूरदराज क्षेत्रों में समाज के लोगों ने आर्थिक गतिविधियों के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और

बिहार सरकार के मंत्री अरुण शंकर पर जानलेवा हमला, काफिले पर हुई पत्थरबाजी

पटना। मधुबनी में बिहार सरकार के श्रम संसाधन एवं कौशल विकास विभाग मंत्री अरुण शंकर प्रसाद पर जानलेवा हमला हुआ है। जिसमें उनके काफिले की गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई है। जानकारी के मुताबिक यह मामला कलुआही थाना क्षेत्र अंतर्गत ठाहर गांव का है। मंत्री अपने विधानसभा क्षेत्र में कई कार्यक्रम को अटेंड कर वापस लौट रहे थे। तभी क्षेत्र के ही कुछ लोगों ने उनके काफिले पर पत्थरों से हमला कर दिया। विधायक अरुण शंकर प्रसाद ने दावा किया कि खजौली थाना क्षेत्र के तहत आने वाले ठहर गांव में एक सड़क दुर्घटना में हाल ही में मारे गए युवक के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने के दौरान उन पर हमला किया गया है। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक ठहर गांव के जुगे ठाकुर के बेटे कृष्ण कुमार ठाकुर की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मंत्री पीड़ित परिवार से मिलने और अपनी संवेदना व्यक्त करने के लिए गांव गए थे। मंत्री के प्रतिनिधि हरीशचंद्र शर्मा ने आरोप लगाया कि मंत्री के गांव पहुंचने के कुछ ही देर बाद लगभग 300 से 400 पुरुषों और महिलाओं की भीड़ जमा हो गई। उन्होंने दावा किया कि भीड़ में शामिल कई लोगों के पास लाठियां और अन्य चीजें थीं और उन्होंने अचानक मंत्री पर हमला करना शुरू कर दिया। शर्मा के मुताबिक कुछ लोगों ने कथित तौर पर मंत्री को पकड़ने और उनका गला दबाने की कोशिश की, जबकि अन्य लोगों ने कपड़े और लाठियों से उन पर हमला करने का प्रयास किया। खबरों के मुताबिक, इस घटना में मंत्री की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचा। चश्मदीदों ने बताया कि हालात तेजी से बेकाबू हो गए, जब मंत्री के साथ मौजूद सुरक्षाकर्मी और समर्थक उन्हें बचाने के लिए उनकी ओर दौड़े। आखिरकार सुरक्षाकर्मी मंत्री को घटनास्थल से सुरक्षित बाहर निकालकर किसी सुरक्षित जगह ले जाने में कामयाब रहे।

युवाओं का योगदान न्यायपालिका के तकनीकी परिवर्तन के लिए प्रेरणादायक : सीजेआई

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत का कहना है कि युवा वकील, न्यायिक अधिकारी और कानूनी पेशेवर न्यायपालिका के तकनीकी परिवर्तन के लिए एक प्रेरणादायक स्रोत हैं। ऑक्सफोर्ड यूनियन में *संविधानिक वादा से डिजिटल वास्तविकता: एआई और तकनीकी उन्नति के युग में न्याय की सुरक्षा* विषय पर सीजेआई ने यह भी स्पष्ट किया कि तकनीक कभी भी मानव निर्णय को प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि भारत में कानून के क्षेत्र में युवा शब्द इतना अनुकूलनशील है, चाहे वह जिला न्यायालय का न्यायिक अधिकारी हो, चाहे सरकारी वकील और यहां तक कि जो कॉर्पोरेट संस्थाओं को कानूनी सलाहकार के रूप में सहायता कर रहे हैं। सीजेआई ने कहा कि ये सभी युवा मस्तिष्क इतने अनुकूलनशील हैं, इतनी तेजी से इसे अपनाते हैं।

राजनाथ सिंह से विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों ने की शिष्टाचार भेंट

लखनऊ (हिंस)। केंद्रीय रक्षा मंत्री एवं लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह से उनके लखनऊ प्रवास के दौरान क्षेत्रवासी, विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक, चिकित्सकीय एवं व्यावसायिक संगठनों के प्रतिनिधिमंडलों, जनप्रतिनिधियों तथा भाजपा पदाधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट कर क्षेत्रीय एवं जनहित से जुड़े विषयों पर चर्चा की। इस दौरान साथ में भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक बाजपेई, विधान परिषद सदस्य इंजीनियर अवनीश पटेल,पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा सुरेश तिवारी, पूर्व महानगर अध्यक्ष एवं लोकतंत्र सेनानी राजेंद्र तिवारी, गंगाराम अंबेडकर, डॉक्टर प्रतिनिधिमंडल की ओर से डॉ. नकुल सिन्हा एवं डॉ. मोहम्मद खालिद, उत्तर रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष महेंद्र मोहन भट्ट, बुद्धेश्वर विकास महासभा लखनऊ के प्रतिनिधि मंडल के साथ अजय त्रिपाठी *मुन्ना,* पीजीआई चिकित्सक प्रतिनिधिमंडल अमित गुप्ता, सरगम अपार्टमेंट रेजिडेंट्स संगठन के अनुरोध राय, राजेश सिंह तथा ब्रह्म परिषद समाज के अध्यक्ष एसपी अवस्थी सहित विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों ने अपने सुझाव एवं विचार रक्षा मंत्री के समक्ष रखे। इसके अतिरिक्त प्रमुख उद्यमियों, क्षेत्रवासियों, जनप्रतिनिधियों, भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने भी रक्षा मंत्री से मुलाकात कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।

तीन दिवसीय बिहार दौरे पर पटना पहुंचे संघ प्रमुख मोहन भागवत

पटना (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन राव भागवत शनिवार दोपहर अपने तीन दिवसीय बिहार प्रवास पर पटना पहुंचे। पटना हवाई अड्डे पर उनका स्वागत प्रदेश के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित संघ और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने किया। पटना पहुंचने के बाद डॉ. भागवत शाम को मुंगेर के लिए रवाना होंगे, जहां वे 7 जून से 9 जून तक आयोजित विभिन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इस दौरान उनका प्रमुख कार्यक्रम मुंगेर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर, पुरानीगंज परिसर में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग में शामिल होना है। संघ के इस प्रशिक्षण वर्ग में बिहार सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए करीब 700 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। संघ शिक्षा वर्ग को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रमों में माना जाता है। इस वर्ग में स्वयंसेवकों को संगठन की कार्यपद्धति, अनुशासन, सामाजिक दायित्वों और राष्ट्र जीवन से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाता है। डॉ. भागवत अपने प्रवास के दौरान स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन करेंगे और उनसे संवाद भी करेंगे। संघ प्रमुख अपने संबोधन में स्वयंसेवकों को संघ की विचारधारा, संगठन के आगामी कार्यक्रमों और शताब्दी वर्ष के आयोजनों के संबंध में जानकारी देंगे। साथ ही वे राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में स्वयंसेवकों की भूमिका, सामाजिक समरसता, सेवा कार्यों तथा समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संगठन की पहुंच बढ़ाने जैसे विषयों पर भी विचार साझा करेंगे। संघ के शताब्दी वर्ष को लेकर देशभर में विशेष कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जा रही है।

पृष्ठ एक का शेष

16 मंत्रियों को सौंपे ...

सालमारा-मानकाचार और उत्तरी लखीमपुर का प्रभार मिला है। कृष्णेंदु पॉल डिमा हसाउ और कछार के गार्जियन मंत्री बनाए गए हैं। नीलिमा देवी को बोजाली और उदालगुड़ी की जिम्मेदारी दी गई है। पीयूष हजारिका को नगांव, होजाई, कार्बी आंग्लांग और पश्चिम कार्बी आंग्लांग जैसे बड़े क्षेत्र की निगरानी सौंपी गई है। रनोज पेगु को विश्वनाथ और गोलाघाट आवंटित किया गया है। सुशांत बरगोहाईं माजुली और डिब्रूगढ़ के गार्जियन मंत्री के रूप में कार्य करेंगे। आपको बता दे कि असम की इस गार्जियन मंत्री प्रणाली का मुख्य उद्देश्य राज्य सरकार और जिला प्रशासन के बीच की दूरी को कम करना है। इसके तहत मंत्री सीधे तौर पर जिलों में जाकर सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत देखेंगे। वे जिला स्तर पर चल रहे विकास कार्यों और जन कल्याणकारी कार्यक्रमों की कड़ी निगरानी करेंगे। इससे फाइलों के निपटारे में तेजी आएगी और आम जनता की समस्याओं का मौके पर ही समाधान संभव हो सकेगा।

घरेलू एलपीजी सिलिंडर ...

अमेरिका-ईरान तनाव और क्षेत्र में समुद्री आपूर्ति मार्गों पर बढ़ते जोखिमों ने अंतर्राष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा कीमतों को ऊंचा बनाए रखा है। इसी का असर घरेलू बाजार पर भी पड़ रहा है। सूत्रों का कहना है कि मार्च में कीमत बढ़ाए जाने के बावजूद सरकारी तेल विपणन कंपनियों को घरेलू एलपीजी की बिक्री पर भारी नुकसान उठाना पड़ रहा था। ताजा संशोधन से पहले कंपनियों को प्रत्येक घरेलू सिलिंडर पर लगभग 703 रुपए का घाटा हो रहा था। ऐसे में बढ़ती लागत का कुछ बोझ उपभोक्ताओं पर डालना जरूरी माना गया। एलपीजी कीमतों में यह बढ़ोतरी ऐसे समय हुई है जब अन्य ईंधनों के दाम भी बढ़े हैं। मई के मध्य से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुल मिलाकर करीब 7.50 रुपए प्रति लीटर तक की वृद्धि हो चुकी है, जबकि सीएनजी के दाम भी लगभग 6 रुपए प्रति किलोग्राम बढ़ाए गए हैं। उद्योग से जुड़े सूत्रों के अनुसार, हालिया मूल्य संशोधनों के बावजूद सरकारी तेल कंपनियां पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर दबाव झेल रही हैं। अनुमान है कि कंपनियों को पेट्रोल पर करीब 11 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 33.6 रुपए प्रति लीटर तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

हर सिलिंडर पर कंपनियों ...

इसके साथ ही इम्पोर्ट किए गए मॉलिक्यूल की लैंडेड कॉस्ट भी बढ़ गई, जिससे घरेलू सिलेंडर की इम्पोर्ट-लिंक्ड सप्लाई कॉस्ट 1,600 रुपए से ज्यादा हो गई। कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद, भारतीय घरों में खाना पकाने वाली गैस की कीमतें दुनिया भर में सबसे कम हैं। दिल्ली में आम ग्राहक प्रति सिलिंडर 942 रुपए चुकाते हैं, जो बाजार से जुड़ी कीमत से लगभग 700 रुपए कम है। पीएमयूआई उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को हर साल पहले चार रिफिल पर 300 रुपए प्रति सिलिंडर का डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर मिलता है, जिससे उन्हें असल में 642 रुपए चुकाने पड़ते हैं। यह उज्ज्वला योजना वाले परिवार की सालाना औसत खपत के बराबर है। 942 रुपए की कीमत पर भी वे अंतर्राष्ट्रीय कीमत से लगभग 45 प्रतिशत कम भुगतान करते हैं, जबकि उज्ज्वला योजना के तहत 642 रुपए की प्रभावी कीमत अंतर्राष्ट्रीय कीमत से लगभग 60 प्रतिशत कम है। वेस्ट एशिया संकट की वजह से लागत बढ़ने के कारण, रविवार से घरेलू एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में 29 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। मंत्रालय ने बताया कि घरेलू एलपीजी पर कुल अंडर-रिकवरी (लागत और बिक्री मूल्य के बीच का अंतर) वित्त वर्ष 2025-26 के आखिर तक 60,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गई, जो पिछले साल 41,338 करोड़ रुपए थी। केंद्रीय कैबिनेट ने इस मद में मार्केटिंग कंपनियों को 30,000 करोड़ रुपए का मुआवजा देने को मंजूरी दी है। मंत्रालय ने कहा कि उज्ज्वला ग्राहकों के लिए 300 रुपए प्रति सिलेंडर की सब्सिडी इस अंडर-रिकवरी के अलावा है और यह 10.58 करोड़ से ज्यादा कनेक्शन तक पहुंचती है। होर्मुज में रुकावट के बावजूद सप्लाई सुरक्षित बनी रही। भारत उन कुछ देशों में से एक था जिन्होंने एनर्जी कार्गो की सप्लाई जारी रखी। इम्पोर्ट में कमी की भरपाई के लिए घरेलू एलपीजी प्रोडक्शन को 60 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ाकर 52 टीएमटी कर दिया गया। सप्लाई के लिए अमेरिका, कनाडा और अल्जीरिया जैसे नए देशों को भी शामिल किया गया। साथ ही, सब्सिडी वाली घरेलू एलपीजी की कमर्शियल मार्केट में लीकेज को रोकने के लिए ओटीपी-आधारित डिलीवरी वेरिफिकेशन और डायवर्जन-रोधी उपायों को लगभग 90 प्रतिशत तक बढ़ाया गया। नतीजतन, भारत में सिलेंडर की कीमतें पड़ोसी देशों और विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में काफी कम हैं। पाकिस्तान 1,046 रुपए, नेपाल 1,207 रुपए, बांग्लादेश 1,225 रुपए, श्रीलंका 1,241 रुपए, अमेरिका 1,755 रुपए, ऑस्ट्रेलिया 1,765 रुपए, कनाडा 2,411 रुपए। मंत्रालय ने उपभोक्ताओं से सब्सिडी वाले इस संसाधन को बचाने के लिए खाना पकाने के ऐसे तरीकों को अपनाने का आग्रह किया जो ऊर्जा की बचत करते हों।

अदालती आदेश से असम...

पदाधिकारियों ने भाग लिया। हालांकि, बैठक पर एक कानूनी विवाद का साया पड़ गया, जिसके कारण कार्यकारी सत्र के साथ आयोजित होने वाली प्रतिनिधि बैठक रद्द कर दी गई। सूत्रों के अनुसार, असम साहित्य सभा के पूर्व कानूनी सलाहकार अनंतराम मेधी ने कामरूप (मेट्रो) के सिविल जज (वरिष्ठ डिवीजन)-1 की अदालत में याचिका दायर कर आरोप लगाया कि प्रस्तावित प्रतिनिधि सभा स्थापित प्रक्रियाओं का उल्लंघन करते हुए आयोजित की जा रही है और अनियमित प्रक्रिया के माध्यम से कार्यकाल बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रतिनिधि सभा पर रोक लगाने के लिए अदालत में दो अलग-अलग मामले दायर किए गए थे। 3 जून को सुनवाई के बाद, अदालत ने अंतरिम आदेश जारी कर सभा को अगले आदेश तक बैठक आयोजित करने से रोक दिया। परिणामस्वरूप, प्रतिनिधि सभा रद्द कर दी गई, हालांकि कार्यकारी सत्र निर्धारित समय के अनुसार जारी रहा। इस घटनाक्रम ने साहित्यिक और सांस्कृतिक हलकों में गहन चर्चा को जन्म दिया है, और कई लोग इस विवाद को असम के प्रमुख साहित्यिक निकाय के भीतर शासन, प्रतिनिधित्व और लोकतांत्रिक कामकाज पर व्यापक बहस के हिस्से के रूप में देख रहे हैं। इस विवाद पर बोलते हुए, असम साहित्य सभा के उपाध्यक्ष पद्म राजखोवा ने संगठन के समावेशी चरित्र पर जोर दिया और इसके भावी नेतृत्व के चुनाव में एक पारदर्शी और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पिछले राष्ट्रपति चुनाव में काफी उथल-पुथल हुई और व्यापक बहस छिड़ी। हम नहीं चाहते कि ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न हो। अगले राष्ट्रपति का चुनाव एक वास्तविक लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से होना चाहिए, जिसमें जिला शाखाओं और जमीनी स्तर की इकाइयों को सार्थक भूमिका मिले। उन्होंने तर्क दिया कि निर्णय लेने की शक्तियां कुछ ही व्यक्तियों के हाथों में केंद्रित करना लोकतांत्रिक सिद्धांतों के विपरीत होगा। राजखोवा ने कहा कि अगर इतने बड़े संगठन के नेतृत्व का फैसला मुट्ठी भर लोगों को करने की अनुमति दी जाए तो यह अन्यायपूर्ण होगा। शाखाओं और प्रतिनिधियों के विचारों का सम्मान किया जाना चाहिए। अगर महत्वपूर्ण फैसले सिर्फ पांच लोग लें तो लोकतंत्र काम नहीं कर सकता। असमिया समाज के विविध वर्गों का प्रतिनिधित्व करने की संगठन की लंबी परंपरा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सभा को अपनी समावेशी विरासत को बनाए रखना चाहिए। असम साहित्य सभा सबकी है। यह किसी धर्म, जाति, जनजाति या समुदाय से परिभाषित नहीं होती। विभिन्न जातीय, भाषाई और सामाजिक पृष्ठभूमि के लोगों ने इसके विकास में योगदान दिया है, और यही सामूहिक भावना इसकी ताकत बनी हुई है, राजखोवा ने कहा। अदालत के हस्तक्षेप ने सभा के भीतर चल रही बहस में एक नया आयाम जोड़ दिया है, जिससे संगठनात्मक प्रक्रियाओं, नेतृत्व उत्तराधिकार और महत्वपूर्ण निर्णयों में जिला इकाइयों की भागीदारी की सीमा के बारे में नए सवाल उठ रहे हैं।

यूरोपीय संघ का ...

में यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के राजदूत और वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल होंगे, जिनमें भारत और भूटान में यूरोपीय संघ के राजदूत हर्वे डेल्फिन के साथ-साथ प्रमुख यूरोपीय व्यवसायों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। इस यात्रा के दौरान प्रतिनिधिमंडल असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के साथ द्विपक्षीय चर्चा करेगा। फेडरेशन ऑफ यूरोपियन बिजनेसेज इन इंडिया (एफईबीआई) के नेतृत्व में एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ व्यापार और निवेश के संभावित क्षेत्रों की पहचान करने के लिए बातचीत करेगा। 9 जून को प्रतिनिधिमंडल असम सरकार द्वारा आयोजित *ब्लू वैलीज : भारत और यूरोप के बीच पारिस्थितिकी तंत्र और मूल्य श्रृंखलाओं का निर्माण* शीर्षक वाली कार्यशाला में भाग लेगा। यह आयोजन टिकाऊ उद्योगों, नवाचार और मूल्य-श्रृंखला विकास में साझेदारी की संभावनाओं को तलाशने के लिए यूरोपीय और भारतीय व्यवसायों को एक साथ लाएगा। इस दौरे के साथ ही असम के पहले ब्लू वैली क्लस्टर का भी शुभारंभ होगा, जो सुगंध, स्वाद, आयुष और खाद्य प्रसंस्करण पर केंद्रित एक औद्योगिक केंद्र है। सार्वजनिक-निजी-जन भागीदारी (4 पी) पहल के रूप में परिकल्पित, इस क्लस्टर का उद्देश्य नवाचार, अनुसंधान, टिकाऊ विनिर्माण और व्यावसायिक सहयोग के माध्यम से यूरोप, पूर्वोत्तर और भूटान को जोड़ना है। असम सरकार के नेतृत्व में शुरू की गई यह पायलट परियोजना, 2026 के यूरोपीय संघ-भारत शिखर सम्मेलन में अनावरण की गई ब्लू वैली पहल के अनुरूप है। यूरोपीय संघ के अनुसार, ब्लू वैली पहल का उद्देश्य औद्योगिक समूहों को बढ़ावा देना, लघु एवं मध्यम उद्यमों के बीच संबंधों को मजबूत करना और भारत और यूरोप के बीच क्षेत्र-विशिष्ट मूल्य-श्रृंखला एकीकरण को सुविधाजनक बनाना है, साथ ही पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ आर्थिक विकास सुनिश्चित करना है। इस पहल के अंतर्गत आने वाले प्रमुख क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा, प्राकृतिक सामग्रियां, बांस आधारित उद्योग, पर्यावरण के अनुकूल वस्त्र, जैव प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और स्मार्ट विनिर्माण शामिल हैं। यूरोपीय संघ के बयान में कहा गया है कि वित्तपोषण, कौशल विकास और स्थिरता मानकों को मिलाकर, यह पहल ऐसे स्केलेबल व्यावसायिक मॉडल बनाने का प्रयास करती है जो स्थानीय समुदायों को लाभ पहुंचाते हैं और उन्हें यूरोपीय बाजारों से जोड़ते हैं।

कामाख्या कॉरिडोर वार्ता ...

अधिकारी, पीडब्ल्यूडी अधिकारियों और एल एंड टी के प्रतिनिधियों के साथ हूं, जो इस परियोजना को क्रियान्वित करेगी। औपचारिक चर्चा 8 जून से शुरू होगी और हमें उम्मीद है कि अगले सप्ताह तक हम एक व्यापक समाधान पर पहुंच जाएंगे। मल्लबरुआ के अनुसार, सभी हितधारकों ने सैद्धांतिक रूप से परियोजना में सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की है। उन्होंने आगे कहा कि सभी हितधारकों ने परियोजना के कार्यान्वयन में सहयोग देने पर सहमति जताई है, जिसका उद्देश्य प्रतिवर्ष मंदिर में आने वाले लाखों तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाओं और पहुंच में सुधार करना है। अब हम इसी के अनुरूप आगे बढ़ेंगे। प्रस्तावित मां कामाख्या एक्सेस कॉरिडोर परियोजना, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 500 करोड़ रुपये है, गुवाहाटी की सबसे अधिक ध्यान से देखी जाने वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक बनकर उभरी है। इसकी घोषणा के बाद, नीलाचल हिल पर रहने वाले स्थानीय निवासियों, दुकानदारों, व्यापारियों और व्यवसाय मालिकों के कुछ वर्गों ने परियोजना के लिए घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को ध्वस्त किए जाने की संभावना पर चिंता व्यक्त की। इसके बाद यह परियोजना कानूनी जांच के दायरे में आ गई, और गुवाहाटी उच्च न्यायालय में याचिकाएं दायर कर प्राचीन तीर्थस्थल, उससे जुड़े मंदिरों, गुफाओं और पवित्र भूमिगत जल प्रणालियों पर इसके संभावित प्रभाव के बारे में चिंताएं जताई गईं। इस साल फरवरी में, उच्च न्यायालय ने रुड़की स्थित राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान (एनआईएच) द्वारा किए गए अध्ययनों पर विचार करने और आईआईटी गुवाहाटी द्वारा उनकी जांच करने के बाद परियोजना को मंजूरी दे दी। हालांकि, आईआईटी गुवाहाटी ने बाद में जल विज्ञान और भूभौतिकीय सर्वेक्षणों के दौरान पहचानी गई गहराई से संबंधित निर्माण प्रतिबंधों का सख्ती से पालन करने की सिफारिश की, और चेतावनी दी कि किसी भी विचलन से नीलाचल पहाड़ियों के नीचे दरार-नियंत्रित भूजल मार्ग बाधित हो सकते हैं। मल्लबरुआ ने वार्षिक अंबुबाची मेले की तैयारियों की भी समीक्षा की, जो 22 जून से शुरू होने वाला है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग पहले से ही तैयारी के काम में लगे हुए हैं और डोलोई समाज के साथ नियमित रूप से चर्चा कर रहे हैं।

1 जुलाई को असम का...

स्वागत करता हूं, शर्मा ने कहा। भाजपा विधायक नीलिमा देवी ने प्रस्तावित यात्रा को असम के लिए गर्व का विषय बताया और कहा कि इससे दोनों देशों के बीच संबंध और मजबूत होंगे। यह दौरा राज्य के लिए गौरव का क्षण है। जापानी प्रधानमंत्री के तीन दिन रुकने की उम्मीद है। इस दौरान सामाजिक-आर्थिक विकास, निवेश के अवसरों और आपसी सहयोग के क्षेत्रों पर महत्वपूर्ण चर्चा होने की संभावना है। यह दौरा न केवल असम के विकास की संभावनाओं को बढ़ाएगा बल्कि जापान और भारत के बीच मित्रता और साझेदारी को भी गहरा करेगा, उन्होंने कहा। इस प्रस्तावित यात्रा का प्रतीकात्मक महत्व और भी बढ़ जाता है। दिसंबर 2019 में, जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे को भारत-जापान शिखर सम्मेलन के लिए गुवाहाटी आना था, लेकिन नागरिकता संशोधन अधिनियम के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शनों के कारण यह यात्रा रद्द कर दी गई थी। आबे के करीबी सहयोगी और राजनीतिक शिष्य ताकाइची अब उस यात्रा को करने के लिए तैयार हैं जो सात साल पहले कभी संभव नहीं हो पाई थी। रविवार तक असम सरकार ने तकाइची की प्रस्तावित यात्रा की पुष्टि करते हुए कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया था।

अन्नामलाई ने मचाई ...

का इरादा जाहिर किया था। अन्नामलाई ने वैज्ञानिक और पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम को उत्कृष्टता, समर्पण, त्याग, एकता और राष्ट्रवाद का प्रतीक बताया। एक गर्वित तमिल और राष्ट्रवादी कलाम को इस पहल को केंद्र में रखकर, अन्नामलाई ने तमिलनाडु में एक नई राजनीतिक कहानी को सबके सामने रखा है। अन्नामलाई भाजपा के साथ मिलकर पिछले 6 सालों से काम कर रहे थे। उन्हें दक्षिण भारत में एक मुखर चेहरे के तौर पर देखा जा रहा था। लेकिन मौजूदा समय में तमिलनाडु में टीवीके पार्टी की सत्ता में आने के बाद अन्नामलाई ने इस्तीफा दे दिया। इसके बाद इस नए आंदोलन की नींव रखी, जिसका उद्देश्य नई राजनीतिक पार्टी बनाकर, 2031 में तमिलनाडु विधानसभा का चुनाव लड़ना है।

मणिपुर : 26 दिन बाद ...

चिन्हित कर ध्वस्त किया गया। अधिकारियों ने बताया कि गांवों के प्रतिनिधियों और नागरिक समाज संगठनों (सीएसओ) से भी संपर्क किया गया है। उन्हें क्षेत्र में सुरक्षा बलों की लगातार मौजूदगी का भरोसा दिलाया गया है ताकि किसी भी संभावित खतरे से निपटा जा सके। साथ ही स्थानीय युवाओं को जागरूक करने और उन्हें हिंसक गतिविधियों से दूर रखने की अपील की गई है। अधिकारियों ने कहा कि स्थानीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, राष्ट्रीय राजमार्ग की सुरक्षा बनाए रखने और बंधक बनाए गए 20 लोगों को छुड़ाने के लिए कांगपोकपी, सेनापति और आसपास के जिलों में अभियान जारी रहेगा। इन 20 लोगों में छह नागा और 14 कुकी समुदाय के सदस्य शामिल हैं। नागा और कुकी दोनों समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न संगठन लगातार आंदोलन कर रहे हैं और बंधक बनाए गए लोगों की सुरक्षित रिहाई की मांग कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, 13 मई को कांगपोकपी जिले में हुई हिंसक घटनाओं में तीन चर्च नेताओं की मौत हो गई थी, जबकि चार अन्य घायल हुए थे। इसके बाद कांगपोकपी और नागा-बहुल सेनापति जिले में सक्रिय अलग-अलग हथियारबंद समूहों ने दोनों समुदायों के कम से कम 50 लोगों को कथित तौर पर बंधक बना लिया था। हालांकि अधिकारियों, सामुदायिक नेताओं और विभिन्न सीएसओ के प्रयासों के बाद 14 और 15 मई को दोनों समुदायों के करीब 30 लोगों को रिहा करा लिया गया था, लेकिन 20 लोग अब भी लापता हैं। मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह पहले ही कह चुके हैं कि 13 मई को छह नागा ग्रामीणों के अपहरण और तीन चर्च नेताओं की हत्या से जुड़े मामलों की विस्तृत जांच के लिए इन्हें एनआईए को सौंप दिया गया है। इस बीच, एक अलग अभियान में सुरक्षा बलों ने थौबल जिले के वैथौ सांगोमसांग क्षेत्र से पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) और उसके राजनीतिक विंग रिवोल्यूशनरी पीपुल्स फ्रंट (आरपीएफ) के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान सनासम सनमातुम मैतेई उर्फ टॉमपोक उर्फ वनमैन (32) और येंगकोकपम प्रेमचंद सिंह उर्फ चिंगसांगलाकपा (26) के रूप में हुई है। वहीं, तेंगनौपाल जिले में भारत-म्यांमार सीमा से लगे क्षेत्रों में चलाए गए एक अन्य अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद की। बरामद सामान में एक देसी बंदूक, मैगजीन सहित 9 एमएम पिस्तौल, मैगजीन सहित .22 अमेरिकी निर्मित पिस्तौल, चार रेडियो सेट और चार इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) शामिल हैं।

जल्द हाईटेक होंगी ...

श्रीमंतपुर लैंड पोर्ट्स पर नवनिर्मित हितधारक आवास सुविधाओं का भी उद्घाटन करेंगे। यह जानकारी सरकार की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई है। यह नया सिस्टम सीमाओं पर लगने वाले समय को कम करेगा। बयान के मुताबिक, एलपीएमएस सरकारी एजेंसियों और निजी ऑपरेटरों सहित सभी हितधारकों के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करेगा। इससे काम में होने वाली देरी थमेगी। इसके साथ ही परिचालन दक्षता में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा। यह प्रणाली कार्गो और यात्रियों की आवाजाही के लिए सुरक्षित, पूरी तरह डिजिटल वर्कफ्लो प्रदान करेगी। इसमें स्लॉट बुकिंग, ऑनलाइन भुगतान, ट्रैकिंग और सिंगल-विंडो क्लीयरेंस जैसी आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं। गृह मंत्रालय ने कहा कि एलपीएमएस को देश के प्रमुख राष्ट्रीय प्लेटफार्मों के साथ जोड़ा गया है। यह सिस्टम मोटर वाहन इकोसिस्टम के साथ एकीकृत होकर काम करेगा। इस जुड़ाव से अंतर-संचालनीय, कुशल और पारदर्शी सीमा प्रबंधन संभव हो सकेगा। यह प्लेटफॉर्म रीयल-टाइम में लॉजिस्टिक्स और नियामक जानकारी के सुरक्षित आदान-प्रदान की अनुमति देता है।

बैठक से पहले ही ...

खड़गे समेत कांग्रेस नेताओं के आरोप चुनावी आलोचना से कहीं आगे थे, जिससे भाजपा को मिलकर चुनौती देने के लिए बने गठबंधन के कामकाज पर सवाल खड़े हो गए। केरल विधानसभा चुनावों के बाद से ही यह मुद्दा दोनों पार्टियों के बीच विवाद का विषय रहा है। विपक्षी इंडी गठबंधन के वरिष्ठ नेता सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में बैठक करेंगे। इस बैठक में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार का मुकाबला करने और विपक्ष की एकजुटता को मजबूत करने की साझा रणनीति पर चर्चा की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, बैठक में शामिल होने वाले लोगों में टीएमसी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, राहुल गांधी और खड़गे शामिल हो सकते हैं। यह बैठक हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के बाद हो रही है, जिनमें पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में टीएमसी और डीएमके को सत्ता से बाहर होना पड़ा था।

जानता हूं मोज्तबा ...

बातचीत करने वाले शुरू में सहमत हुए थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह बात मान ली है कि उनके पास न्यूक्लियर हथियार नहीं होंगे। हमारे पास उसमें एक क्लॉज था कि वे न्यूक्लियर हथियार नहीं बनाएंगे और मेरे अलावा हर कोई इससे बहुत खुश था। ट्रंप ने कहा कि मैंने कहा कि अच्छा, क्या होगा अगर वे डेवलप नहीं करते, लेकिन वे बाहर जाकर खरीदते हैं, वे एक्वायर करते हैं? मैं यह कहना चाहता हूं, अगर वे खरीदते हैं, खरीदते हैं, या एक्वायर करते हैं। आप जानते हैं, आपको यह भी वहां रखना होगा, क्योंकि यह डेवलपिंग नहीं है। इसलिए, उनके पास डेवलप करने या खरीदने, एक्वायर करने या खरीदने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि ईरानियों ने *थोड़ा* पीछे हटकर कहा और फिर मान लिया। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह यह मांग नहीं कर रहे हैं कि लेबनान तेहरान के साथ शॉर्ट-टर्म डील का हिस्सा बने। ट्रंप ने ईरान के एनरिच्ड यूरेनियम स्टॉकपाइल को संभालने के लिए दो सिनेरियो बताए।

30 मीटर गहरी खाई ...

को बरामद कर लिया है। जानकारी के मुताबिक अधिकारी बेरेशवार गोस्वामी राजौरी जिले के डोरिमाल और गंभीर मुगलान बेल्ट में चल रहे *ऑपरेशन शेरुवाली* का हिस्सा थे। यह ऑपरेशन पिछले 15 दिनों से लगातार जारी है। सुरक्षा बलों को खुफिया जानकारी मिली थी कि 2 से 3 पाकिस्तानी आतंकवादी राजौरी के जंगलों में छिपे हुए हैं। इसी इनपुट के आधार पर सेना, पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स का संयुक्त सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, शनिवार शाम डोरिमाल इलाके में सघन तलाशी अभियान चल रहा था। इसी दौरान लेफ्टिनेंट बेरेशवार गोस्वामी का पैर फिसल गया और वो सीधे 30 मीटर गहरी खाई में जा गिरे। उनके साथी जवानों ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और उन्हें बाहर निकाला। इस दौरान उन्हें काफी गंभीर चोटें आईं थीं, जिसके चलते उन्होंने दम तोड़ दिया। सुरक्षा बलों ने शहीद अधिकारी के शव को खाई से निकाल लिया है।

आज से दो दिनों तक ...

आकाश में एक-दूसरे के बेहद करीब आ रहे हैं। मध्य प्रदेश की नेशनल अवार्ड प्राप्त खगोल विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने रविवार को इस खगोलीय घटना की जानकारी देते हुए बताया कि दोनों ग्रह 8 जून को पास आना शुरू होंगे और 9 जून को एक-दूसरे के सबसे ज्यादा नजदीक या पीक कंजंक्शन पर होंगे। इसके बाद 10 जून को फिर दोनों एक दूसरे से दूर होना शुरू हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि अंतरिक्ष में होने वाली इस घटना को खगोलविज्ञान में कंजंक्शन कहा जाता है। सारिका ने बताया कि ब्रह्मांड में ये ग्रह एक-दूसरे से करोड़ों किलोमीटर दूर हैं, लेकिन पृथ्वी से देखने पर इनका लाइन-ऑफ-साइट सरेखण ऐसा होगा कि ये लगभग आपस में मिलते हुए दिखाई देंगे।

बजाली में साइबर अपराधियों के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चार गिरफ्तार

बजाली (हिंस)। बजाली जिले में साइबर अपराध के खिलाफ चलाए गए अभियान के तहत सरूपेटा पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज बताया कि ये लोग विभिन्न राज्यों के लोगों से साइबर ठगी के जरिए जुटाई गई रकम को कस्टमर सर्विस प्वाइंट (सीएसपी) के माध्यम से निकालने के आरोप में शामिल थे। पुलिस जांच में सामने आया कि इन लेन-देन के कारण कई सीएसपी संचालकों के बैंक खाते बंद हो गए थे। इसके बाद प्रभावित सीएसपी संचालकों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी, जिसके आधार पर जांच शुरू की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिहार के आदित्य तिवारी और राहुल कुमार के रूप में हुई है। वहीं, अन्य दो आरोपियों में हकारटोप गांव के जितुमणि राय और पुठीमारी गांव के रंजन दास शामिल हैं। पुलिस ने चारों आरोपियों के कब्जे से विभिन्न लोगों के बैंक खातों से संबंधित दस्तावेज, एटीएम कार्ड तथा अन्य महत्वपूर्ण कागजात बरामद किए हैं। मामले की विस्तृत जांच जारी है और पुलिस साइबर ठगी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

नगांव लोस उपचुनाव को लेकर राजीव भवन में समीक्षा बैठक, महंगाई पर बरसे गौरव गोगोई

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि जनता द्वारा भारी समर्थन दिए जाने के बावजूद भाजपा सरकार आम लोगों की अपेक्षाओं पर खरी उतरने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि आवश्यक वस्तुओं और ईंधन की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया, जिससे आम जनता महंगाई की मार झेल रही है। रविवार को राजीव भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए गोगोई ने कहा कि मुख्यमंत्री और उनके मंत्री वर्तमान में सत्ता तथा मंत्रिमंडल से जुड़े राजनीतिक समीकरणों में व्यस्त हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि असंतुष्ट विधायकों को संतुष्ट करने की कोशिशों के बीच सरकार महंगाई और अनियंत्रित बाजार व्यवस्था से परेशान जनता की समस्याओं को भूल गई है। गोगोई ने कहा कि कांग्रेस ने नए सिरे से योजना बनाकर जनता के बीच जाने का निर्णय लिया है और लोगों की अपेक्षाओं के अनुरूप एक नई कांग्रेस के निर्माण का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव में पार्टी के खराब प्रदर्शन के कारणों की समीक्षा की जा रही है, ताकि आगामी उपचुनावों में कांग्रेस जनता के पक्ष में अधिक मजबूती से काम कर सके। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राज्य की सभी 126 विधानसभा सीटों पर पर्यवेक्षक नियुक्त कर रिपोर्ट तैयार की है, जिस पर केंद्रीय नेतृत्व के साथ चर्चा जारी है। इसी क्रम में रविवार को राजीव भवन में नगांव लोकसभा क्षेत्र के संभावित उपचुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति और संगठनात्मक तैयारियों की समीक्षा के लिए बैठक आयोजित की गई। गौरव गोगोई की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सांसद रकीबुल हुसैन, पूर्व नेता प्रतिपक्ष देवव्रत सैकिया, उपनेता प्रतिपक्ष जयप्रकाश दास, पूर्व मंत्री प्रणति फुकन, पार्टी के विधायकगण, महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष मीरा बरठाकुर, कांग्रेस नेत्री रोजलीना तिर्की सहित नगांव लोकसभा क्षेत्र के लिए गठित समिति के अधिकांश सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में उपचुनाव को लेकर संगठनात्मक रणनीति और जनसंपर्क अभियान पर विस्तार से चर्चा की गई।

बंगाईगांव रिफाइनरी की बड़ी पहल : बीटीआर के स्वास्थ्य क्षेत्र को दी 4.59 करोड़ की सौगात

बंगाईगांव (हिंस)। बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) की बंगाईगांव रिफाइनरी ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) एवं कॉर्पोरेट पर्यावरण उत्तरदायित्व (सीईआर) के तहत लगभग 4.59 करोड़ रुपए मूल्य के चिकित्सा उपकरण एवं सार्वजनिक उपयोगिता संसाधनों का वितरण किया। बंगाईगांव रिफाइनरी के आरसीसी हॉल में आयोजित समारोह में बीटीसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य हग्रामा महिलारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि जब बीटीसी प्रशासन और असम सरकार ग्रामीण स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं, तब बंगाईगांव रिफाइनरी का यह सहयोग क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक एवं प्रमुख नयन कुमार बोरा के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि इससे आशा कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी केंद्रों और स्वास्थ्य संस्थानों की कार्यक्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इस पहल के तहत कोकराझाड़ स्थित सीआईटी को एक मरीज परिवहन एम्बुलेंस तथा चिरांग एवं कोकराझाड़ के जिला क्षय रोग कार्यालयों के लिए दो बोलेरो यूटिलिटी वाहन प्रदान किए गए। साथ ही कोकराझाड़, बंगाईगांव और केएमसीएच कोकराझाड़ को हैंडहेल्ड एवं पोर्टेबल एक्स-रे मशीन, एनेस्थीसिया वर्कस्टेशन, एचपीएलसी सिस्टम तथा नवजात शिशु देखभाल के लिए चार बिलीरुबिनोमीटर उपलब्ध कराए गए।

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने प्रसिद्ध कवि पार्वतीप्रसाद बरुवा को किया याद

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने प्रसिद्ध कवि तथा गीतकार एवं नाटककार पार्वतीप्रसाद बरुवा को उनकी पुण्यतिथि पर याद करते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक संदेश शेयर करते हुए कहा है कि असम के प्रसिद्ध कवि तथा गीतकार एवं नाटककार पार्वतीप्रसाद बरुवा को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धा के साथ याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि गीतकार के रूप में प्रसिद्ध बरुवा ने गीति-साहित्य के अलावा असमिया फिल्मों के निर्माण में भी असम के सिनेमा उद्योग को नई दिशा दिखाई है। उनकी रचनाएं हर असमिया की मानसिकता में हमेशा जीवित रहेंगी। पार्वती प्रसाद बरुवा का जन्म 19 अगस्त, 1904 शिवसागर जिले में हुआ था।

गलतियों से भी बड़ा खतरा अर्धसत्य का प्रकाशन है : प्रखर श्रीवास्तव

गुवाहाटी (हिंस)। पत्रकारिता में गलतियों से भी बड़ा खतरा अर्धसत्य के प्रकाशन और उसकी व्याख्या में निहित है। यह महत्वपूर्ण टिप्पणी दिल्ली दूरदर्शन केंद्र के वरिष्ठ सलाहकार एवं पत्रकार प्रखर श्रीवास्तव ने रविवार को विश्व संवाद केंद्र असम द्वारा आयोजित देवर्षि नारद जयंती समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में वक्तव्य देते हुए की। गुवाहाटी के बरबारी स्थित सुदर्शनालय में आयोजित समारोह में वरिष्ठ पत्रकार एवं ईशान दर्पण के संपादक नव ठाकुरिया को इस वर्ष का प्रतिष्ठित देवर्षि नारद पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं, वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्यज्योति गोहाईं, चीफ रिपोर्टर रंजिता राभा तथा एक अखबार के उप संपादक मृदुल हालोई को विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में प्रखर श्रीवास्तव ने समकालीन सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों तथा इतिहास से जुड़े विभिन्न प्रसंगों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में तथ्यों की शुद्धता और संदर्भ की समझ अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष का उल्लेख करते हुए उन्होंने विभाजन काल में संघ की भूमिका तथा उस समय मीडिया की दृष्टि पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने स्वतंत्रता और विभाजन के दौर से जुड़े कुछ ऐतिहासिक दस्तावेजों तथा तत्कालीन राजनीतिक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इतिहास को समग्रता में देखने की आवश्यकता है। महात्मा गांधी की हत्या के बाद की परिस्थितियों और सावरकर परिवार के साथ हुए व्यवहार का भी उन्होंने संदर्भ दिया। असम में प्रव्रजन, जनसांख्यिकीय परिवर्तन तथा राज्य के राजनीतिक इतिहास से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी श्रीवास्तव ने अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि इतिहास और वर्तमान को समझने के लिए तथ्यों का निष्पक्ष अध्ययन आवश्यक है। समारोह में नव ठाकुरिया को 50 हजार की नगद राशि, चेलेंग, मानपत्र, भारत माता का चित्र तथा पुस्तकों का संकलन प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान ग्रहण करते हुए ठाकुरिया ने कहा कि देवर्षि नारद की प्रश्न पूछने और मार्गदर्शन देने की परंपरा आज भी पत्रकारिता के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक दृष्टिकोण आधारित पत्रकारिता की आवश्यकता पर भी बल दिया। कार्यक्रम की शुरुआत विश्व संवाद केंद्र असम के संपादक किशोर शिवम के स्वागत वक्तव्य से हुई।

कोकराझाड़ में विश्व साइकिल दिवस पर साइकिल रैली, योग और जुम्बा का आयोजन

कोकराझाड़(विभास)। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर आज कोकराझाड़ स्टेडियम में स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष दिन को यादगार बनाने के लिए साइकिल रैली के साथ-साथ योग सत्र और जुम्बा डांस जैसी कई गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। वहीं बीटीसी द्वारा आयोजित विश्व साइकिल दिवस में 135 ईटीएफ ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत वृक्षारोपण गतिविधि के साथ हुई, जिसके बाद कोकराझाड़ शहर में एक साइकिल रैली निकाली गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोकराझाड़ पश्चिम की विधायक सिउलि महिलारि और बीटीसी के कार्यकारी सदस्य देरहासात बसुमतारी ने विशेष रूप से शिरकत की। विधायक सिउलि महिलारि और ईएम देरहासात बसुमतारी ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर साइकिल रैली को रवाना किया और कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में अतिथियों ने दैनिक जीवन में साइकिल के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि साइकिल न केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य के लिए उत्तम है, बल्कि यह प्रदूषण मुक्त वातावरण बनाने में भी बड़ी भूमिका निभाती है। कार्यक्रम के दौरान आयोजित योग और जुम्बा सत्र का उद्देश्य लोगों को फिटनेस और सक्रिय जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना था। स्थानीय निवासियों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हैं, बल्कि समाज में एकता और उत्साह का वातावरण भी पैदा करते हैं।

मारवाड़ी सम्मेलन नगांव महिला शाखा ने बटद्रवा थान मे दो शीतल पेयजल मशीन लगवाई

नगांव (निसं)। मारवाड़ी सम्मेलन नगांव की महिला शाखा के सौजन्य से बटद्रवा थान में आने वाले भक्त वैष्णवों एवं तीर्थयात्रियों के लिए *अमृत धारा* नामक शीतल पेयजल व्यवस्था का आज शुभारंभ किया गया। बटद्रवा थान प्रबंधन समिति के कार्यालय के सामने स्थित मार्ग पर आयोजित एक मंगलमय कार्यक्रम के माध्यम से इस शीतल पेयजल व्यवस्था का उद्घाटन बटद्रवा थान प्रबंधन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष गोबिन चंद्र दास ने किया। दीप प्रज्ज्वलन के उपरांत हरिध्वनि के बीच उन्होंने इस व्यवस्था का उद्घाटन करते हुए कहा कि भक्तों की सेवा करने से स्वयं भगवान प्रसन्न होते हैं, इसलिए भक्त सेवा को भक्ति का एक श्रेष्ठ मार्ग माना जाता है। कार्यक्रम में प्रबंधन समिति की ओर

से सहायक सचिव प्रांजल हजारिका ने मारवाड़ी सम्मेलन की महिला शाखा एवं सभी दाताओं के इस महान प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में सभी को मिलकर बटद्रवा थान के विकास के लिए आगे बढ़ना चाहिए। गरिमामय इस कार्यक्रम में प्रबंधन समिति के बदन कलिता, भाग्येंद्र महंत, मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा की अध्यक्षा नीतू पोद्दार, उपाध्यक्ष रिंकू गिदरा, महासचिव विनीता खाटुवाला, कोषाध्यक्ष संगीता दस्सानी, संयुक्त सचिव कुसुम सेठिया, सुमन बोथरा, सरला चांडक, अनीता आलमपुरिया, संतोष शर्मा, शर्मिला महेश्वरी, रितिका मोर, पूजा केजरीवाल, जूही मौर, दीपिका कनोई, मंजू शर्मा, रीता काबरा, लीना कनोई, पिंकी कनोई, जयश्री बोथरा सहित पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष संजय गाड़ोदिया, प्रांतीय सहायक मंत्री विकास अग्रवाला, नगांव शाखा के अध्यक्ष प्रमोद कोठारी, चापरमुख शाखा के अध्यक्ष सीताराम अग्रवाला, नगांव शाखा के सलाहकार राधारमण खटुवाला, संगठन मंत्री दिलीप अग्रवाला, संयुक्त सचिव अरुण नागरका, मुकेश पोद्दार तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर नगांव मारवाड़ी सम्मेलन की महिला शाखा द्वारा स्थापित *अमृत धारा* शीतल पेयजल व्यवस्था के दाता राजेन्द्र कनोई ,लीना कनोई, अगस्त्य कनोई, लक्की पोद्दार, रोशनी पोद्दार, हेयांश पोद्दार एवं हर्षिका पोद्दार को सम्मानित भी किया गया।

फर्जी हिंदू पहचान बनाकर युवती को शादी का झांसा आरोपी हशमत अली गिरफ्तार

लखीमपुर (हिंस)। लखीमपुर पुलिस ने फर्जी हिंदू पहचान अपनाकर एक हिंदू युवती को शादी का झांसा देने के आरोप में हशमत अली को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि हशमत अली ने स्वयं को *सुमित कुमार* बताकर युवती से संबंध स्थापित किया था। पुलिस के अनुसार, आरोपी को एक विशेष अभियान के दौरान गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस हिरासत में रहते हुए हशमत अली ने कथित रूप से पुलिस वाहन से कूदकर भागने का प्रयास किया। भागने की कोशिश के दौरान उसके बाएं पैर में चोट लग गई। पुलिस ने तत्काल उसे दोबारा हिरासत में लेकर आवश्यक चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बीटीसी के फर्जी लेटर पैड से 30 करोड़ रुपए का फर्जी सप्लाई अलॉटमेंट : एक गिरफ्तार

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ पुलिस ने बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल के कार्यकारी सदस्य प्रकाश बसुमतारी के फर्जी लेटर पैड और जाली हस्ताक्षर का उपयोग कर 30 करोड़ रुपए के सप्लाई अलॉटमेंट जारी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजीव ब्रह्म के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने फर्जी आधिकारिक लेटर पैड का इस्तेमाल किया और बीटीसी के कार्यकारी सदस्य प्रकाश बसुमतारी के जाली हस्ताक्षर कर बड़े पैमाने पर वित्तीय धांधली की कोशिश की। इसके जरिए आरोपी ने *वेलफेयर ऑफ प्लेन ट्राइब्स एंड बैकवर्ड क्लासेज* विभाग से 20 करोड़ रुपए और *सोशल वेलफेयर* विभाग से 10 करोड़ रुपए के सप्लाई अलॉटमेंट जारी किए। कार्यकारी सदस्य प्रकाश बसुमतारी ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि ये फर्जी अलॉटमेंट 10 और 11 मार्च को जारी किए गए थे। उन्होंने बताया कि वे आधिकारिक दस्तावेजों पर कभी भी अपने पूरे हस्ताक्षर नहीं करते हैं। जब उन्होंने इन

पत्रों पर अपने नाम का पूरा हस्ताक्षर देखा, तो उन्हें संदेह हुआ और मामले की जांच शुरू की गई, जिससे इस बड़े फर्जीवाड़े का भंडाफोड़ हुआ। बसुमतारी ने पुष्टि की है कि मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अब पुलिस इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि इस फर्जीवाड़े और अलॉटमेंट प्रक्रिया में और कौन-कौन लोग शामिल हो सकते हैं। इस घटना के बाद से सरकारी महकमों में हड़कंप मच गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मारवाड़ी महिला सम्मेलन ने बोतलों से बनाई कलाकृतियां, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

रंगिया (विभास)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की रंगिया शाखा द्वारा आज पर्यावरण संरक्षण और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक सराहनीय अभियान चलाया गया। *बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट* (कचरे से कंचन) नामक इस विशेष मुहिम के तहत शाखा की महिला सदस्यों ने घर में बेकार पड़ी और फेंकी जाने वाली प्लास्टिक व कांच की बोतलों का इस्तेमाल कर कई बेहतरीन और बेहद खूबसूरत कलाकृतियां बनाईं। इस रचनात्मक गतिविधि के अंतर्गत महिलाओं ने बेकार बोतलों को सुंदर *पॉट* (पौधे लगाने के गमले और शो-पीस) का रूप दिया, ताकि उन्हें कचरे में फेंकने के बजाए दोबारा उपयोग में लाया जा सके। सदस्यों ने अपनी कला और सूझबूझ से कबाड़ हो चुकीं इन बोतलों

को नया और आकर्षक लुक दिया। शाखा की अध्यक्ष अरुणा अग्रवाल ने इस अभियान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य सिंगल-यूज और बेकार कचरे को दोबारा इस्तेमाल के योग्य बनाना है। अगर हम सभी मिलकर अपने घरों से निकलने वाले इस तरह के कचरे को रीसायकल करना शुरू कर दें, तो बढ़ते प्रदूषण को काफी हद तक कम किया जा सकता है। वहीं संस्था की सचिव संगीता सिकरिया ने सभी सदस्यों के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे छोटे-छोटे कदम ही भविष्य में बड़े बदलाव का जरिया बनते हैं।

रंगिया में सह-जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता संपन्न

रंगिया (विभास)। आगामी 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में स्वयंसेवी संस्था *साधना* की पहल और *साधना योग महाविद्यालय, रंगिया* के सहयोग से आज, रविवार (7 जून) को रंगिया सह-जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का शानदार आयोजन किया गया। योगाचार्य ज्योतिष कलिता के नेतृत्व में आयोजित इस प्रतियोगिता में भारी संख्या में बच्चों और युवाओं (छात्र-छात्राओं) ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और अपने बेहतरीन योग कौशल का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में 6 वर्ष से अधिक आयु के विद्यार्थियों, योग शिक्षकों और योग साधकों सहित बुजुर्ग व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। आयोजकों ने बताया कि इस कड़ी में आगामी रविवार, 14 जून 2026 को एक भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। इस भाषण प्रतियोगिता के विषय आयु वर्ग के अनुसार 15 वर्ष से कम आयु के प्रतियोगियों के लिए: *स्वास्थ्य रक्षा के क्षेत्र में योग की भूमिका* और *15 वर्ष से अधिक आयु के प्रतियोगियों के लिए : स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग* तय किए गए हैं। योगासन प्रतियोगिता के विजेताओं और प्रतिभागियों को आगामी 21 जून 2026 को *साधना* संस्था द्वारा आयोजित मुख्य अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह के मंच पर पुरस्कृत किया जाएगा।

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ने गुवाहाटी में आयोजित किया *एक्सपीरियंस एलपीयु : ए डे ऑफ लाइफटाइम इंस्पिरेशन* का दूसरा संस्करण

गुवाहाटी। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) ने शनिवार को गुवाहाटी में अपने प्रमुख छात्र एवं अभिभावक जागरूकता कार्यक्रम *एक्सपीरियंस एलपीयू - ए डे ऑफ लाइफटाइम इंस्पिरेशन* के दूसरे संस्करण का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम में गुवाहाटी सहित शिलांग, तेजपुर, नगांव, बंगाईगांव, ग्वालपाड़ा, बरपेटा, डिब्रूगढ़ तथा दीमापुर से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को उच्च शिक्षा, करियर निर्माण तथा छात्रवृत्ति के अवसरों से अवगत कराना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रख्यात शिक्षाविद, विज्ञान प्रचारक एवं लेखक तपन कुमार शर्मा थे। नॉर्थ गुवाहाटी कॉलेज में भौतिकी

विभाग के पूर्व उप-प्राचार्य एवं एसोसिएट प्रोफेसर रहे शर्मा विज्ञान चेतना के प्रसार में लंबे समय से सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं तथा विज्ञान, इतिहास और असमिया प्रवासी समुदाय पर कई महत्वपूर्ण पुस्तकों के लेखक हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को उच्च शिक्षा के अवसरों, रोजगारोन्मुखी शिक्षण, छात्र विकास पहलों, प्लेसमेंट सहायता, अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर कार्यक्रमों तथा एलपीयू द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं की व्यापक जानकारी उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रतिनिधियों डॉ. राजेश वर्मा, डॉ. विशाल शर्मा, डॉ. वरुण कुमार एवं डॉ. बलप्रीत सिंह ने विद्यार्थियों और अभिभावकों के साथ संवाद स्थापित किया तथा प्रवेश प्रक्रिया, शैक्षणिक गतिविधियों और छात्र जीवन से जुड़े विभिन्न प्रश्नों का समाधान किया। इस दौरान प्रतिभागियों को एलपीयू की शैक्षणिक उत्कृष्टता, उद्योगों के साथ सहयोग, इंटर्नशिप एवं प्लेसमेंट अवसरों, कौशल विकास कार्यक्रमों तथा वैश्विक शिक्षण अवसरों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करना रहा। शैक्षणिक उपलब्धियों, खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन, सांस्कृतिक प्रतिभा तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणामों के आधार पर योग्य विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां प्रदान की गईं। इस पहल को विद्यार्थियों और अभिभावकों दोनों ने अत्यंत सराहा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी

डेकासांग में वन विभाग के छापेमारी से लकड़ी से लदे वाहन जब्त

नगरबेड़ा (विभास)। वन विभाग ने कामरूप जिले के नगरबेरा नदी आरक्षित वन कार्यालय के अंतर्गत डेकासांग में अवैध लकड़ी के खिलाफ अभियान चलाया। एक गुप्त सूचना के आधार पर गोराईमारी बीट कार्यालय के वन कर्मियों की एक टीम ने डेकासांग में गश्त करते समय तस्करी की लकड़ी से लदे एक पिकअप वाहन को जब्त करने में कामयाबी हासिल की। एएस-01 वी9132 नंबर वाले पिकअप वाहन को नगरबेरा नदी रिजर्व वन कार्यालय के वन कर्मचारियों को सौंप दिया गया और वाहन को कार्यालय लाया गया। जब्त की गई चूराइ लकड़ी का अनुमानित बाजार मूल्य लाखों रुपए बताया जा रहा है। गौरतलब है कि नगरबेरा नदी आरक्षित वन कार्यालय के विभिन्न हिस्सों में लंबे समय से लकड़ी का अवैध व्यापार चल रहा है।

संपादकीय

खाक हुई जिंदगियां

दिल्ली में मालवीय नगर स्थित एक होटल में हुए अग्निकांड के बाद भले ही गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया हो, लेकिन सवाल है कि अग्निकांड में मरे लोगों का जीवन कौन लौटाएगा? आखिर देश की राजधानी में अकसर होने वाले अग्निकांडों का सिलसिला कब और कैसे खत्म होगा? क्या इस आपराधिक लापरवाही की जवाबदेही तय होगी? एक बार फिर अंधे लालच और आंख मूंदे तंत्र की लापरवाही से बुधवार को एक होटल में लगी भीषण आग में 21 लोगों की मौत हो गई। अभी भी कई लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। घटना ने एक बार फिर होटल, गेस्टहाउस और रेस्तरां संचालन की निगरानी करने वाली व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विडंबना देखिए कि मरने वालों में अधिकांश विदेशी लोग भी हैं, जो सस्ता इलाज कराने भारत आए थे। एक ही परिवार के आठ लोगों के अग्निकांड का शिकार होना बेहद दुखद है। विडंबना देखिए कि जिस एक मंजिला भवन को छह कमरों का गेस्ट हाउस चलाने की अनुमति मिली थी, वहां शासन-प्रशासन की नाक के नीचे एक छह मंजिला होटल बना दिया गया, जिसमें 26 कमरे और रेस्टोरेंट संचालित किया जा रहा था। जिसमें अस्सी से सौ लोगों की मौजूदगी बतायी जा रही है। निश्चित रूप से यह महज आग से जुड़ा हादसा नहीं है बल्कि होटल संचालन से जुड़े नियमों की अनदेखी, निगरानी करने वाले विभागों की लापरवाही और तंत्र की विफलता का परिचायक है। लेकिन गाहे-बगाहे होने वाले अग्निकांडों के बावजूद तंत्र की काहिली बदस्तूर जारी है। जांच के दायरे में घटना के बाद फरार होटल मालिक ही नहीं, बल्कि वे अधिकारी भी जिम्मेदार हैं जिन्होंने इसको संचालित करने के नियमों का अनुपालन नहीं किया और भवन निर्माण की स्वीकृति व उपयोग की अनुमति दी। यह जानते हुए भी कि होटल में निकासी का मार्ग बेहद संकरा है और अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध नहीं है! दिल्ली के होटल में हुए अग्निकांड के बारे में बताते हैं कि आपातकालीन निकासी के अभाव व सुरक्षा मानकों का पालन न होने से ज्यादा मौतें हुईं। धुंआ निकलने की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण भी ज्यादा लोग दम घुटने से मौत के मुंह में समा गए। आखिर प्रशासन के अधिकारियों ने यह क्यों नहीं देखा कि स्वीकृत क्षमता से चार गुना विस्तार कर लिया गया है। गेस्ट हाउस के निर्माण में तमाम लाइसेंस शर्तों का घोर उल्लंघन हुआ। आपातकालीन निकासी की व्यवस्था न होने के कारण लोग अपनी जान बचाने के लिये, बदहवासी में ऊपरी मंजिलों से कूदते नजर आए। होटल के बाहर फैले बिजली के तार और अग्निकांड में हुई व्यापक क्षति बताती है कि विद्युत सुरक्षा मानकों का भी पालन ठीक से नहीं हुआ। जाहिर बात है कि गेस्ट हाउस से होटल बनाने से, उपयोग में हुए बदलाव की निगरानी की जिम्मेदारी स्थानीय नगर निकाय की होती है। यदि वर्षों से यह अवैध रूप से संचालित था, तो जांच व कार्रवाई क्यों नहीं की गई। यदि इसकी अग्नि सुरक्षा को लेकर एनओसी जारी की भी गई थी तो उसके बाद निरीक्षण व नियमों का अनुपालन क्यों सुनिश्चित नहीं किया गया? जाहिर बात है कि लाइसेंस प्राप्त करने वाले होटलों व रेस्टोरेंट की नियमित जांच करके इनके मालिकों की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जानी चाहिए थी। क्योंकि किसी भी विभाग ने निरीक्षण व कार्रवाई की जहमत नहीं उठायी? क्या निरीक्षण करने वाले अधिकारी ले-देकर खामोश होकर बैठ गए? विडंबना देखिए कि बेसमेंट में कमरे, किचन बना दिए गए, लेकिन वेंटिलेशन व इमरजेंसी एग्जिट का कोई प्रावधान नहीं था। जिससे होटल धुंआ निकासी की चिमनी बनकर रह गया और तमाम लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। बताते हैं कि आरोपी होटल मालिक आसपास में ही कुछ पार्टनरों के साथ मिलकर तीन होटल संचालित कर रहा था और सब ही जगह आपराधिक लापरवाही नजर आई। मोटे मुनाफे के लिये लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा था। लेकिन स्थानीय प्रशासन व जवाबदेह विभाग बेपरवाह बने रहे। निश्चय ही यह स्थिति सख्त कार्रवाई के बाद बदलनी चाहिए।

देश की राजधानी में अकसर होने वाले अग्निकांडों का सिलसिला कब और कैसे खत्म होगा? क्या इस आपराधिक लापरवाही की जवाबदेही तय होगी? एक बार फिर अंधे लालच और आंख मूंदे तंत्र की लापरवाही से बुधवार को एक होटल में लगी भीषण आग में 21 लोगों की मौत हो गई। अभी भी कई लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। घटना ने एक बार फिर होटल, गेस्टहाउस और रेस्तरां संचालन की निगरानी करने वाली व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विडंबना देखिए कि मरने वालों में अधिकांश विदेशी लोग भी हैं, जो सस्ता इलाज कराने भारत आए थे। एक ही परिवार के आठ लोगों के अग्निकांड का शिकार होना बेहद दुखद है। विडंबना देखिए कि जिस एक मंजिला भवन को छह कमरों का गेस्ट हाउस चलाने की अनुमति मिली थी, वहां शासन-प्रशासन की नाक के नीचे एक छह मंजिला होटल बना दिया गया, जिसमें 26 कमरे और रेस्टोरेंट संचालित किया जा रहा था। जिसमें अस्सी से सौ लोगों की मौजूदगी बतायी जा रही है।

कुछ अलग

राख के बीच

बॉर्डर के पास बसे छोटे कस्बे में इन दिनों अजीब-सी खामोशी थी। पहले शाम होते ही चौराहे की दुकान पर चाय की चुस्कियों के साथ खेती, मौसम, राजनीति पर बहसें होती थीं। अब वही लोग टीवी के आसपास खड़े रहते और युद्ध की खबरों पर नजरें गड़ाए दिखते। रामू चायवाला रोज की तरह दुकान खोलता, पर ग्राहकों के चेहरों पर पहले जैसी बेफिक्री नहीं थी। सबकी निगाहें कभी टीवी पर टिकतीं, कभी आसमान पर। कस्बे का ही एक युवक सुरेश, कुछ महीने पहले विदेश कमाने गया था। तो उसकी बूढ़ी मां हर दूसरे दिन चाय की दुकान तक आ जाती, शायद कस्बे के बीच उसे अपने बेटे की कोई खबर मिल जाएगी। एक दिन सुबह-सुबह सेना के कुछ ट्रक कस्बे से गुजरे। उनके पहियों से उठी धूल देर तक हवा में तैरती रही। लोग सड़क किनारे खड़े फुसफुसाते तो कुछ चुपचाप देखते रहे। उस धूल में जैसे कई सवाल भी उड़ रहे थे। दिन बीतते जा रहे थे। अहम और लोभ की लड़ाई में वे लोग पिस रहे थे जिनका कोई ताल्लुक नहीं था। रसोई के चूल्हे और गाड़ियों के चक्के शांत हो गए थे। अखबारों में दावों और दंगल की बातें छपती रहीं। लेकिन कस्बे के लोगों के लिए इंतजार ही सबसे बड़ी खबर था। फिर एक शाम टीवी पर घोषणा हुई- दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम की बातचीत शुरू हो गई है। शब्द छोटे थे, पर असर गहरा। चौराहे पर बैठे लोगों ने राहत की सांस ली। बच्चे फिर गली में दौड़ने लगे। रसोई से गर्म खुशबू आने लगी। पहिए घूमने लगे। सुरेश की मां खबर सुनते ही दुकान पर आई। उसकी आंखों में पहली बार डर से ज्यादा उम्मीद थी। रामू ने राहत की सांस लेते हुए कहा, लगता है अब शांति लौट आएगी।

ममता बनर्जी को कभी संघर्षशील, जुझारू और जननेता के रूप में देखा जाता था

तृणमूल कांग्रेस में टूट और ममता की बढ़ती चिन्ताएं

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), जिसने पिछले डेढ़ दशक से बंगाल की राजनीति पर लगभग एकाधिकार स्थापित कर रखा था, आज आंतरिक असंतोष, नेतृत्व संबंधी प्रश्नों और जनविश्वास के संकट से जूझती दिखाई दे रही है। पार्टी के भीतर असंतुष्ट नेताओं और विधायकों की गतिविधियों ने यह संकेत दिया है कि संगठनात्मक एकता में दरारें उभर रही हैं। यह स्थिति केवल किसी एक राजनीतिक दल का संकट नहीं है, बल्कि लोकतंत्र में राजनीतिक मूल्यों, जनभावनाओं और नेतृत्व की भूमिका पर पुनर्विचार का अवसर भी है। राजनीति में इतिहास बार-बार यह प्रमाणित करता रहा है कि जब भी सत्ता के साथ अहंकार जुड़ता है, जनता अंततः उसका उत्तर देती है। लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णायक होती है। चाहे वह इंदिरा गांधी का आपातकाल हो, पश्चिम बंगाल में वामपंथी शासन या दिल्ली में आम आदमी पार्टी का अंत या फिर उत्तर प्रदेश एवं बिहार की अनेक राजनीतिक घटनाएँ-हर जगह जनता ने यह संदेश दिया है कि सत्ता जनता की सेवा के लिए है, शासन के अहंकार के लिए नहीं। ममता बनर्जी को कभी संघर्षशील, जुझारू और जननेता के रूप में देखा जाता था। उन्होंने वामपंथी शासन के लंबे दौर को समाप्त कर बंगाल में परिवर्तन का नया अध्याय लिखा। किंतु समय के साथ उनकी राजनीति पर अहंकारवाद, व्यक्तिवाद और तुष्टिकरण के आरोप बढ़ते गए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी के भीतर निर्णय प्रक्रिया का अत्यधिक केंद्रीकरण और कुछ व्यक्तियों का बढ़ता प्रभाव अनेक वरिष्ठ नेताओं को असहज करता रहा है। यही कारण है कि समय-समय पर असंतोष के स्वर उभरते रहे हैं। राजनीतिक टिप्पणीकारों द्वारा प्रकाशित विश्लेषणों में भी यह प्रश्न उठाया गया है कि यदि किसी दल में संगठन से अधिक व्यक्ति महत्वपूर्ण हो जाए, तो वहां असंतोष स्वाभाविक रूप से जन्म लेता है। हाल के घटनाक्रमों ने इस आशंका को और बल दिया है। जिस प्रकार पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता और विधायक नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं, उससे यह स्पष्ट होता है कि समस्या केवल व्यक्तियों की नहीं, बल्कि संगठनात्मक संस्कृति की भी है। भारतीय राजनीति में हाल के वर्षों में आम आदमी पार्टी और उसके नेता अरविंद केजरीवाल का उदाहरण भी इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। वर्ष 2013 से लेकर 2024 तक दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से निकले केजरीवाल को जनता ने ईमानदार, पारदर्शी और वैकल्पिक राजनीति के प्रतीक के रूप में स्वीकार किया। लेकिन समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, विरोधियों के प्रति असहिष्णुता, राजनीतिक अहंकार और स्वयं को अजेय मान लेने की प्रवृत्ति उनके नेतृत्व पर हावी होती दिखाई दी। जनता ने देखा कि जो दल कभी राजनीतिक शुचिता और नैतिकता की बात करता था, वह भी सत्ता के उसी

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), जिसने पिछले डेढ़ दशक से बंगाल की राजनीति पर लगभग एकाधिकार स्थापित कर रखा था, आज आंतरिक असंतोष, नेतृत्व संबंधी प्रश्नों और जनविश्वास के संकट से जूझती दिखाई दे रही है। पार्टी के भीतर असंतुष्ट नेताओं और विधायकों की गतिविधियों ने यह संकेत दिया है कि संगठनात्मक एकता में दरारें उभर रही हैं। यह स्थिति केवल किसी एक राजनीतिक दल का संकट नहीं है, बल्कि लोकतंत्र में राजनीतिक मूल्यों, जनभावनाओं और नेतृत्व की भूमिका पर पुनर्विचार का अवसर भी है। राजनीति में इतिहास बार-बार यह प्रमाणित करता रहा है कि जब भी सत्ता के साथ अहंकार जुड़ता है, जनता अंतत: उसका उत्तर देती है। लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णायक होती है।

मोह और व्यक्तिकेंद्रित राजनीति का शिकार होता जा रहा है, जिसके विरुद्ध उसने संघर्ष प्रारम्भ किया था। परिणामस्वरूप दिल्ली की राजनीति में उसका प्रभाव कमजोर हुआ और जनता ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि लोकतंत्र में कोई भी नेता अथवा दल जनता से बड़ा नहीं होता। यह घटना इस सत्य को पुनः स्थापित करती है कि जनता लंबे समय तक अहंकार, अतिशयोक्ति और आत्ममुग्धता को स्वीकार नहीं करती। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के समक्ष खड़ी चुनौतियों को भी इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। जब किसी दल का नेतृत्व स्वयं को संगठन और जनता से ऊपर मानने लगता है, तब असंतोष जन्म लेता है, कार्यकर्ता दूर होने लगते हैं और अंततः राजनीतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इतिहास बताता है कि लोकतंत्र में विनम्रता, संवाद, जनभावनाओं का सम्मान और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्धता ही स्थायी राजनीतिक सफलता की कुंजी हैं। किसी भी लोकतांत्रिक दल की शक्ति उसके विचार, संगठन और कार्यकर्ताओं में होती है, न कि केवल एक नेता में। जब दल विचारधारा की बजाय व्यक्तिपूजा पर आधारित होने लगते हैं, तब उनका संकट निश्चित हो जाता है। भारतीय राजनीति में अनेक उदाहरण हैं जहाँ परिवारवाद ने दलों की जड़ों को कमजोर किया। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विभाजन के पीछे भी नेतृत्व और उत्तराधिकार से जुड़े प्रश्न महत्वपूर्ण रहे। बंगाल में भी इसी प्रकार की चर्चाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। तृणमूल कांग्रेस के सामने दूसरा बड़ा संकट उसकी सार्वजनिक छवि का है। शिक्षक भर्ती, नगर निकायों तथा अन्य प्रशासनिक मामलों से जुड़े विवादों ने जनता के मन में अनेक प्रश्न खड़े किए हैं। किसी भी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी जनता का विश्वास होता है। यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही कम हो रही है, तो राजनीतिक नुकसान होना स्वाभाविक है। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल में लंबे समय से चल रही पहचान, नागरिकता, सीमा सुरक्षा और अवैध घुसपैठ से जुड़ी बहसों ने भी राजनीतिक वातावरण को प्रभावित किया है। भारतीय जनता पार्टी ने इन मुद्दों को राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक अस्मिता के प्रश्न के रूप में प्रस्तुत किया। भाजपा का तर्क रहा है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि होना चाहिए और किसी भी प्रकार की तुष्टिकरण की राजनीति अंततः समाज को विभाजित करती है। यही कारण है कि बंगाल में भाजपा ने अपनी राजनीतिक रणनीति को राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक पहचान और सुशासन के मुद्दों पर केंद्रित किया। भाजपा की बंगाल यात्रा भी अपने आप में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक अध्ययन का विषय है। कभी केवल दो सीटों तक सीमित रहने वाली पार्टी आज राज्य की सत्ता शक्ति बन चुकी है। यह परिवर्तन अचानक नहीं हुआ। इसके पीछे वर्षों का संगठनात्मक विस्तार, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं का निर्माण, राष्ट्रीय नेतृत्व की सक्रियता तथा स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय विमर्श से जोड़ने की रणनीति रही है। भाजपा ने बंगाल में यह संदेश देने का प्रयास किया कि वह केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं, बल्कि वैचारिक विकल्प भी है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि केवल राष्ट्रवाद या धार्मिक पहचान के आधार पर किसी दल की स्थायी सफलता सुनिश्चित नहीं होती। लोकतंत्र में जनता विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा भी चाहती है। इसलिए किसी भी राजनीतिक दल के लिए आवश्यक है कि वह राष्ट्रीय भावना के साथ-साथ जनकल्याणकारी नीतियों को भी प्राथमिकता दे। राष्ट्र और राजनीति का संबंध अत्यंत गहरा है। कोई भी राजनीतिक दल तभी दीर्घकालिक सफलता प्राप्त कर सकता है जब वह राष्ट्रहित, संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनभावनाओं के प्रति प्रतिबद्ध रहे। यदि कोई दल ऐसे तत्वों का समर्थन करता हुआ दिखाई देता है जो राष्ट्रीय एकता के विरुद्ध हों, तो जनता धीरे-धीरे उससे दूरी बनाने लगती है। भारत की लोकतांत्रिक चेतना इतनी परिपक्व हो चुकी है कि वह अंततः राष्ट्रहित और जनहित के बीच संतुलन स्थापित करने वाले नेतृत्व को ही स्वीकार करती है। पश्चिम बंगाल का वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य इसी सत्य की पुष्टि करता है। तृणमूल कांग्रेस के सामने चुनौती केवल बगावत या संगठनात्मक असंतोष नहीं है, बल्कि जनता के विश्वास को पुनः अर्जित करने की भी है। यदि पार्टी आत्ममंथन करती है, संगठन को लोकतांत्रिक बनाती है, पारदर्शिता बढ़ाती है और जनभावनाओं को समझने का प्रयास करती है, तो वह अपनी स्थिति को पुनः मजबूत कर सकती है। लेकिन यदि अहंकार, व्यक्तिवाद और तुष्टिकरण की राजनीति जारी रहती है, तो संकट और गहरा सकता है। यही लोकतंत्र का शाश्वत सत्य है और यही पश्चिम बंगाल की वर्तमान राजनीति का सबसे बड़ा सबक भी। लोकतंत्र का सबसे बड़ा संदेश यही है कि सत्ता स्थायी नहीं होती, किंतु मूल्य स्थायी होते हैं। राजनीतिक दल आते-जाते रहते हैं, लेकिन जनता की अपेक्षाएँ और राष्ट्र की आवश्यकताएँ हमेशा बनी रहती हैं। जो दल इन अपेक्षाओं को समझते हैं, वे इतिहास बनाते हैं और जो इन्हें अनदेखा करते हैं, वे इतिहास बन जाते हैं। आज बंगाल की राजनीति एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है।

देश दुनीया से

'जीरो टॉलरेंस' की नीति बने

आज का युवा जब हाथ में लेटेस्ट स्मार्टफोन लेकर 5 जी की रफ़्तार से दुनिया फतह करने का सपना देखता है, उसी समय उसकी दूसरी हथेली में 'जम्बो' का एक छोटा सा पुड़ियानुमा पैकेट उसके अस्तित्व को 'शून्य' करने की साजिश रच रहा होता है। यह सिर्फ एक नशा नहीं, यह भारत के भविष्य का 'केमिकल लोचा' है। 21वीं सदी के भारत की चमक-धमक, स्टार्टअप्स और वैश्विक नेतृत्व के दावों के पीछे एक गहरा काला साया हमारी 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' यानी युवा शक्ति को निगल रहा है। दिल्ली के आलीशान पबों से लेकर पंजाब, हरियाणा और मुंबई की गलियों तक फैला यह 'जम्बो' महज़ एक नशा नहीं, बल्कि घातक रसायनों का ऐसा कॉकटेल है जिसे 'मौत का सीधा आमंत्रण' कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा। 'जम्बो' वास्तव में कोई एक दवा नहीं, बल्कि मेफेड्रोन, हेरोइन और जानवरों को दिए जाने वाले ट्रांक्विलाइज़र जैसे ज़ाइलाज़ीन जैसे घातक रसायनों का एक अनियंत्रित 'कॉकटेल' है। तस्कर इसकी अत्यधिक तीव्रता के कारण इसे 'जम्बो' कहते हैं, जिसकी एक सूक्ष्म खुराक भी व्यक्ति को हफ़्तों तक मदहोश रख सकती है। वैज्ञानिक दृष्टि से यह मिश्रण मस्तिष्क के डोपामाइन सिस्टम को पूरी तरह नष्ट करने के साथ-साथ सीधे श्वसन और हृदय तंत्र पर प्रहार करता है, जो इसे सामान्य नशों की तुलना में कहीं अधिक जानलेवा बनाता है। भारत में नशीली दवाओं के प्रसार को रोकने के लिए 'स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985' (एन-डी-पी-एस) सबसे सशक्त कानूनी हथियार है। इसकी धारा 8 मादक पदार्थों के व्यापार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाती है, जबकि धारा 15 से 25 के तहत 'व्यावसायिक मात्रा' में ड्रग्स पाए जाने पर 20 साल तक के कठोर कारावास का प्रावधान है। हालाँकि, 'जम्बो' जैसे आधुनिक 'डिजाइनर ड्रग्स' कानून के लिए चुनौती बने हुए हैं। इनके निर्माता नशीले पदार्थों की 'आणविक संरचना' में सूक्ष्म बदलाव कर देते हैं, जिससे ये प्रतिबंधित सूची से बाहर रह जाते हैं। यह कानूनी पेचीदगी स्पष्ट करती है कि ड्रग्स

के खिलाफ लड़ाई में कानून को निरंतर अपडेट करने और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। न्यायपालिका ने ड्रग तस्करी को समाज के विरुद्ध एक 'संगठित अपराध' मानते हुए सख्त रुख अपनाया है। 'स्टेट ऑफ पंजाब बनाम बलदेव सिंह (1999)' के ऐतिहासिक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि नशीले पदार्थों का अवैध व्यापार न केवल अर्थव्यवस्था को खोखला कर रहा है, बल्कि हमारी युवा पीढ़ी के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा है। इसी कड़ी में, हाल के वर्षों में अदालतों ने जमानत याचिकाएं खारिज कर पुनः यह स्पष्ट संदेश दिया है कि नशे के सौदागर के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। आज के दौर में रेव पार्टियां 'नशे' को एक 'स्टेटस सिंबल' और 'कूल' दिखने के माध्यम के रूप में परोस रही हैं। सोशल मीडिया और वेब सीरीज के मायाजाल से भ्रमित होकर युवा इसे महज एक रोमांचक 'प्रयोग' समझते हैं, जबकि यह 'प्रयोग' वास्तव में उनके जीवन की अंतिम यात्रा का टिकट साबित हो सकता है। पर्दे पर नशे का महिमामंडन 'स्वतंत्रता' लग सकता है, लेकिन हकीकत की जमीन पर यह केवल हंसते-खेलते परिवारों की बर्बादी की पटकथा लिखता है। युवाओं को यह समझना होगा कि दिखावे के 'स्वैगर' और जीवन के संघर्ष के बीच एक बहुत बारीक रेखा है; क्योंकि अस्पताल के बिस्तर या जेल की सलाखों के पीछे कोई 'एटीट्यूड' काम नहीं आता, वहां सिर्फ पछतावा शेष रह जाता है। नशा केवल एक व्यक्तिगत पसंद नहीं, बल्कि एक पारिवारिक और सामाजिक त्रासदी है। एक व्यक्ति का नशा उसके माता-पिता के सपनों, अपनों के भरोसे और स्वयं के सुनहरे भविष्य को जड़ से खत्म कर देता है। नशा मुक्ति के लिए कानून, तकनीक और संवेदना का समन्वय आवश्यक है। कानूनी स्तर पर, एन-डी-पी-एस मामलों के लिए 'फास्ट ट्रैक कोर्ट' और साइबर-निगरानी को कड़ा करना होगा, वहीं दूसरी ओर, सामाजिक स्तर पर, शिक्षा के माध्यम से जमीनी जागरूकता फैलानी होगी। दृष्टिकोण में बदलाव लाते हुए नशा करने वालों को अपराधी के बजाय उपचार योग्य रोगी के रूप में देखा जाना चाहिए। आधुनिक पुनर्वास केंद्रों के माध्यम से उन्हें सुधार कर समाज की मुख्यधारा में सम्मानजनक तरीके से पुनर्स्थापित करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। आज नशा 'डिजिटल ट्रैपिंग' के जरिए युवाओं के घर तक पहुंच चुका है, जहां डार्क वेब और एनक्रिप्टेड ऐप्स ने इसे बेहद सुलभ बना दिया है। निस्संदेह, नशा अक्सर मानसिक तनाव या अकेलेपन का एक भ्रामक समाधान होता है। असली बहादुरी रसायनों के पीछे छिपने में नहीं, बल्कि जीवन की चुनौतियों का बिना किसी कृत्रिम सहारे के सामना करने में है। 'जम्बो' जैसे जानलेवा पदार्थों से लड़ने के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं हैं; इसके लिए समाज और परिवारों में 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अनिवार्य है। विंस्टन चर्चिल ने ठीक ही कहा था, जीत अंतिम नहीं है, हार घातक नहीं है; जारी रखने का साहस ही मायने रखता है। समय आ गया है कि हम अपनी तकनीक और प्रगति का उपयोग जहर फैलाने के लिए नहीं, बल्कि एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण के लिए करें। हमारी आज की जागरूकता ही कल की पीढ़ियों की सुरक्षा की गारंटी है।

आप का नजरीया

नशे पर शिकंजा

निस्संदेह नशे का निरंतर फैलता काला कारोबार एक राष्ट्रीय संकट है। देश के विभिन्न भागों में करोड़ों-अरबों रुपये मूल्य के विदेशों से आने वाले नशीले पदार्थों की बरामदगी भयावह संकट की तसवीर उकेरती है। संगठित विदेशी अपराधियों की साजिशों और देश में फैले नशा तस्करों का गठजोड़, इस नशीले जहर के कारोबार को चला रहा है। आज जरूरत इस बात की है कि देश की तमाम खुफिया एजेंसियां व राज्य के विशेष पुलिस बल योजनाबद्ध ढंग से नशा कारोबारियों की कमर तोड़ें। लेकिन फिर भी कई राज्यों द्वारा चलाये जा रहे नशा विरोधी अभियान बिगड़ते हालात सुधारने में किसी हद तक मददगार साबित हो सकते हैं। पिछले दिनों पंजाब में भी ऐसा अभियान चलाया गया। अब सीमावर्ती जम्मू-कश्मीर में वर्षों से गहराते नशे के संकट के खिलाफ अभियान शुरू किया जा रहा है। सवाल यह है कि राज्य में नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू करने में इतना वक्त क्यों लगा? अब भले ही देर से ही सही, यह पहल शुरू करना वक्त की जरूरत है। नशे के नश्तर से हमारी युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है और कई घरों के चिराग असमय बुझ रहे हैं। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, बीस जिलों का दौरा करके सौ दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर मार्च का नेतृत्व कर रहे हैं। वहीं इस अभियान का सुखद पहलू यह है कि दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में, इस कोशिश को प्रतिबंधित संगठन जमाते-ए-इस्लामी के एक गुट का भी समर्थन मिला है। कहना कठिन है कि इस समर्थन का हकीकत में असर कितना होगा। लेकिन इस घोषणा ने सकारात्मक संदेश जरूर दिया है कि समाज के विभिन्न वर्गों के सामूहिक प्रयासों से ही इस भयावह होते संकट का मुकाबला किया जा सकता है। सही मायने में समाज में व्याप्त तमाम वैचारिक मतभेदों को दरकिनार करते हुए, सामूहिक व निरंतर प्रयासों से ही नशा मुक्ति की लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाया जा सकता है। वास्तव में नशा विरोधी अभियान के मार्ग में बाधा पैदा करने वाली जटिलताओं के मुकाबले के लिये कुछ दिन, कुछ माह के अभियान के बजाय साल में 365 दिन चलने वाली रणनीति अपनाने की जरूरत है। कभी-कभार चलाए जाने वाले अभियान इसके लक्ष्य को पाने में ज्यादा मददगार साबित नहीं हो सकते। इस संकट के समाधान के लिये नशे की लत के सामाजिक पहलुओं की भी व्यापक पड़ताल जरूरी है। कारगर समाधान हेतु सामाजिक स्तर पर रणनीति बनाने की जरूरत होती है। निस्संदेह, नशे की लत के तमाम कारण हमारे समाज में विद्यमान हैं। जिनके निराकरण की दिशा में भी कदम उठाने की जरूरत है। मसलन इस व्यसन के मूल में समाज में व्याप्त बेरोजगारी, निराशा, सामाजिक व आर्थिक असमानताएं, बुरी संगत का असर तथा मादक पदार्थों की समाज में आसान उपलब्धता आदि कारक निहित हैं। चिंताजनक है कि नशा अब स्कूल-कालेजों तक को अपनी गिरफ्त में ले रहा है। कई राज्यों में नशे की आपूर्ति में बच्चों को इस्तेमाल करने के चिंताजनक उदाहरण सामने आए हैं। वहीं यदि नशा मुक्ति के लिये चलाये जा रहे पुनर्वास कार्यक्रमों में शिथिलता अपनायी जाती है तो सख्ती से हासिल होने वाली उपलब्धियां व्यर्थ हो जाती हैं। यह सत्य है कि नशा एक ऐसा रोग है, जिसका कोई आसान इलाज उपलब्ध नहीं है। जहां एक ओर नशीले पदार्थों की आपूर्ति पर अंकुश लगाना जरूरी है, तो दूसरी ओर इसकी तलब को काबू करने के लिये भी प्रयास जरूरी हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि नशे की डोज जुटाने के लिये कुछ छात्र व युवा अपराध की राहों में फिसल जाते हैं। इसलिये जरूरी हो जाता है कि नियमित रूप से नशा तस्करों और ड्रग पेडलरों की गिरफ्तारी करके तुरंत सजा दी जाए। वहीं दूसरी ओर नशे की खरीद-फरोख्त में संलिप्तता पर ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने, पासपोर्ट निरस्त करने से भी जहरीले कारोबार पर अंकुश लगाने में मदद मिल सकती है।

देश के विभिन्न भागों में करोड़ों-अरबों रुपये मूल्य के विदेशों से आने वाले नशीले पदार्थों की बरामदगी भयावह संकट की तसवीर उकेरती है। संगठित विदेशी अपराधियों की साजिशों और देश में फैले नशा तस्करों का गठजोड़, इस नशीले जहर के कारोबार को चला रहा है। आज जरूरत इस बात की है कि देश की तमाम खुफिया एजेंसियां व राज्य के विशेष पुलिस बल योजनाबद्ध ढंग से नशा कारोबारियों की कमर तोड़ें। लेकिन फिर भी कई राज्यों द्वारा चलाये जा रहे नशा विरोधी अभियान बिगड़ते हालात सुधारने में किसी हद तक मददगार साबित हो सकते हैं। पिछले दिनों पंजाब में भी ऐसा अभियान चलाया गया। अब सीमावर्ती जम्मू-कश्मीर में वर्षों से गहराते नशे के संकट के खिलाफ अभियान शुरू किया जा रहा है। सवाल यह है कि राज्य में नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू करने में इतना वक्त क्यों लगा? अब भले ही देर से ही सही, यह पहल शुरू करना वक्त की जरूरत है। नशे के नश्तर से हमारी युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है और कई घरों के चिराग असमय बुझ रहे हैं। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, बीस जिलों का दौरा करके सौ दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर मार्च का नेतृत्व कर रहे हैं। वहीं इस अभियान का सुखद पहलू यह है कि दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में, इस कोशिश को प्रतिबंधित संगठन जमाते-ए-इस्लामी के एक गुट का भी समर्थन मिला है। कहना कठिन है कि इस समर्थन का हकीकत में असर कितना होगा।

दृष्टि कोण

आखिर आर्थिक सुनामी के राजनीतिक व आर्थिक मायने मायने क्या हैं?

राहुल गांधी की आर्थिक सुनामी वाली चेतावनी को फिलहाल एक राजनीतिक चेतावनी और आर्थिक जोखिमों पर विपक्षी आक्रमण के रूप में देखा जाना चाहिए। क्योंकि उनका यह कहना कि भारत निश्चित रूप से आर्थिक सुनामी की ओर बढ़ रहा है, अभी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जल्दबाजी होगी। हालांकि वैश्विक परिस्थितियों और घरेलू आर्थिक चुनौतियों को देखते हुए इस बहस को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता। आर्थिक मामलों के जानकार बताते हैं कि भारत में वास्तव में आर्थिक सुनामी आएगी या नहीं, इसका कोई निश्चित उत्तर अभी नहीं दिया जा सकता। लेकिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा हाल में दी गई चेतावनी ने आर्थिक और राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है। क्योंकि राहुल गांधी का तर्क है कि वैश्विक संकट, विशेषकर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, महंगाई, ईंधन कीमतों और आर्थिक असमानता के कारण भारत एक बड़े आर्थिक झटके की ओर बढ़ सकता है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा का कहना है कि भारत की अर्थव्यवस्था के पास पर्याप्त शॉक एब्जॉर्बर हैं—विदेशी मुद्रा भंडार, नियंत्रित महंगाई, खाद्यान्न भंडार, डिजिटल अर्थव्यवस्था और मजबूत कर-संग्रह जैसी व्यवस्थाएं—जो बाहरी संकटों का सामना करने में सक्षम हैं। भारत के सामने कुछ वास्तविक चुनौतियाँ हैं: जैसे वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि की आशंका। निर्यात और निवेश पर अंतरराष्ट्रीय तनाव का असर। रोजगार सृजन की चुनौती। और कृषि और एमएसएमई क्षेत्र पर दबाव। लेकिन साथ ही भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में बना हुआ है, और कई आर्थिक संकेतक अभी व्यापक संकट की पुष्टि नहीं करते। जानकार बताते हैं कि आर्थिक सुनामी कोई औपचारिक आर्थिक शब्द नहीं है, बल्कि ऐसी स्थिति को बताने के लिए इस्तेमाल किया जाता है जब अर्थव्यवस्था को अचानक और व्यापक झटका लगे तथा उसके प्रभाव दूरगामी हों। इसके कुछ संकेत

हो सकते हैं- जीडीपी वृद्धि दर में तेज गिरावट। बड़े पैमाने पर बेरोजगारी। बैंकिंग या वित्तीय संकट। शेयर बाजार में भारी गिरावट। मुद्रा पर दबाव और महंगाई का बढ़ना। निवेश और उपभोग में तीव्र कमी। इतिहास में Great Depression (1930 का दशक) और Global Financial Crisis (2008) जैसी घटनाओं को आर्थिक सुनामी के उदाहरण माना जा सकता है। किसी भी सरकार या प्रधानमंत्री के रहते हुए आर्थिक संकट की संभावना को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। अर्थव्यवस्था अनेक घरेलू और वैश्विक कारकों से प्रभावित होती है, जैसे—वैश्विक मंदी या वित्तीय संकट। तेल की कीमतों में असाधारण वृद्धि। बड़े युद्ध या भू-राजनीतिक तनाव। प्राकृतिक आपदाएं या महामारी। घरेलू नीति संबंधी गंभीर त्रुटियां। हालांकि भारत की अर्थव्यवस्था में कुछ ऐसी ताकतें भी हैं जो बड़े झटकों को सहने में मदद करती हैं— जैसे- विशाल घरेलू बाजार। अपेक्षाकृत मजबूत बैंकिंग और नियामक व्यवस्था। बढ़ता डिजिटल भुगतान तंत्र। बुनियादी ढांचे और विनिर्माण पर निवेश। विदेशी मुद्रा भंडार का पर्याप्त स्तर। दूसरी ओर, चुनौतियां भी मौजूद हैं—जैसे- युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार सृजन। कृषि आय में सुधार। निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ाना। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता। और, आय असमानता और उपभोग मांग का प्रश्न। इसलिए निष्पक्ष रूप से कहा जाए तो पीएम मोदी के रहते आर्थिक सुनामी निश्चित रूप से आएगी या कभी नहीं आएगी— दोनों दावे तथ्यात्मक रूप से सिद्ध नहीं हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के कारण भारत की विश्व में पहचान : डॉ. आशा

हिसार (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के सब्जी मंडी मंडल की ओर से आत्मनिर्भर समूह की बैठक वार्ड-3 की पार्षद ज्योति वर्मा के आवास पर हुई। बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने मुख्य अतिथि रही और कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक विषयों पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. आशा खेदड़ ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विश्व पटल पर अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। आज भारत की आवाज वैश्विक मंचों पर प्रभावशाली ढंग से सुनी जाती है और देश विकास, आत्मनिर्भरता तथा सुशासन के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और विश्व समुदाय में उसका सम्मान बढ़ा है।

जगमोहन सिंह राजू ने पंजाब भाजपा महासचिव पद से दिया इस्तीफा

प्रदेश अध्यक्ष पद की दौड़ में थे शामिल, जनहित के मुद्दों पर अधिक समय देने की कही बात

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब भाजपा में केवल सिंह ढिल्लों को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के बाद पार्टी के भीतर असंतोष की चर्चाएं तेज हो गई हैं। इसी बीच वरिष्ठ भाजपा नेता और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी डॉ. जगमोहन सिंह राजू ने पंजाब भाजपा के महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया है। राजू उन नेताओं में शामिल थे, जिन्हें प्रदेश अध्यक्ष पद का मजबूत दावेदार माना जा रहा था। संगठन महामंत्री मंथरी श्रीनिवासुलु को लिखे पत्र में राजू ने कहा कि पिछले चार वर्षों के दौरान उन्हें भाजपा में प्रदेश उपाध्यक्ष और महासचिव के रूप में कार्य करने का अवसर मिला। उन्होंने इस अवधि को अपने राजनीतिक जीवन के सबसे महत्वपूर्ण और सीख देने वाले दौरों में से एक बताया। अपने इस्तीफे के पीछे का कारण बताते हुए राजू ने कहा कि वह अब कई महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दों पर अधिक समय देना चाहते हैं। इनमें अमृतसर को

होली सिटी का दर्जा दिलाने की मांग, युवाओं की शिक्षा, शिक्षा का अधिकार कानून के तहत गरीब बच्चों के अधिकारों की रक्षा, अनुसूचित जातियों और सिख समुदाय के संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा, धर्मांतरण, नशे के खिलाफ अभियान, पंजाबी भाषा को बढ़ावा देना तथा पंजाब के पानी और चंडीगढ़ से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन विषयों पर जनजागरण, शोध, लेखन, कानूनी हस्तक्षेप और जनसंपर्क अभियानों के माध्यम से काम करने की योजना है। ऐसे कार्यों के लिए व्यापक समय, यात्राएं और निरंतर सक्रियता की आवश्यकता होगी। इसलिए वह पार्टी में किसी बड़ी संगठनात्मक जिम्मेदारी से मुक्त रहना चाहते हैं। डॉ. जगमोहन सिंह राजू कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के जज बिजनेस स्कूल में विजिटिंग फेलो और पंजाब विश्वविद्यालय में विजिटिंग प्रोफेसर भी हैं। उनका इस्तीफा ऐसे समय आया है, जब पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह भी केवल सिंह ढिल्लों की नियुक्ति को लेकर सवाल उठा चुके हैं। ऐसे में यह घटनाक्रम 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब भाजपा में अंदरूनी असंतोष के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

चुटकुलों से सरकार नहीं, सिनेमा हॉल चल सकते हैं : नायब सैनी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को पंजाब के धूरी में आयोजित विशाल जनसभा में राज्य में राजनीतिक परिवर्तन का आह्वान करते हुए कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री को चुटकुलों के अलावा कुछ और नहीं आता। चुटकुलों से सिनेमा हॉल तो चल सकते हैं लेकिन सरकार नहीं चल सकती। यही कारण है कि पंजाब की जनता अब सरकार के झूठे वादों और खोखले आश्वासनों की राजनीति से ऊब चुकी है और विकास, सुशासन तथा पारदर्शी प्रशासन की नई राह चुनने के लिए तैयार है। जनसभा में उमड़े भारी जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि धूरी की जनता का उत्साह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि प्रदेश में बदलाव की मजबूत लहर चल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता अपने आप को क्रांतिकारी बताते हैं लेकिन वास्तव में वे भ्रांतिकारी हैं जो अपनी कमियों को छिपाने के लिए दूसरों के कामों व उपलब्धियों के संबंध में जनता को भ्रमित करने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि धूरी मुख्यमंत्री का निर्वाचन क्षेत्र है लेकिन मुख्यमंत्री तो पंजाब ही नहीं बल्कि धूरी से भी दूरी बना चुके हैं। नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब का किसान देश का अन्नदाता है। इस अन्नदाता ने 2022

में आप पार्टी पर भरोसा करके उसे वोट दिया लेकिन पंजाब में न तो किसानों की सभी फसलों को एमएसपी का लाभ मिला और न ही खराबे का उचित मुआवजा दिया जाता है। यह किसानों के साथ किया गया सबसे बड़ा विश्वासघात है जिसका जवाब किसान भाई आने वाले चुनाव में आम आदमी पार्टी को देंगे। इसके विपरीत हरियाणा देश का पहला राज्य है जहां सरकार अपने किसानों की सभी फसलों को एमएसपी पर खरीदती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब ने मुश्किल से कांग्रेस से पीछा छुड़ाया था, क्योंकि आम आदमी पार्टी ने यहां के लोगों से बड़े-बड़े वादे किए और उन्हें सब्जबाग दिखाए। पंजाब के भोले लोग इनकी बातों में आ गए जिसका नुकसान पंजाब आज तक उठा रहा है। इसके विपरीत भारतीय जनता पार्टी केवल वादे करने में नहीं, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारने में विश्वास रखती है।

घरेलू रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी से आम जनता का बिगड़ा बजट : राव नरेंद्र सिंह

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई ने आम जनता का जीवन संकटपूर्ण बना दिया है। उन्होंने कहा कि घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दामों में हालिया 29 की वृद्धि तथा कमर्शियल गैस सिलेंडरों की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी ने न केवल आम परिवारों की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है, बल्कि छोटे व्यापारियों और कारोबारियों की आर्थिक चुनौतियों को भी बढ़ा दिया है। राव नरेंद्र सिंह ने रविवार को चंडीगढ़ में जारी एक बयान में कहा कि पिछले तीन महीनों में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में लगभग 90 की वृद्धि की जा चुकी है, जबकि कमर्शियल गैस सिलेंडरों की कीमतों में करीब 1300 तक की भारी बढ़ोतरी हुई है। इससे होटल, रेस्तरां, ढाबा संचालकों और छोटे व्यवसायों की लागत में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है, जिसका असर आम उपभोक्ताओं पर भी पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार की गई वृद्धि ने महंगाई को और अधिक बढ़ावा दिया है। पेट्रोल की कीमत 100 प्रति लीटर से अधिक हो चुकी है। ईंधन की बढ़ती कीमतों का सीधा असर परिवहन लागत पर पड़ता है, जिसके कारण खाद्य पदार्थों सहित दैनिक उपयोग की लगभग सभी वस्तुएं महंगी हो गई हैं। जनता पहले से ही महंगाई की मार झेल रही है, लेकिन सरकार राहत देने के बजाय ऐसे फैसले ले रही है, जो लोगों की आर्थिक परेशानियों को और बढ़ा रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय रुपया लगातार अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर हो रहा है, जो देश की आर्थिक स्थिति और केंद्र सरकार के आर्थिक प्रबंधन पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। सरकार ने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और महंगाई पर नियंत्रण के बड़े-बड़े दावे किए थे, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों के विपरीत नजर आती है।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर कोटा स्टेशन पर खाद्य स्टॉलों एवं ट्रॉलियों के विक्रेताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश

कोटा (हिंस)। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर कोटा रेलवे स्टेशन पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंडल के चिकित्सा एवं वाणिज्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में स्टेशन पर संचालित खाद्य स्टॉलों एवं ट्रॉलियों के विक्रेताओं को यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में बताया गया कि इस वर्ष विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस का विषय *समस्या से समाधान की ओर-हर जगह सुरक्षित भोजन* है। इसका उद्देश्य खाद्यजनित बीमारियों की रोकथाम तथा सभी लोगों तक सुरक्षित भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। अधिकारियों ने बताया कि दूषित भोजन स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका एवं अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, जबकि उचित सावधानियों के माध्यम से ऐसी समस्याओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनेश कुमार मीणा ने विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा मानकों एवं यात्रियों के स्वास्थ्य के प्रति उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि किसी

भी खाद्य सामग्री को समाचार पत्र में लपेटकर अथवा रखकर यात्रियों को नहीं दिया जाना चाहिए। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा इस पर प्रतिबंध लगाया गया है, क्योंकि समाचार पत्रों की स्याही में मौजूद रासायनिक तत्व भोजन को दूषित कर सकते हैं तथा स्वास्थ्य के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकते हैं। विशेष रूप से गर्म एवं तैलीय खाद्य पदार्थों में यह जोखिम अधिक बढ़ जाता है। कार्यक्रम में विक्रेताओं को अपने हाथों एवं नाखूनों की नियमित सफाई रखने, खाद्य सामग्री को सदैव ढककर रखने, स्वच्छ बर्तनों का उपयोग करने तथा खाद्य पदार्थों के भंडारण एवं पैकिंग में स्वच्छ एवं मानक सामग्री का ही प्रयोग करने के निर्देश दिए गए। साथ ही स्पष्ट किया गया कि खाद्य सामग्री रखने, परोसने अथवा पैक करने के लिए समाचार पत्र का उपयोग पूर्णतः निषिद्ध है। इस अवसर पर स्टेशन अधीक्षक (वाणिज्य) विकास गुप्ता, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक ओ.पी. राठौर, चिकित्सा स्वास्थ्य निरीक्षक विष्णु कुमार शर्मा, मुख्य टिकट निरीक्षक विपुल जैन, पुरुषोत्तम मीणा सहित संबंधित विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा की संगठनात्मक मजबूती में मीडिया और सोशल मीडिया की अहम भूमिका : अजेय कुमार

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश मुख्यालय में रविवार को प्रदेश मीडिया विभाग, प्रवक्ता-पैनलिस्ट, आईटी एवं सोशल मीडिया विभाग की संगठनात्मक बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार ने मीडिया, प्रवक्ता, आईटी एवं सोशल मीडिया विभाग के पदाधिकारियों के साथ संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की। अजेय कुमार ने कहा कि संगठनात्मक विचारों के सतत आदान-प्रदान से संगठन को मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रवक्ताओं और मीडिया से जुड़े कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वे भाजपा की नीतियों, विचारधारा और संगठन के कार्यों को प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचाएं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन हित सर्वोपरि होना चाहिए तथा कार्यकर्ताओं को संगठन के निर्णयों का सम्मान करते हुए सकारात्मक और तथ्यात्मक संवाद स्थापित करना चाहिए। अजेय कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश में विकास, गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण और किसान हित में अनेक महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं, जिनकी जानकारी जनता तक पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की कूटनीतिक रणनीति और निर्णायक नेतृत्व के कारण वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है।

पिंक सिटी प्रेस क्लब में बाल अभिरुचि शिविर का शुभारंभ, सांसद ने बढ़ाया बच्चों का उत्साह

जयपुर (हिंस)। पिंक सिटी प्रेस क्लब में रविवार को 10 दिवसीय बाल अभिरुचि शिविर का शुभारंभ जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा ने किया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ कला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि ऐसे शिविर बच्चों की प्रतिभा को निखारने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सांसद मंजू शर्मा ने शिविर में बच्चों द्वारा प्रस्तुत संगीत, नृत्य एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे में कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है, जिसे उचित मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर नई पहचान मिल सकती है। उन्होंने बच्चों को प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। सांसद ने सुझाव दिया कि शिविर के दौरान बच्चों को जंगल सफारी कराई जाए, जिससे वे वन्यजीवों, प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरण के महत्व को समझ सकें तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनें। क्लब के महासचिव राजकुमार शर्मा ने बताया कि 7 से 17 जून तक आयोजित इस शिविर में बच्चों को अभिनय, संगीत, नृत्य, मार्शल आर्ट और अन्य रचनात्मक एवं सांस्कृतिक विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

ट्रेनों में अवैध फेरीवालों पर सख्ती, बिना पहचान पत्र बिक्री पर रोक : यात्रियों को मिलेगा सुरक्षित और बेहतर सफर

कोटा (हिंस)। ट्रेनों में यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारतीय रेल ने अनधिकृत फेरीवालों और अवैध विक्रेताओं के विरुद्ध निगरानी और कार्रवाई को और अधिक सुदृढ़ करने का निर्णय लिया है। जिसके तहत यात्रा टिकट परीक्षक (टीटीई) ट्रेन में पाए जाने वाले अनधिकृत विक्रेताओं की तत्काल सूचना वाणिज्य कण्ट्रोल एवं रेलवे सुरक्षा बल को देंगे। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि ट्रेनों में केवल अधिकृत विक्रेताओं को ही खाद्य सामग्री एवं अन्य वस्तुओं के विक्रय की अनुमति है। ऐसे सभी अधिकृत विक्रेताओं के पास क्यूआर कोड युक्त मानकीकृत पहचान पत्र होना अनिवार्य है। पहचान पत्र के बिना कोई भी व्यक्ति ट्रेन के कोचों में विक्रय गतिविधि नहीं कर सकेगा। उन्होंने बताया कि कई बार अनधिकृत फेरीवाले यात्रियों को निम्न गुणवत्ता की खाद्य सामग्री बेचने के साथ-साथ सुरक्षा एवं स्वच्छता संबंधी चुनौतियां भी उत्पन्न करते हैं। इस व्यवस्था के तहत टिकट परीक्षक ड्यूटी के दौरान ऐसे व्यक्तियों पर निगरानी रखेंगे तथा उनके पाए जाने पर तत्काल सूचना देकर कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। इस पहल से ट्रेनों में अनावश्यक भीड़भाड़ पर नियंत्रण, यात्रियों की सुरक्षा में वृद्धि तथा अधिकृत विक्रेताओं के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। साथ ही रेलवे को ट्रेनों में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में भी सहायता मिलेगी।

ग्रामीणों की शिकायत - नल हैं, पानी नहीं पर सख्त हुईं केंद्रीय अनुप्रिया पटेल, अधिकारियों को लगाई फटकार

मीरजापुर (हिंस)। *नल लगे हैं, लेकिन पानी की एक बूंद भी नहीं आती...* ग्रामीणों की यह शिकायत सुनते ही केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने अधिकारियों को तत्काल तलब कर लिया। जनता दरबार में पहुंचे ग्रामीणों की पीड़ा सुनकर मंत्री ने मौके पर ही जल निगम और पंचायत विभाग के अधिकारियों से फोन पर जवाब मांगा और कड़ी नाराजगी जताई। रविवार को भरुहना स्थित सरदार पटेल चौराहा के सांसद जनसंपर्क कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में ग्राम पंचायत नौहा के लखौली गांव के लोगों ने अपनी समस्या रखी। ग्रामीणों ने बताया कि हर घर में नल कनेक्शन तो लगा दिए गए हैं, लेकिन आज तक जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी। हालत यह है कि गांव के लोग आज भी पेयजल के लिए भटकने को मजबूर हैं, जबकि पंचायत के अन्य हिस्सों में पानी की आपूर्ति हो रही है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि कई बार शिकायत

करने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने न तो गांव का निरीक्षण किया और न ही समस्या के समाधान की कोई पहल की। मामले को गंभीर मानते हुए केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने अधिशासी अभियंता जल निगम और जिला पंचायत राज अधिकारी से तत्काल दूरभाष पर बातचीत कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को 48 घंटे के भीतर गांव का स्थलीय निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने और सात दिनों के अंदर जलापूर्ति शुरू कराने का निर्देश दिया। मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जांच में लापरवाही सामने आई तो संबंधित कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जनता दरबार में विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने भी अपनी समस्याएं रखीं, जिनके समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान भाजपा और अपना दल (एस) के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

फिरोजपुर के दुकानदार हत्याकांड में दो शूटर जम्मू-कश्मीर से गिरफ्तार, एक पिस्तौल बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब की एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने फिरोजपुर पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस के समन्वय में फिरोजपुर के दुकानदार हत्याकांड में राजस्थान के दो शूटरों को जम्मू-कश्मीर से गिरफ्तार किया है। पुलिस डायरेक्टर जनरल (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने रविवार को बताया कि रूपबास, भरतपुर (राजस्थान) निवासी विष्णु कुमार और अनंतपुरा, कोटा (राजस्थान) निवासी राहुल महावर को पकड़ा गया है। पुलिस टीमों ने उनके कब्जे से एक .30 बोर की बेरेटा पिस्तौल और 10 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि एक जून को मखू (फिरोजपुर) में स्थित गाबा जनरल स्टोर के मालिक गुरचरण सिंह गाबा की मोटरसाइकिल पर सवार दो हमलावरों ने तीन गोलियां मारकर हत्या कर दी थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार किया गया विष्णु कुमार का जबरन वसूली, डकैती, चोरी और आर्म्स एक्ट के उल्लंघन से संबंधित आपराधिक रिकॉर्ड है। उस पर राजस्थान पुलिस ने 10 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया है। एजीटीएफ के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एडीजीपी) प्रमोद बान ने कहा कि वारदात के बाद डीएसपी राजन परमिंदर सिंह की निगरानी में *हिल ट्रैप* नाम का विशेष अभियान चलाकर

राजस्थान में बड़े स्तर पर छापेमारी की गई। इस दौरान मिली पुख्ता जानकारी मिली कि मुलजिमों के जम्मू-कश्मीर में छिपने के ठिकाने हैं। एडीजीपी ने बताया कि मुलजिमों को जम्मू-कश्मीर में पुलिस स्टेशन कूद्द के पास पतनीटॉप-कुड़ रोड पर लगाए गए नाके पर रोका गया। पुलिस टीम को देखते ही मुलजिमों ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने बड़ी मुस्तैदी से दोनों मुलजिमों को एक पिस्तौल समेत गिरफ्तार कर लिया। फिरोजपुर के सीनियर सुपरिंटेंडेंट (एसएसपी) भूपिंदर सिंह सिद्धू ने कहा कि पुलिस टीमें अब घटना के पीछे की असली साजिश का पर्दाफाश करने में जुटी हुई हैं। इसके तहत हमले की योजना बनाने वाले, वित्तीय सहायता देने वाले या अन्य सुविधाएं मुहैया कराने वाले व्यक्तियों की तलाश की जा रही है।

मोदी सरकार के 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम आयोजित

भागलपुर (हिंस)। जिले के बिहपुर राजग कार्यालय में रविवार को नवगछिया पुलिस जिलास्तरीय केंद्र की मोदी सरकार के 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य के पथ निर्माण मंत्री सह बिहपुर विस विधायक इं. शैलेंद्र ने कहा कि 26 मई को केंद्र की मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे हुए हैं। यह अभी और आगे सालों साल जन आशीर्वाद से जारी रहेगा। पूरे देश में पांच से 21 जून तक विश्वास, विकास और जनकल्याण के 12 वर्ष थीम पर कार्यक्रम हो रहा है। सभी मंडलों में पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस स्थानीय योग अभ्यास समूहों के सहयोग से मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 12 से 20 जून तक जन कल्याण शिविर, जिसमें पंजीकरण का विशेष ध्यान आयुष्मान भारत, आयुष्मान वय वंदना, पीएम सूर्य घर, पीएम स्वनिधि, लखपति दीदी और वीबी-जी-राम जी योजनाओं पर रहेगा। कार्यक्रम का संचालन कर रहे प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दिनेश यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष सुबोध सिंह कुशवाहा, जिला उपाध्यक्ष अजीत सिंह, महामंत्री प्रभुनंदन चौधरी, अभय राय,मंत्री रूपेश रूप, मुकेश राणा, चंद्रशेखर सिंह, कन्हैया झा आदि ने कहा कि 21 जून तक पूरे देश में कई कार्यक्रम होंगे। इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाना है। इस कार्यक्रम में जिला से लेकर भी मंडल और बूथस्तरीय पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की भागीदारी थी।

ग्रामीण सपनों और तकनीक की कहानी कहेगी शॉर्ट फिल्म *गांव से एआई तक*, नवादा में हुआ शुभ मुहूर्त

नवादा (हिंस)। बिहार की पहली ऐसी पंचायत बनने का गौरव प्राप्त करने वाली नवादा जिले के ओरैना पंचायत, जिसने अपने प्रतिभाशाली बच्चों को बिहार एआई समिट 2026 में भाग लेने के लिए भेजकर एक नया इतिहास रचा, अब उसी प्रेरणादायक यात्रा को बड़े पर्दे पर उतारने जा रही है। इस ऐतिहासिक पहल पर आधारित बहुप्रतीक्षित शॉर्ट फिल्म *गांव सेएआई तक* का शुभ मुहूर्त रविवार को नवादा स्थित द सेलिब्रेशन होटल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर फिल्म से जुड़े कलाकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों तथा विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का उद्घाटन नवादा नगर परिषद की

मुख्य पार्षद पिंकी कुमारी ने किया। वहीं पूर्व मुख्य पार्षद संजय साव उद्घाटनकर्ता के रूप में उपस्थित रहे। फिल्म *गांव से एआई तक* बिहार के ग्रामीण क्षेत्र के उन प्रतिभाशाली बच्चों की वास्तविक प्रेरक यात्रा पर आधारित है, जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद *बिहार एआई समिट 2026* में भाग लेकर नई तकनीकी दुनिया से परिचय प्राप्त किया। फिल्म में यह दिखाया जाएगा कि किस प्रकार बच्चों और उनके अभिभावकों को जागरूक कर उन्हें इस महत्वपूर्ण सम्मेलन तक पहुंचाया गया तथा इसके लिए आवश्यक संसाधनों और सहयोग की व्यवस्था की गई। फिल्म का निर्देशन *सागर इंडिया* कर रहे हैं, जबकि इसके निर्माता *संजय साव* हैं। फिल्म का निर्माण *पारू एंटरटेनमेंट* के बैनर तले किया जा रहा है तथा *बिहार छात्र संसद* इस परियोजना से सहयोगी संस्था के रूप में जुड़ी हुई है। कास्टिंग की जिम्मेदारी *काशिका कास्टिंग* ने संभाली है। फिल्म की स्टार कास्ट में *सागर इंडिया, अनुराधा पंडित, राज लक्ष्मी, आदित्य आर्यन और प्रशांत मानव* प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म में प्रशांत मानव का किरदार ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को तकनीकी शिक्षा और अवसरों से जोड़ने वाले एक प्रेरक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में दिखाई देगा। फिल्म निर्माताओं के अनुसार *गांव से एआई तक* केवल एक शॉर्ट फिल्म नहीं, बल्कि ग्रामीण युवाओं के सपनों, शिक्षा, तकनीकी नवाचार और बदलते भारत की कहानी है।

अमेठी में 28,500 अभ्यर्थियों के लिए सुरक्षा और परिवहन के विशेष इंतजाम

अमेठी (हिंस)। उत्तर प्रदेश में 8, 9 और 10 जून को आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश नागरिक पुलिस भर्ती परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने के लिए अमेठी प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी ने रविवार को बताया कि जिले में 12 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां कुल 28,500 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। ड्यूटी को 4 जोन और 12 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। सभी परीक्षा केंद्रों पर पीआरवी, एंबुलेंस तथा ट्रैफिक पुलिस की विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। पुलिस अधीक्षक ने रविवार को बताया कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर ड्रोन के माध्यम से निगरानी की जाएगी तथा सभी केंद्रों को एक केंद्रीकृत कंट्रोल रूम से जोड़कर सीसीटीवी कैमरों के जरिए लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। नकल रोकने के लिए विशेष सैनिटाइजेशन टीम गठित की गई है, जो परीक्षा केंद्रों के अंदर उन स्थानों की जांच करेगी जहां प्रतिबंधित सामग्री छिपाई जा सकती है। इसके अलावा प्रत्येक थाना क्षेत्र में क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) तैनात की गई है तथा सोशल मीडिया टीम को भी सक्रिय कर दिया गया है। उधर, अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अमेठी रोडवेज प्रशासन ने 18 बसें रिजर्व रखी हैं। एआरएम काशी प्रसाद ने बताया कि जिन जिलों के लिए पर्याप्त संख्या में अभ्यर्थी उपलब्ध होंगे, वहां तत्काल बसें रवाना की जाएंगी। अमेठी के अनेक अभ्यर्थियों के परीक्षा केंद्र बस्ती, कौशांबी, प्रतापगढ़ सहित अन्य जिलों में बनाए गए हैं।

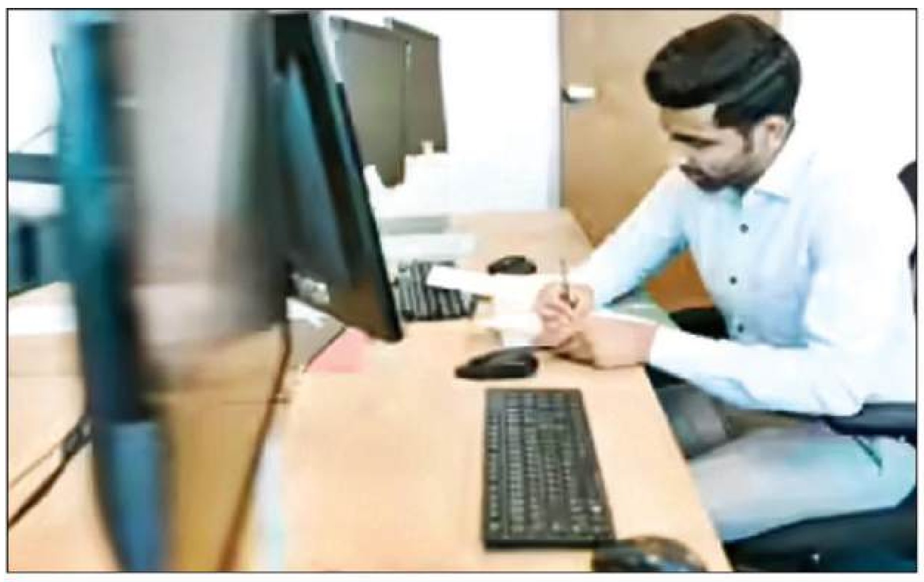

अमेरिका के रिटेल सेक्टर से भारतीय आईटी कंपनियों को राहत, पर खतरा बरकरार

एआई के बढ़ते इस्तेमाल से पारंपरिक आईटी सेवाओं की मांग पर बढ़ सकता है दबाव

नई दिल्ली

अमेरिका की बड़ी रिटेल कंपनियों का कारोबार सुधर रहा है और तकनीक पर खर्च भी बढ़ रहा है। इससे भारतीय आईटी कंपनियों को नए प्रोजेक्ट मिलने की उम्मीद बढ़ी है। हालांकि, तस्वीर पूरी तरह सकारात्मक नहीं है, क्योंकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल से पारंपरिक आईटी सेवाओं की मांग पर दबाव भी बढ़ सकता है। अमेरिका में उपभोक्ताओं का खर्च मजबूत बना हुआ है। लोग अभी भी खरीदारी कर रहे हैं, खासकर आनलाइन और कम कीमत वाले उत्पादों पर। इसी वजह से कई बड़ी रिटेल कंपनियों की बिक्री और मुनाफे में सुधार देखने को मिला है। अधिकांश कंपनियों ने पूरे साल के लिए अपने अनुमान बरकरार रखे हैं या उन्हें बढ़ाया है। कास्टको, वालमार्ट और टारगेट जैसी कंपनियों ने तिमाही के दौरान मजबूत प्रदर्शन किया। आनलाइन बिक्री में तेजी और उपभोक्ताओं की लगातार खरीदारी ने इनके कारोबार को सहारा दिया। वहीं मैसीज और बेस्ट बाय जैसी कंपनियों में भी सुधार के संकेत मिले हैं। हालांकि कंपनियां अभी भी पूरी तरह निश्चिंत नहीं हैं। उन्हें चिंता है कि टैक्स रिफंड का फायदा धीरे-धीरे खत्म होगा, जबकि ऊंची ऊर्जा कीमतें और वैश्विक तनाव आगे कारोबार को प्रभावित कर सकते हैं। रिटेल कंपनियों की रणनीति में एक बड़ा बदलाव यह देखने को मिला है कि अब एआई सिर्फ प्रयोग या पायलट प्रोजेक्ट तक सीमित नहीं है। कंपनियां इसे सीधे अपने कारोबार में लागू कर रही हैं ताकि लागत कम हो, कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़े और मुनाफा सुधरे। यानी एआई अब खर्च बढ़ाने वाली तकनीक नहीं, बल्कि कमाई बढ़ाने और मार्जिन सुधारने का जरिया बनता जा रहा है। यही बदलाव भारतीय आईटी कंपनियों के लिए चुनौती भी बन सकता है। अब कई ऐसे काम, जो पहले बड़ी आईटी टीमों के जरिए किए जाते थे, एआई की मदद से तेजी और कम लागत में पूरे हो रहे हैं। इसका असर खासकर एप्लिकेशन सपोर्ट, टेस्टिंग, क्वालिटी एश्योरेंस, रिपोर्टिंग और मेंटेनेंस जैसी सेवाओं पर पड़ सकता है। ये ऐसे क्षेत्र हैं जिनसे भारतीय आईटी कंपनियों को लंबे समय से बड़ा कारोबार मिलता रहा है। भारतीय आईटी कंपनियों के रिटेल और कंज्यूमर कारोबार में पिछले कुछ महीनों के दौरान सुधार देखने को मिला है।

न्यूज ब्रीफ

देश की पहली फ्लेक्स फ्यूल कार वैगनआर लांच, चलेगी इथेनाल से

नई दिल्ली। कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने अपनी और देश की पहली फ्लेक्स फ्यूल कार, वैगनआर को पेश कर दिया है। इस ऐतिहासिक लान्च को देश में साफ और ज्यादा विविध ईंधन विकल्पों को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है, जिसमें सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी उपस्थित थे। यह भारत की पहली पैसेंजर कार है जो ई20 से लेकर ई85 तक के इथेनाल-पेट्रोल मिश्रण पर चल सकती है, जिसमें शुद्ध 100 प्रतिशत इथेनाल (ई100) भी शामिल है। यह पहल केंद्र सरकार द्वारा इथेनाल-मिश्रित ईंधन के लिए नियामक ढांचे को व्यापक बनाने के ठीक बाद आई है। फ्लेक्सिबल फ्यूल व्हीकल (एफएफवी) वे वाहन होते हैं जिनमें एक इंटरनल कम्बशन इंजन होता है जो पेट्रोल और इथेनाल के अलग-अलग मिश्रणों पर चलने में सक्षम होता है। मारुति की यह नई वैगनआर ई100 पर भी आसानी से चलने के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई है। इसके लिए इंजीनियर्स ने इसके आंतरिक सिस्टम में व्यापक बदलाव किए हैं, जिसमें नए सिरे से डिजाइन किए गए इंजेक्टर, मजबूत फ्यूल लाइनें, टिकाऊ सील और एक खास तौर से कैलिब्रेटेड इंजन मैनेजमेंट सिस्टम शामिल है, ताकि यह इथेनाल की विशिष्ट रासायनिक विशेषताओं को बिना किसी दिक्कत के संभाल सके। यह कदम भारत के लिए कई आर्थिक और पर्यावरणीय लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करेगा। यह राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करता है, क्योंकि ईंधन स्थानीय कृषि उत्पादों जैसे गन्ने के शीरे, मक्का और कृषि कचरे से बनता है, जिससे विदेशी तेल पर निर्भरता कम होती है।

इनोवा क्रिस्टा का नया दमदार संस्करण लांच

नई दिल्ली। लोकप्रिय एमपीवी, इनोवा क्रिस्टा का नया संस्करण टोयोटा ने लान्च कर दिया है। नई टोयोटा इनोवा क्रिस्टा की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 19.72 लाख रुपये है, जो बेस जीएक्स 7-सीटर वेरिएंट के लिए है, और टाप जेडएक्स वेरिएंट की कीमत 26.63 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है। यह अपडेटेड माडल अपने एक्सटीरियर और इंटीरियर में कई बदलावों के साथ आता है, हालांकि इसके इंजन और ट्रांसमिशन को पहले जैसा ही रखा गया है। नई इनोवा क्रिस्टा के फ्रंट में एक नया रेडिएटर ग्रिल और संशोधित फ्रंट व रियर बंपर गार्निश दिया गया है, जो इसके रोड प्रेजेंस को पहले से अधिक दमदार और शानदार बनाता है। केबिन के भीतर, ड्यूल-टोन लेदर सीट अपहोल्स्ट्री एक प्रीमियम एहसास देती है, जबकि इंस्ट्रूमेंट पैनल, डोर ट्रिम और बेजल्स पर ग्रेस कापर फिनिश को वुड-पैटर्न हाइलाइट्स के साथ जोड़ा गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए, चयनित वेरिएंट्स में वायरलेस चार्जर और टायर प्रेशर मानिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) जैसी आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। सुरक्षा के लिहाज से, नई इनोवा क्रिस्टा में 7 एयरबैग, एंटी-लाक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस), व्हीकल स्टेबिलिटी कंट्रोल (वीएससी), हिल स्टार्ट असिस्ट और इलेक्ट्रानिक ब्रेक फोर्स डिस्ट्रीब्यूशन (ईबीडी) जैसे फीचर्स दिए गए हैं, जो चालक और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

आवश्यकता पड़ने पर स्वयं रफ्तार नियंत्रित कर सकेंगी यामाहा की बाइक

नई दिल्ली। दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी यामाहा चालक की सुरक्षा और आराम को प्राथमिकता देते हुए

उन्नत तकनीकों पर काम कर रही है। यामाहा ऐसी प्रणालियां विकसित कर रही है जो आवश्यकता पड़ने पर स्वयं रफ्तार नियंत्रित कर सकेंगी, स्वचालित रूप से ब्रेक लगा सकेंगी। इतना ही नहीं, इंजन की स्थिति के अनुसार गियर भी बदल सकेंगी। यह आने वाले वर्षों में मोटरसाइकिल चलाने के तरीके को पूरी तरह बदल सकता है। वर्तमान में कई प्रीमियम मोटरसाइकिलों में रफ्तार नियंत्रण प्रणाली मौजूद है, जिससे लंबी यात्राओं में चालक को आराम मिलता है। यामाहा इस प्रणाली को और अधिक बुद्धिमान बनाने की दिशा में अग्रसर है, ताकि यह सड़क और यातायात की स्थिति के अनुरूप गति को स्वतः समायोजित कर सके। सुरक्षा के मोर्चे पर, स्वचालित ब्रेक प्रणाली एक महत्वपूर्ण नवाचार है। यह प्रणाली संवेदकों और कैमरों की मदद से सड़क पर बाधाओं को पहचानती है और टक्कर की संभावना होने पर स्वयं ब्रेक लगाती है, जिससे दुर्घटनाओं की गंभीरता कम होती है या उन्हें टाला जा सकता है।

बैंकिंग सेक्टर के लिए अलर्ट : नेट इंटरेस्ट मार्जिन पर दबाव, दरें बढ़ीं तो बदल जाएगा सारा खेल

क्रेडिट ग्रोथ मजबूत, लेकिन पश्चिम एशिया संकट और महंगे तेल से बढ़ सकता है जोखिम

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जून की मौद्रिक नीति समीक्षा में लगातार स्थिरता का रुख अपनाते हुए रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। साथ ही केंद्रीय बैंक ने अपनी न्यूट्रल पालिसी स्टांस को भी जारी रखा है, जिसे बाजार विशेषज्ञ फिलहाल वेट एंड वाच की रणनीति मान रहे हैं। इसका अर्थ है कि आरबीआई अभी अर्थव्यवस्था के घरेलू और वैश्विक संकेतकों पर नजर रखते हुए किसी बड़े नीतिगत बदलाव से बच रहा है। नीति घोषणा के बाद बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के शेयरों में हल्की तेजी देखने को मिली, लेकिन बाजार में व्यापक अनिश्चितता बनी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि महंगा कच्चा तेल, कमजोर मानसून की आशंका और रुपये पर दबाव जैसे कारक आने वाले महीनों में मुद्रास्फीति को प्रभावित कर सकते हैं। यदि ये परिस्थितियां बनी रहती हैं तो ब्याज दरों के मौजूदा चक्र में बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, और दरों में बढ़ोतरी का दौर दोबारा शुरू हो सकता है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति की घोषणा के दौरान कहा कि वैश्विक आर्थिक वातावरण अप्रैल की पिछली बैठक के बाद और अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। विशेष रूप से पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक सप्लाई चेन को प्रभावित किया है, जिससे तेल और गैस की कीमतों में तेजी आई है। इसका सीधा असर वैश्विक विकास दर पर पड़ने के साथ-साथ महंगाई के दबाव को भी बढ़ा रहा है। केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2027 के लिए खुदरा महंगाई दर (सीपीआई) का अनुमान बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया है, जो पहले 4.6 प्रतिशत के आसपास था। वहीं, आर्थिक विकास के मोर्चे पर जीडीपी ग्रोथ अनुमान को 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया गया है। यह संशोधन दर्शाता है कि आरबीआई आने वाले समय में धीमी लेकिन स्थिर विकास दर की संभावना देख रहा है, जबकि महंगाई एक चुनौती बनी रह सकती है। बैंकिंग सेक्टर पर इस नीति का मिला-जुला प्रभाव देखने को मिल रहा है। एक्सिस सिक्योरिटीज पीएमएस के एक अधिकारी के अनुसार मार्च तिमाही में बैंकों का प्रदर्शन मजबूत रहा है। क्रेडिट ग्रोथ लगभग 16 प्रतिशत के स्तर पर बनी हुई है और एसेट क्वालिटी में भी सुधार देखा गया है। हालांकि, आगे चलकर भू-राजनीतिक तनाव लंबे समय तक जारी रहा तो इसका असर एमएसएमई, वाहन वित्त और तेल-संवेदनशील कारपोरेट सेक्टरों पर दिख सकता है। इसके अलावा बैंकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती नेट इंटरेस्ट मार्जिन (एनआईएम) को लेकर है। जमा जुटाने की प्रतिस्पर्धा बढ़ने और फंड की लागत ऊंची रहने से मार्जिन पर दबाव बना रह सकता है। स्टाक मार्केट में भी इस नीति का असर साफ दिखाई दिया। बैंकिंग और एनबीएफसी शेयरों में हल्की तेजी रही। एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे शेयरों में मजबूती देखी गई, जबकि एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक में कुछ गिरावट दर्ज की गई। विशेषज्ञ निवेश रणनीति में चयनात्मक दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दे रहे हैं। उनकी पसंद में आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और एसबीआई जैसे बड़े बैंक शामिल हैं, जबकि मिड और स्माल बैंकिंग स्पेस में फेडरल बैंक और उज्जीवन स्माल बैंक को प्राथमिकता दी जा रही है। एनबीएफसी सेक्टर में बजाज फाइनेंस को मजबूत विकल्प माना जा रहा है। कुल मिलाकर आरबीआई की यह नीति संकेत देती है कि फिलहाल स्थिरता प्राथमिकता है, लेकिन वैश्विक जोखिम और घरेलू महंगाई आने वाले समय में मौद्रिक नीति की दिशा बदल सकते हैं।

ओवरटाइम पर अब सख्ती: काम भी डबल, भुगतान भी डबल

नई दिल्ली

देश की फैक्ट्रियों, मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स और कारपोरेट दफ्तरों में काम करने वाले लाखों कर्मचारियों के लिए ओवरटाइम हमेशा से एक बड़ा मुद्दा रहा है। अक्सर काम के बढ़ते दबाव, प्रोजेक्ट डेडलाइन या पीक सीजन के नाम पर कर्मचारियों से तय समय से अधिक काम कराया जाता है, लेकिन इसके बदले मिलने वाला उचित भुगतान कई बार विवाद का कारण बनता है।

कई मामलों में कर्मचारियों को या तो बहुत कम अतिरिक्त भुगतान दिया जाता है या फिर ओवरटाइम के पैसे को लेकर कंपनियों की ओर से टालमटोल की स्थिति देखने को मिलती है। हालांकि, सरकार द्वारा लागू किए गए नए लेबर कोड्स ने इस पूरी व्यवस्था में बड़ा और सख्त बदलाव किया है। विशेषज्ञों के अनुसार कोड आन वेजेस, 2019 के तहत यह स्पष्ट कर दिया गया है कि यदि कोई कर्मचारी अपने निर्धारित कार्य घंटों से अधिक काम करता है, तो उसे उसके सामान्य वेतन की दोगुनी दर से ओवरटाइम का भुगतान करना अनिवार्य होगा। इस प्रावधान का उद्देश्य कर्मचारियों को उनके अतिरिक्त श्रम का उचित और न्यायसंगत मुआवजा दिलाना है, जिससे लंबे समय से चली आ रही असमानता को दूर किया जा सके।

नए लेबर कोड्स से बदले नियम, कर्मचारियों को मिला कानूनी और आर्थिक सुरक्षा कवच

इसके साथ ही आक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड, 2020 (ओएसएच कोड) में भी महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इस कोड के तहत अब किसी भी कर्मचारी से ओवरटाइम कराने से पहले उसकी स्पष्ट सहमति लेना कानूनी रूप से अनिवार्य होगा। यानी अब कंपनियां कर्मचारियों पर अतिरिक्त काम के लिए दबाव नहीं बना सकेंगी और बिना अनुमति के ओवरटाइम नहीं कराया जा सकेगा। यह नया कानूनी ढांचा पुराने फैक्ट्री एक्ट, माइंस एक्ट और अन्य श्रम कानूनों को एकीकृत करता है। इसके दायरे में अब ग्रेनाइट प्रोसेसिंग यूनिट्स, खनन क्षेत्र, फैब्रिकेशन यार्ड्स और अन्य सभी छोटे-बड़े उद्योग शामिल हो गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन नए नियमों से न केवल कर्मचारियों के अधिकार मजबूत होंगे, बल्कि कंपनियों की उस परंपरागत कार्य संस्कृति पर भी रोक लगेगी, जिसमें ओवरटाइम को सस्ते श्रम के रूप में देखा जाता था। इससे आने वाले समय में कार्यस्थल पर पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों बढ़ने की उम्मीद है।

नई पीढ़ी की हाइब्रिड सुपरकार टेमेरारियो की डिलीवरी शुरू

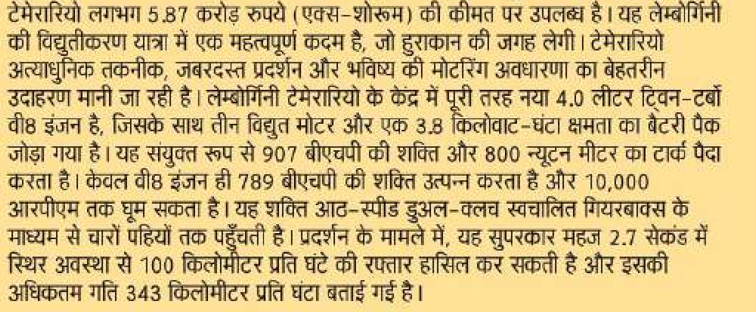

नई दिल्ली। इटली की प्रतिष्ठित सुपरकार निर्माता लेम्बोर्गिनी ने अपनी नई पीढ़ी की हाइब्रिड सुपरकार टेमेरारियो की पहली डिलीवरी के साथ एक नया अध्याय शुरू कर दिया है। सुपरकार टेमेरारियो लगभग 5.87 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम) की कीमत पर उपलब्ध है। यह लेम्बोर्गिनी की विद्युतीकरण यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो हुराकान की जगह लेगी। टेमेरारियो अत्याधुनिक तकनीक, जबरदस्त प्रदर्शन और भविष्य की मोटरिंग अवधारणा का बेहतरीन उदाहरण मानी जा रही है। लेम्बोर्गिनी टेमेरारियो के केंद्र में पूरी तरह नया 4.0 लीटर ट्विन-टर्बो वी8 इंजन है, जिसके साथ तीन विद्युत मोटर और एक 3.8 किलोवाट-घंटा क्षमता का बैटरी पैक जोड़ा गया है। यह संयुक्त रूप से 907 बीएचपी की शक्ति और 800 न्यूटन मीटर का टार्क पैदा करता है। केवल वी8 इंजन ही 789 बीएचपी की शक्ति उत्पन्न करता है और 10,000 आरपीएम तक घूम सकता है। यह शक्ति आठ-स्पीड डुअल-क्लच स्वचालित गियरबाक्स के माध्यम से चारों पहियों तक पहुँचती है। प्रदर्शन के मामले में, यह सुपरकार महज 2.7 सेकंड में स्थिर अवस्था से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार हासिल कर सकती है और इसकी अधिकतम गति 343 किलोमीटर प्रति घंटा बताई गई है।

8 महीने में आधे से ज्यादा टूट गया बिटकॉइन, 60 हजार डॉलर से नीचे फिसला; निवेशकों का भरोसा डगमगाया

नई दिल्ली

दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में गिरावट का सिलसिला जारी है। शनिवार को बिटकॉइन अक्टूबर 2024 के बाद पहली बार 60,000 डॉलर के महत्वपूर्ण स्तर से नीचे पहुंच गया। सुबह के कारोबार में इसमें करीब 7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और इसकी कीमत 59,101 डॉलर तक फिसल गई। बाद में इसमें कुछ सुधार देखने को मिला और यह 59,743 डॉलर के आसपास कारोबार करता रहा।

बिटकॉइन की मौजूदा गिरावट इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि यह अक्टूबर 2025 में बने अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर 1.26 लाख डॉलर से अब आधे से भी कम रह गया है। पिछले आठ महीनों में निवेशकों की संपत्ति में भारी कमी आई है और बाजार में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है।

विशेषज्ञों के अनुसार क्रिप्टोकरेंसी बाजार पर दबाव का सबसे बड़ा कारण निवेशकों की बदलती प्राथमिकताएं हैं। हाल के महीनों में बड़ी संस्थागत पूंजी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रक्षा, ऊर्जा और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों की ओर शिफ्ट हुई है। इसके चलते क्रिप्टो बाजार से लगातार धन निकासी देखी जा रही है। इसके अलावा सोने और एआई आधारित कंपनियों के शेयरों में बढ़ती रुचि ने भी बिटकॉइन जैसे डिजिटल एसेट्स की मांग को प्रभावित किया है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर नीति को लेकर बदले हुए अनुमान भी बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। निवेशकों का मानना है कि उच्च ब्याज दरों का माहौल जोखिम वाले निवेश विकल्पों पर दबाव बढ़ाता है, जिसका असर क्रिप्टोकरेंसी पर भी दिखाई दे रहा है।

बाजार विश्लेषकों की नजर अब 60,000 से 62,000 डॉलर के दायरे पर टिकी हुई है, जिसे बिटकॉइन के लिए महत्वपूर्ण समर्थन स्तर माना जा रहा है। यदि यह स्तर बरकरार रहता है तो निवेशकों का भरोसा लौट सकता है, लेकिन इसके नीचे लगातार कारोबार होने पर गिरावट और गहरी हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले समय में एक्सचेंज ट्रेडेड फंड में निवेश प्रवाह, संस्थागत भागीदारी, वैश्विक आर्थिक हालात और भू-राजनीतिक घटनाक्रम बिटकॉइन की दिशा तय करेंगे।

हफ्तेभर बाजार में हाहाकार, सेंसेक्स-निफ्टी की चाल ने बढ़ाई निवेशकों की धड़कनें

वैश्विक तनाव, एफआईआई बिकवाली और आरबीआई के फैसलों के बीच शेयर बाजार में जबरदस्त उठापटक

मुंबई

घरेलू शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह बेहद अस्थिर और चुनौतीपूर्ण रहा। सप्ताहभर सेंसेक्स और निफ्टी में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कभी खरीदारी ने बाजार को संभाला तो कभी वैश्विक चिंताओं और विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने निवेशकों का मूड बिगाड़ दिया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर अनिश्चितता और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक ने बाजार की दिशा पर गहरा असर डाला। सप्ताह की शुरुआत सकारात्मक रही।

सोमवार को सेंसेक्स 74,981 अंक तक पहुंच गया था और निफ्टी 23,600 के पार निकल गया था। लेकिन यह तेजी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। कारोबार के दौरान भारी मुनाफावसूली देखने को मिली और सेंसेक्स 508 अंकों की गिरावट के साथ 74,267 अंक पर बंद हुआ। दिनभर में 1,164 अंकों का उतार-चढ़ाव निवेशकों की बेचैनी को दर्शाता रहा। मंगलवार को बाजार ने मजबूत वापसी की। शुरुआती दबाव के बावजूद निचले स्तरों पर खरीदारी बढ़ी और सेंसेक्स 382 अंकों की छलांग लगाकर 74,649 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 23,483 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। आईटी और चुनिंदा बड़े शेयरों में खरीदारी ने बाजार को सहारा दिया। हालांकि बुधवार को फिर माहौल बदल गया। अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर बढ़ी अनिश्चितता और कमजोर वैश्विक संकेतों ने बाजार पर दबाव बनाया। सेंसेक्स कारोबार के दौरान 700 अंकों से अधिक टूट गया और अंततः 304 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ। गुरुवार को भी बाजार में भारी अस्थिरता रही। सेंसेक्स 74,544 के उच्च स्तर और 73,807 के निचले स्तर के बीच झूलता रहा। अंत में यह मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन निवेशकों की नजर आरबीआई की मौद्रिक नीति पर रही। शुरुआती तेजी के बावजूद बाजार में मुनाफावसूली हावी हो गई और सेंसेक्स 116 अंक गिरकर 74,243.34 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 23,366.70 के स्तर पर आ गया। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले सप्ताह में वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रम, विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां और ब्याज दरों से जुड़े संकेत बाजार की चाल तय करेंगे। फिलहाल निवेशकों को सतर्क रहकर गुणवत्ता वाले शेयरों पर फोकस करने की सलाह दी जा रही है।

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग : पूजा के तूफान में उड़ा भोपाल वुल्व्स, चंबल घड़ियल्स की एकतरफा जीत

स्टार ऑलराउंडर पूजा वस्त्राकार (63) ने जड़ा आतिशी अर्धशतक

इंदौर

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग सिंधिया कप 2026 के महिला वर्ग में शनिवार को डेली कालेज मैदान पर एकतरफा मुकाबला देखने को मिला। भारतीय स्टार खिलाड़ी पूजा वस्त्राकार के तूफानी अर्धशतक और गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन की बदौलत चंबल घड़ियल्स ने भोपाल वुल्व्स को 43 रनों के बड़े अंतर से करारी शिकस्त दी। चंबल की इस धमाकेदार जीत की सूत्रधार पूजा रहीं, जिन्होंने भोपाल के गेंदबाजी आक्रमण को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चंबल घड़ियल्स की शुरुआत सधी हुई रही। सलामी बल्लेबाज कनिष्का ठाकुर ने तेजी से रन बटोरते हुए 18 गेंदों में 5 चौकों की मदद से 26 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद मैदान पर उतरीं पूजा वस्त्राकार ने भोपाल के गेंदबाजों पर धावा बोल दिया। पूजा ने मैदान के चारों ओर आकर्षक स्ट्रोक्स खेलते हुए महज 35 गेंदों में 180.00 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से 63 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 2 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। रहिला फिरदौस की 21 रनों की उपयोगी पारी की बदौलत चंबल घड़ियल्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 153 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। भोपाल की ओर से संस्कृति गुप्ता और ऋपिता परिहार ने 2-2 विकेट चटकाए। 154 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरी भोपाल वुल्व्स की टीम चंबल के गेंदबाजों की सटीक लाइन-लेंथ के सामने शुरू से ही दबाव में नजर आई। सलामी बल्लेबाज रोशनी कुमारी (21 रन) और मध्यक्रम में संस्कृति गुप्ता (21 रन) ने विकेट पर टिकने का प्रयास जरूर किया, लेकिन वे रन गति को बढ़ाने में पूरी तरह नाकाम रहीं। चंबल घड़ियल्स की ओर से वैष्णवी सिंह ने बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 18 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। उनका बखूबी साथ निभाते हुए अदिति पंवार ने 21 रन देकर 2 विकेट और रचना यादव ने 27 रन देकर 2 विकेट चटकाकर भोपाल की कमर तोड़ दी। इस धारदार गेंदबाजी के सामने भोपाल की पूरी टीम 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर केवल 110 रन ही बना सकी। चंबल घड़ियल्स ने इस मुकाबले को जीतकर सिंधिया कप में अपनी बादशाहत कायम रखी। एक अन्य रोमांचक मैच में बुंदेलखंड बुल्स 3 विकेट से जीता डेली कालेज मैदान पर ही खेले गए एक अन्य रोमांचक मुकाबले में बुंदेलखंड बुल्स ने रायल निमाड़ ईगल्स को 3 विकेट से पराजित कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए रायल निमाड़ ईगल्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 146 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी बुंदेलखंड बुल्स की टीम ने 19 ओवरों में 7 विकेट खोकर 147 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

न्यूज ब्रीफ

श्रेयस की जगह शुभमन को बनाया जाना चाहिये था कप्तान : मांजरेकर

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि श्रेयस अय्यर की जगह पर शुभमन गिल को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया जाता तो बेहतर रहता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने शनिवार को सूर्यकुमार यादव को हटाकर श्रेसस को कप्तानी सौंप दी थी। इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मांजरेकर ने कहा था कि शुभमन के पास अधिक काबिलियत और अनुभव है। वह 6 महीने पहले तक टी20 प्रारुप में शामिल थे पर अब उन्हें बाहर कर दिय गया है। श्रेयस को आयरलैंड के खिलाफ दो मैच, इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच और फिर एशियन गेम्स के लिए टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि श्रेयस ने करीब 3 साल से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने आईपीएल में 500 रन बनाये थे, वहीं शुभमन दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उन्होंने 732 रन बनाए थे। मांजरेकर ने कहा है कि टी20 इस बार आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा, जहां शुभमन का रिकार्ड काफी अच्छ रहा है। इसके अलवा उनका तकनीक भी इन देशों में सफल रहती। की टेक्निक अच्छी हो सकती है। मांजरेकर ने कहा, श्रेयस को कप्तानी दिया जाना हैरानी की बात है। उन्हें पिछले कुछ महीनों से टी20 दल में जगह तक नहीं मिल पा रही थी जबकि अब उन्हें सीधे तौर पर ही कप्तानी दे दी है। वहीं होता ये है कि किसी भी खिलाड़ी को पहले उपकप्तानी दी जाती है। वहीं जगह पक्के पर कप्तान बनाया जाता है। मुझे लगता है कि शुभमन में लंबे समय टी20 कप्तान बनने के लिए श्रेयस से बेहतर योग्यता है। ऐसे में मेरा मानना है कि शुभमन को कप्तान बनाया जाता तो अधिक बेहतर होता।

सूर्यकुमार को बाहर नहीं किया गया बल्कि आराम दिया गया है : एमएसके प्रसाद

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व चयनकर्ता एमएसके प्रसाद का कहना है कि

सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी20 टीम से बाहर किये जाने की बातें गलत हैं। वास्तवकता ये है कि उन्हें आराम दिया गया है। वहीं इससे पहले शनिवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और -इंग्लैंड दौरे के अलावा एशियाई खेलों के लिए भी टीम घोषित कर दी थी पर इसमें सूर्यकुमार को शामिल नहीं किया गया। चयनकर्ताओं ने सूर्यकुमार की जग श्रेयस अय्यर को नया कप्तान भी बना दिया। इससे ये कहा जा रहा है कि सूर्यकुमार का अंतरराष्ट्रीय करियर अब समाप्त हो गया है। उनकी कप्तानी मे भारतीय टीम ने 2026 टी20 विश्व कप खिताब जीता था पर इस दौरान उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। इसी कारण इस बार उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। वहीं प्रसाद का कहना है कि सूर्यकुमार को जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या की तरह आराम दिया गया है और वह जल्द ही टीम में वापसी करेंगे। प्रसाद ने कहा, आप अपने विश्वकप विजेता कैप्टन को ऐसे नहीं हटाते। जिस प्रकार से बुमराह और हार्दिक पांड्या को आराम दिया गया है। मेरा मानना है कि उसकी प्रकार से ही सूर्यकुमार को भी आराम दिया गया होगा। उन्होंने आगे कहा, वह बहुत अच्छा और बहुत बड़ा खिलाड़ी है, उसे इस प्रकार से अचानक ही बाहर नहीं किया जा सकता। दूसरी बोर बोर्ड ने सूर्या को किसी भी दौरे के लिए नहीं रखा है जबकि बुमराह का नाम एशियाई खेलों के लिए शामिल है।

2027 विश्व कप हेतु विकेटकीपिंग को लेकर पठान ने रखा अपना पक्ष

नई दिल्ली। भारत के पूर्व आलराउंडर इरफान पठान ने 2027 क्रिकेट विश्व कप को लेकर भारतीय टीम की

संभावित विकेटकीपिंग रणनीति पर अपने विचार साझा किए हैं। उनका मानना है कि आगामी विश्व कप के लिए केएल राहुल और ईशान किशन भारत की पहली पसंद के विकेटकीपर-बल्लेबाज हो सकते हैं। साथ ही उन्होंने संजू सैमसन को भी एक मजबूत विकल्प बताया है। दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे की संयुक्त मेजबानी में होने वाले 2027 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के पास विकेटकीपर की भूमिका निभाने वाले कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन के सामने चयन को लेकर दिलचस्प चुनौती रहने वाली है। एक बातचीत के दौरान इरफान पठान ने कहा कि उनकी प्राथमिकता सूची में केएल राहुल सबसे ऊपर हैं। उनके अनुसार राहुल एक ऐसे विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं जो मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने के साथ-साथ टीम की जरूरत के अनुसार विभिन्न भूमिकाएं निभा सकते हैं। पठान ने राहुल को बहुमुखी खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वह टीम संतुलन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं। पूर्व भारतीय आलराउंडर का मानना है कि ईशान किशन भी विश्व कप योजनाओं का अहम हिस्सा हो सकते हैं।

मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग : जबलपुर रायल लायंस के शेरों के आगे पिंक पैंथर्स ढेर

अजय रोहेरा का आकर्षक अर्धशतक, रितिक टाडा व संजोग निज्जार की आतिशी पारियों से इंदौर को पांच विकेट से रौंदा

इंदौर

स्थानीय होल्कर स्टेडियम में खेले जा रहे मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग (एमपीएल-2026) के सातवें मुकाबले में शुक्रवार को जबलपुर रायल लायंस ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए इंदौर पिंक पैंथर्स को 5 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस टूर्नामेंट में इंदौर की यह लगातार दूसरी हार है, जिससे टीम की आगे की राह अब कठिन हो गई है। इंदौर द्वारा दिए गए 149 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य को जबलपुर ने मात्र 18 ओवरों में 5 विकेट खोकर आसानी से हासिल कर लिया। जबलपुर की इस धमाकेदार जीत के सामने इंदौर की गेंदबाजी रणनीति पूरी तरह असहाय और नाकाम नजर आई।

जबलपुर रायल लायंस के आलराउंडर रितिक टाडा को उनके शानदार हरफनमौला प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया। उन्होंने पहले गेंदबाजी में किफायत बरतते हुए 1 महत्वपूर्ण विकेट झटका और फिर बल्लेबाजी में इंदौर के आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए मात्र 27 गेंदों में 3 चौके और 3 छक्के जड़कर 47 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली।

शीर्ष क्रम ध्वस्त, कप्तान वेंकटेश ने संभाला

इससे पहले जबलपुर रायल लायंस के कप्तान राहुल बाथम ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पिच से मिल रही शुरुआती मदद का जबलपुर के गेंदबाजों ने पूरा फायदा उठाया। बल्लेबाजी का आमंत्रण पाकर उतरी इंदौर की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही। सलामी बल्लेबाज सिद्धार्थ पाटीदार खाता खोले बिना ही पुनीत दाते का शिकार बने, जबकि करण तहलियानी (4) और अथर्व जोशी (8) भी सस्ते में पवेलियन लौट गए।

इस संकटपूर्ण स्थिति में कप्तान वेंकटेश अय्यर ने मोर्चा संभाला और 40 गेंदों में 3 चौकों की मदद से 33 रनों की संयमित कप्तानी पारी खेली। मध्यक्रम में सिद्धांत अग्रवाल ने 15 रन और सारांश सुराना ने मात्र 11 गेंदों में तेजी से 22 रन बटोरे। अंतिम ओवरों में शिवम शुक्ला के 28 रन और शुभम राठौर की नाबाद 24 रनों की उपयोगी पारियों की बदौलत इंदौर ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट पर 148 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। जबलपुर की ओर से तेज गेंदबाज पंकज पटेल ने घातक गेंदबाजी करते हुए 30 रन देकर 3 विकेट चटकाए, जबकि राहुल बाथम को दो, पुनीत दाते और ऋतिक टाडा को एक-एक सफलताएं मिलीं।

रोहेरा-टाडा का प्रहार, निज्जार का कड़क फिनिश

जवाब में 149 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जबलपुर की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज अर्पित गौड़ खाता खोले बिना आउट हो गए, जिसके बाद अभिषेक भंडारी भी 6 रन बनाकर चलते बने। दो विकेट जल्दी गिर जाने के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज अजय रोहेरा और रितिक टाडा ने इंदौर के गेंदबाजों पर जवाबी हमला बोला।

अजय रोहेरा ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए 41 गेंदों में 4 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 51 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। दूसरे छोर से रितिक टाडा ने इंदौर के आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए मात्र 27 गेंदों में 3 चौके और 3 छक्के जड़कर 47 रन कूट डाले। इन दोनों के आउट होने के बाद मैच थोड़ा रोमांचक मोड़ पर पहुंचा, लेकिन संजोग निज्जार ने इंदौर की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। निज्जार ने मात्र 13 गेंदों में नाबाद 23 रन बनाए और 18वें ओवर में शिवम शुक्ला की गेंदों पर दो गगनचुंबी छक्के जड़कर टीम को 12 गेंदें शेष रहते ही 5 विकेट से ऐतिहासिक जीत दिला दी। कप्तान राहुल बाथम 3 रन बनाकर नाबाद लौटे। इंदौर की तरफ से स्पिनर रोशन केवट ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 22 रन देकर 2 विकेट लिए, लेकिन वे अपनी टीम को लगातार दूसरी हार से नहीं बचा सके।

संक्षिप्त स्कोर

इंदौर पिंक पैंथर्स : 20 ओवर में 148/8 (वेंकटेश अय्यर 33, शिवम शुक्ला 28, शुभम राठौर 24*; पंकज पटेल 3/30, राहुल बाथम 2 विकेट)

जबलपुर रायल लायंस : 18 ओवर में 149/5 (अजय रोहेरा 51, रितिक टाडा 47, संजोग निज्जार 23*; रोशन केवट 2/22)।

गुलाबी गेंद के इस्तेमाल के पक्ष में गौतम गंभीर, बोले- मैच का नतीजा निकलना सबसे जरूरी

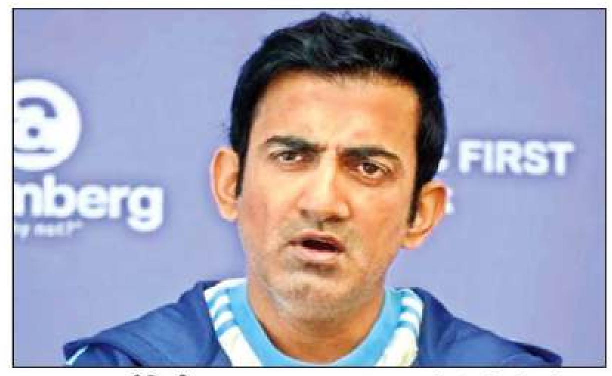

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी की स्थिति से निपटने के लिए गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का समर्थन किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा हाल ही में लिए गए फैसले का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी मैच का परिणाम निकालने का अवसर मौजूद हो तो उसे हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। टेस्ट क्रिकेट में अक्सर खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ता है, जिससे मैच का समय प्रभावित होता है और कई बार नतीजा भी नहीं निकल पाता। इसी समस्या के समाधान के लिए आईसीसी ने एक नया प्रयोग मंजूर किया है। इसके तहत पारंपरिक लाल गेंद से शुरू होने वाले टेस्ट मैचों में यदि रोशनी की समस्या पैदा होती है और दोनों टीमें सहमत हों, तो फ्लडलाइट की रोशनी में गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य खेल के अधिक से अधिक ओवर पूरे कराना और मैच को परिणाम तक पहुंचाने की संभावना बढ़ाना है। आईसीसी बोर्ड की हालिया बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। नया नियम एक अक्टूबर से लागू होगा। इसके तहत लाल गेंद से खेल शुरू होगा, लेकिन रोशनी कम होने की स्थिति में गुलाबी गेंद का उपयोग कर मैच जारी रखा जा सकेगा। हालांकि इसके लिए दोनों टीमों की सहमति अनिवार्य होगी। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच से पहले मीडिया से बातचीत में गौतम गंभीर ने कहा कि उन्हें यह फैसला बेहद पसंद आया है। उनके अनुसार क्रिकेट का उद्देश्य केवल खेलना नहीं बल्कि परिणाम तक पहुंचना भी है। उन्होंने कहा कि यदि परिस्थितियां अनुमति देती हैं और दोनों टीमें तैयार हैं तो मैच को बीच में रोकने के बजाय वैकल्पिक व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए। गंभीर ने इस फैसले के पीछे व्यावहारिक पहलुओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत को अगले वर्ष फरवरी-मार्च में घरेलू मैदान पर बार्डर-गावस्कर ट्राफी खेलनी है। इस श्रृंखला के कुछ मुकाबले पूर्वी भारत के शहरों में प्रस्तावित हैं, जहां सूर्यास्त अपेक्षाकृत जल्दी होता है। ऐसे में खराब रोशनी के कारण खेल प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है।

स्मैश ट्राफी अंतर अकादमी बैडमिंटन स्पर्धा 14 जून को

इंदौर। अमेच्योर बैडमिंटन एकेडमी और सरताज अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में स्मैश ट्राफी अंतर अकादमी बैडमिंटन स्पर्धा का आयोजन आगामी 14 जून को होने जा रहा है। यह प्रतिष्ठित मुकाबला अमेच्योर बैडमिंटन एकेडमी के कोर्ट पर खेला जाएगा। स्पर्धा में बालक और बालिका वर्ग के लिए 9, 11, 13, 15 और 17 वर्ष से कम आयु समूहों में एकल (सिंगल्स) मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। सरताज अकादमी के प्रबंध निदेशक और मुख्य प्रशिक्षक धर्मेश यशलहा ने जानकारी देते हुए बताया कि अंतर अकादमी बैडमिंटन स्पर्धा का यह तीसरा संस्करण है। इससे पहले दूसरा सफल आयोजन अप्रैल माह में किया गया था, जिसमें खिलाड़ियों के बीच लीग आधार पर कड़े मुकाबले देखने को मिले थे। वर्तमान में सरताज अकादमी और अमेच्योर बैडमिंटन एकेडमी में ग्रीष्मकालीन जूनियर बैडमिंटन प्रशिक्षण शिविर (समर कैंप) भी सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, इस स्पर्धा में हिस्सा लेने के लिए किसी भी क्लब या एकेडमी के खिलाड़ी अपनी प्रविष्टियां (एंट्री) भेज सकते हैं। एंट्री जमा करने की अंतिम तिथि 13 जून को शाम 5 बजे तक तय की गई है।

वैभव को टेस्ट खेलना चाहिए, लेकिन थोपना नहीं चाहिए : रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट के भविष्य, युवा खिलाड़ियों की सोच और आधुनिक क्रिकेट की चुनौतियों पर खुलकर अपने विचार रखे हैं। अश्विन ने कहा कि युवा प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट क्रिकेट जरूर खेलना चाहिए, लेकिन किसी खिलाड़ी पर इस प्रारूप को थोपना उचित नहीं होगा। अश्विन ने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर वह मानते हैं कि वैभव सूर्यवंशी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को टेस्ट क्रिकेट में अपनी क्षमता आजमानी चाहिए क्योंकि यह खेल का सर्वोच्च प्रारूप है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि किसी युवा खिलाड़ी को वह रास्ता अपनाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता जिसे वह स्वयं नहीं चुनना चाहता। उनके अनुसार आज का क्रिकेट माहौल और बदलती प्राथमिकताएं खिलाड़ियों की सोच को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर कोचिंग के दौरान उन्होंने शायद ही किसी युवा क्रिकेटर को रेड बाल क्रिकेट खेलने की तीव्र इच्छा के साथ आते देखा हो। अधिकांश खिलाड़ी जल्दी से आक्रामक शाट सीखना चाहते हैं और सीमित ओवरों के क्रिकेट की ओर आकर्षित होते हैं। टेस्ट क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए अश्विन

ने कहा कि इस प्रारूप को समय के साथ विकसित होने की जरूरत है। उनका मानना है कि टेस्ट टीम में जगह बनाने का प्रमुख आधार प्रथम श्रेणी क्रिकेट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन कई उत्कृष्ट प्रथम श्रेणी खिलाड़ी अवसरों के अभाव में राष्ट्रीय टीम तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे में सवाल यह है कि युवा खिलाड़ी वर्षों तक घरेलू क्रिकेट को समर्पित क्यों रहें, जब उन्हें पर्याप्त आर्थिक लाभ और अवसर नहीं मिलते। अश्विन के अनुसार टेस्ट क्रिकेट केवल भारत की नहीं बल्कि वैश्विक चुनौती बन चुका है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को लंबे दौरों, लगातार यात्रा, चार दिवसीय और पांच दिवसीय मैचों तथा शारीरिक दबाव का सामना करना पड़ता है, जबकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में कम समय में अधिक कमाई की संभावना रहती है। इसके बावजूद उन्होंने कहा कि किसी रोमांचक टेस्ट मैच में जीत का जो संतोष मिलता है, उसकी तुलना किसी अन्य प्रारूप से नहीं की जा सकती। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यदि क्रिकेट प्रशासक वास्तव में टेस्ट क्रिकेट को मजबूत बनाना चाहते हैं तो युवा खिलाड़ियों को ऐसे कोचों के मार्गदर्शन में तैयार किया जाना चाहिए जो पारंपरिक क्रिकेट मूल्यों को महत्व देते हों। उनके अनुसार खेल की बुनियादी समझ और धैर्य विकसित करने में ऐसे प्रशिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। आधुनिक क्रिकेट में गेंदबाजों की चुनौतियों पर बात करते हुए अश्विन ने कहा कि आज के दौर में क्रिकेट पहले से कहीं अधिक तेज गति से बदल रहा है। टी20 क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव के कारण खेल अधिक हाई-स्कोरिंग हो गया है और गेंदबाजों को हर गेंद पर नई रणनीति के साथ उतरना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अब केवल विकेट लेने की सोच पर्याप्त नहीं है, बल्कि गेंदबाजों को टीम रणनीति के तहत सामूहिक रूप से काम करना होगा। अश्विन ने माना कि क्रिकेट अब उस दौर में प्रवेश कर चुका है जहां बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को हर गेंद पर समस्या का समाधान तलाशना पड़ता है। उनके अनुसार जो खिलाड़ी इस मानसिकता को अपनाएंगे, वही भविष्य में खेल को नए स्तर तक ले जाएंगे।

श्रीलंका ए दौरे के लिए इंडिया ए टीम घोषित, जुरेल बने कप्तान, आकिब नबी और कई युवा खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने श्रीलंका ए के खिलाफ होने वाले दो चार दिवसीय मैचों के लिए इंडिया ए टीम की घोषणा कर दी है। यह मुकाबले 25 जून से 5 जुलाई के बीच गाले में खेले जाएंगे। टीम की कमान विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को सौंपी गई है, जबकि देवदत्त पडिक्कल को उपकप्तान बनाया गया है।

इस टीम चयन में युवा और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी गई है। रणजी ट्राफी 2025-26 में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को भी टीम में शामिल किया गया है। आकिब ने इस सीजन में 60 विकेट लेकर न सिर्फ अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी, बल्कि टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी रहे थे।

बल्लेबाजी क्रम में साई सुदर्शन, ऋतुराज गायकवाड़ और एन जगदीशन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ विदर्भ के अमन मोखाड़े और आंध्र प्रदेश के शेख रशीद को पहली बार इंडिया ए टीम में जगह दी गई है। चयनकर्ताओं का मानना है कि यह दौरा युवा बल्लेबाजों के लिए विदेशी परिस्थितियों में खुद को परखने का बेहतरीन अवसर होगा।

गेंदबाजी विभाग में आकिब नबी के साथ यश ठाकुर, अंशुल कंबोज और गुरनूर बरार को शामिल किया गया है। गुरनूर बरार को हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट टीम में नेट गेंदबाज के रूप में भी बुलाया गया था।

स्पिन विभाग की जिम्मेदारी जीशान अंसारी, सारांश जैन और आलराउंडर आयुष बडोनी को सौंपी गई है। ये सभी खिलाड़ी स्पिन-अनुकूल परिस्थितियों में टीम की ताकत बढ़ाएंगे। कुछ खिलाड़ी पहले से ही श्रीलंका में चल रही त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए मौजूद हैं, जिससे टीम संयोजन को और मजबूती मिली है। यह दौरा भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

2 चार दिवसीय टेस्ट के लिए भारत की ए टीम: ध्रुव जुरेल (कप्तान, विकेटकीपर), साई सुदर्शन, आयुष बडोनी, देवदत्त पडिक्कल (उप-कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, सारांश जैन, गुरनूर बरार, आकिब नबी, यश ठाकुर, अंशुल कंबोज, एन. जगदीसन, अमन मोखड़े, शेख रशीद और जीशान अंसारी।

... तो क्रैश हो जाएंगे सारे कंप्यूटर?

कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के हिसाब ठीक से न कर पाने की वजह से 2038 में दुनियाभर के कंप्यूटर क्रैश हो जाएंगे? यह दावा कुछ कंप्यूटर प्रोग्रामर्स ने किया है। उनकी मानें तो 19 जनवरी, 2038 को ग्रीनिच मान समय के मुताबिक सुबह 3 बजकर 14 मिनट और 7 सेकेंड पर सारे कंप्यूटर क्रैश हो जाएंगे। उनका अनुमान है कि एक जनवरी, 1970 के बाद से सेकेंड की संख्या कंप्यूटरों के अंदर स्टोर एक अंक अधिकतम संख्या को पार करेगी। कई कंप्यूटर कई तरह की गड़बड़ियों के शिकार हो सकते हैं। इस पर नये सिरे से बहस छिड़ गई है क्योंकि कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर वैज्ञानिकों का कहना है कि 2038 में होने वाली यह घटना मिलेनियम बग से कम नुकसान पहुंचाएगी। हालांकि सवाल यह भी है कि आज के कंप्यूटर 23 साल बाद कितने काम में रहेंगे। आम लोग भले ही कंप्यूटर को बहुत समर्थ मानते हैं। लेकिन क्या ऐसा संभव है कि कंप्यूटर ही नंबरों का हिसाब न कर पाए? 4 जून, 1996 को यूरोपियन एजेंसी का बिना मानव रहित एरियन 5 रॉकेट, चार महंगे सैटेलाइट को लेकर अंतरिक्ष की ओर रवाना हुआ था। लेकिन 39 सेकेंड के बाद ही रॉकेट में धमाका हुआ और वो आग में तब्दील हो गया। यह कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के हिसाब ठीक से न कर पाने की वजह से हुआ। विश्लेषकों की मानें तो अगर 248 दिनों को सेकेंड के 100वें हिस्से में गिना जाए तो जो संख्या सामने आती है वो थी 2,147,483, 647 है।

बड़ी इलायची में समाए चमत्कारी गुण

बड़ी इलायची जहां खाने में स्वाद का काम करती है। वहीं यह हमें कई बीमारियों में निजात दिलाने में भी हमारी मदद करती है। खांसी जुकाम हो जाए तो बड़ी इलायची की चाय या काढा बना के पीने से ठंड से राहत मिलेगी। इलायची का प्रयोग हमारे शरीर कई बीमारियों से छुटकारा दिलाती है। साथ ही बड़ी का प्रयोग करने से आपकी त्वचा में निखार भी आता है।

कॉपर के अधिक सेवन से अल्जाइमर का खतरा

मस्तिष्क को प्रोटीन को कम करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। डिमेंशिया का कारण बनने वाले प्रोटीन को कम करने के लिए मस्तिष्क का संघर्ष। रेड मीट, शेल फिश और सब्जियां भोजन में तांबे के प्रमुख स्रोत। दिमाग के रक्षा करने वाले तंत्र में हस्तक्षेप करता है कॉपर। लंबे समय तक कॉपर का अधिक सेवन करने वाले अब सावधान हो जाए क्योंकि अमरीकी वैज्ञानिकों ने चूहों पर अपने प्रयोग के बाद ताज़ा शोध में यह जानकारी दी कि लंबे समय तक भोजन में कॉपर का अधिक सेवन अल्जाइमर बीमारी की वजह बन सकता है।

नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस ने कहा कि कॉपर की अधिक मात्रा के कारण मस्तिष्क को उस प्रोटीन को कम करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है जिसे डिमेंशिया का प्रमुख कारण माना जाता है। शोध के निष्कर्ष पर वैज्ञानिकों के बीच बहस जारी है क्योंकि कुछ अन्य शोधों का कहना है कि कॉपर वास्तव में मस्तिष्क की सुरक्षा करता है। रेड मीट, शेल फिश और सब्जियां भोजन में तांबे के प्रमुख स्रोत हैं। कॉपर के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए वैज्ञानिकों ने चूहों पर शोध किया। इस टीम ने पाया कि कॉपर दिमाग के रक्षा करने वाले तंत्र में हस्तक्षेप करता है। जिन चूहों को पानी में घोलकर ज्यादा कॉपर दिया गया। उनके दिमाग की रक्त वाहिनियों में कॉपर की मात्रा बढ़ गई और उनके दिमाग की सक्रियता प्रभावित हुई।

वैज्ञानिकों का कहना है कि दिमाग की झिल्ली के काम करने के तरीके पर असर पड़ा। इसके साथ-साथ चूहों के दिमाग का बीटा एमीलॉयड के उस प्रोटीन से छुटकारा पाना कठिन हो गया, जो डिमेंशिया का प्रमुख कारण है। एल्जाइमर सोसायटी के डॉक्टर डाउग ब्राउन कहते हैं, तांबा शरीर के लिए अहम खनिज है, लोगों को इस शोध को सावधानी के साथ लेना चाहिए और अपने खाने से तांबे को हटाना नहीं चाहिए

मधुमेह से पीड़ित लोग स्वस्थ खान-पान और जीवन भर हेल्दी डाइट योजना पर अमल कर ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित कर सकते हैं। मधुमेह को रोकने और नियंत्रित करने के लिए कदम उठाते हुए अभाव का कष्ट सहने की जरूरत नहीं है। न ही आपको मिठाई को पूरी तरह छोड़ने की जरूरत है। बल्कि जीवन भर हेल्दी डाइट लेना महत्वपूर्ण है। फाइबर से उच्च और शुगर और फैट में कम और दिल के लिए स्वस्थ आहार मधुमेह प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण होता है। मधुमेह से पीड़ित लोग स्वस्थ खान-पान और दैनिक आहार योजना बनाकर ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित कर सकते हैं।

मधुमेह नियंत्रण के सुझाव

मधुमेह को नियंत्रण करने के लिए आपको कुछ उपायों पर अमल करना होगा। इसके लिए आपको अपने आहार को छोटे भागों में विभाजित करना होगा। नियमित रूप से अपने सभी आहार को लेने कोशिश करें। इसके अलावा अपने आहार में कार्बोहाइड्रेट, मिनरल और फाइबर से परिपूर्ण खाने की कई आइटम को जोड़ने का प्रयास करें।

मिथक : मधुमेह होने पर चीनी बिल्कुल नहीं लेनी है।

तथ्य: मधुमेह होने पर चीनी को बिल्कुल नहीं लेना यह हम सभी के दिमाग में बैठा हुआ है। लेकिन अच्छी खबर यह है कि स्वस्थ आहार योजना को ठीक से लागू करने पर आप अपने पसंदीदा खाद्य पदार्थों का आनंद ले सकते हैं। मिठाई को सीमा से दूर रखने की जरूरत नहीं है जब तक यह एक स्वस्थ भोजन योजना का हिस्सा है या व्यायाम के साथ जुड़ा हुआ है।

मिथक: हाई प्रोटीन आहार सबसे अच्छा होता है।

तथ्य: अध्ययन से पता चला है कि बहुत ज्यादा प्रोटीन, विशेष रूप से पशु प्रोटीन, खाना इंसुलिन प्रतिरोध का कारण बन सकता है। जो वास्तव में मधुमेह का एक महत्वपूर्ण कारक है। संतुलित आहार एक कुंजी है। एक स्वस्थ आहार में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा शामिल होता है। हमारे शरीर को ठीक ढंग से काम करने के लिए तीनों की जरूरत होती है।

मिथक: कार्बोहाइड्रेट में कटौती करें।

तथ्य: संतुलित आहार खाना सेहत की कुंजी होती है। सर्विंग का साइज और कार्बोहाइड्रेट का प्रकार विशेष रूप से महत्वपूर्ण होता है। इसलिए होलग्रेन कार्बोहाइड्रेट पर ध्यान दें क्योंकि यह फाइबर का अच्छा स्रोत होता है। आसानी से पच जाता है और रक्त में शुगर के स्तर को सही रखता है।

दूध का सेवन

दूध कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन का सही संयोजन होता है और यह रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। दैनिक आहार में दूध के दो गिलास पीना एक अच्छा विकल्प है।

उच्च फाइबर सब्जियां

अपने आहार में उच्च फाइबर सब्जियां जैसे मटर, सेम, ब्रोकोली, पालक और हरी पत्तेदार सब्जियों को शामिल करें। इसके अलावा दालें भी एक स्वस्थ विकल्प हैं और इसे आपके आहार का हिस्सा होना चाहिए।

उच्च फाइबर फल

फाइबर से भरपूर फल जैसे पपीता, सेब, संतरा, नाशपाती और अमरूद का सेवन भी करना चाहिए। आम, केले और अंगूर में शुगर की उच्च मात्रा होने के कारण इन फलों को सेवन कम करना चाहिए।

मधुमेह रोगियों के लिए सर्वश्रेष्ठ आहार योजना

कृत्रिम स्वीटनर का कम इस्तेमाल

कृत्रिम स्वीटनर मूल रूप से शुगर से मिलने वाली कैलोरी को कम करता है। इन गोलियों का सेवन एक दिन में 6 गोलियों से कम होना चाहिए क्योंकि ज्यादा लेने से इसके साइड इफेक्ट होने लगते है। हालांकि, संयम एक बेहतर तरीका से जीवित रहने के लिए महत्वपूर्ण होता है। मधुमेह नियंत्रित किया जा सकता है अगर डॉक्टर और रोगी संयोजन के साथ काम करें।

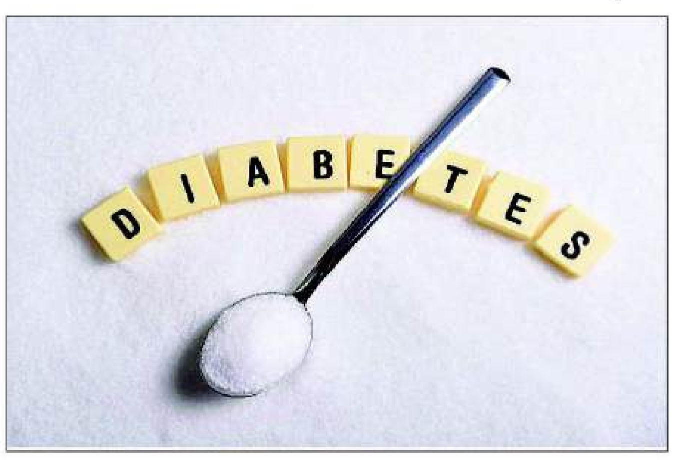

अतिरिक्त वजन कम करें

यदि आप मोटे हैं, तो मधुमेह की रोकथाम वजन घटाने पर निर्भर हो सकती है। वजन का हर एक किलो कम करना आपके स्वास्थ्य में सुधार कर सकता हैं और आपके लिए आश्चर्यजनक हो सकता है। कम कार्बोहाइड्रेंट आहार और आहार योजना आपको वजन कम करने में मदद कर सकती हैं।

महत्वपूर्ण है विटामिन डी

हम में से ज्यादातर लोग विटामिन डी को महत्वपूर्ण नहीं समझते हैं। लेकिन यह मधुमेह से लड़ने के लिए महत्वपूर्ण होता है। इसलिए विटामिन डी के स्तर की जांच की जानी चाहिए। कम विटामिन डी मधुमेह का कारण भी हो सकता है। विटामिन डी का सबसे अच्छा स्रोत धूप पड़ना है।

खाना पकाने की युक्तियां

मधुमेह रोगियों के लिए बिना तेल के खाना बनाना सीखना होगा। परिष्कृत उत्पाद (चीनी, सफेद आटा, सफेद चावल, फलों का रस आदि) खाना बंद करना होगा। साथ ही प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ खाने बंद करने होगें। इसके अलावा डेयरी उत्पाद खाने और पीने बंद करने होगें।

मधुमेह रोगियों के लिए आहार योजना

सुबह जल्दी: 6-7 बादाम / 1-2 अखरोट।

नाश्ते में आइटम: 1 कटोरी ओट्स/ दूध/ 2 अंडे के स्लाइस/मल्टीग्रेन ब्रेड/सब्जियां/दही/टोस्ट।

सुबह का नाश्ता: आप पपीता, नारियल और छाछ आदि सहित मौसमी फल जोड़ सकते हैं।

दोपहर का भोजन: सलाद, सब्जियां, दाल, चपाती, दही, चावल, पनीर चिकन आदि।

शाम का नाश्ता: फल और स्नैक्स जैसे ढोकला, इडली, भुना हुआ नमकीन और मुरमुरा आदि।

रात का खाना: मिक्स्ट सब्जियों का सूप। चपाती, सब्जी, दाल/चिकन, हरा सलाद।

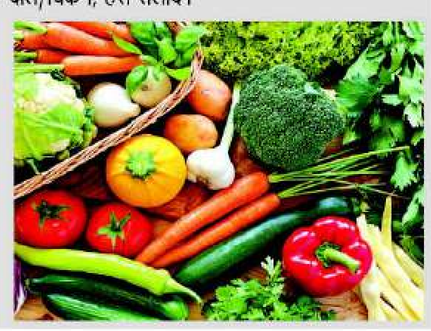

भूख लगने पर ही खाएं

अक्सर देखा जाता है कि कुछ लोग भूख न होने पर भी कुछ न कुछ खाते रहते हैं, इस तरह से कुछ न कुछ खाने की आदत आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है। में हुए एक रिसर्च में बताया गया है कि भूख न होने पर खाना सेहत के लिए अच्छा नहीं है। वैज्ञानिकों ने इस रिसर्च के लिए स्नातक के 45 छात्रों को शामिल किया। इन छात्रों से सबसे पहले इनके भूख के स्तर की जानकारी ली गई। इसके बाद इन्हें कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन दिया गया।

भोजन की नियमित खुराकें स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव डालती हैं, इसे जानने के लिए रिसर्चर्स ने प्रतिभागियों द्वारा भोजन करने के बाद उनके रक्त शर्करा का स्तर मापा गया। रिसर्च में पाया कि कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन करने के बाद रक्त शर्करा स्तर में वृद्धि हुई।

बच्चों पर साइबर बुलिंग का खतरा...

इंटरनेट के बिना आज हमारा जीवन अधूरा है और जहां तक आज के बच्चों का सवाल है, उनके लिए इंटरनेट के बिना दुनिया का कोई मतलब ही नहीं है। दुर्भाग्य से आमतौर पर माता-पिता अपने बच्चों की इंटरनेट गतिविधियों को लेकर अधिक जानकारी नहीं रखते हैं। वास्तविक दुनिया की तरह इंटरनेट की दुनिया में भी बच्चे कई तरह के खतरों के प्रति अनजान होते हैं। नार्टन ऑनलाइन फैमिली रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि 79 फीसदी बच्चे नकारात्मक ऑनलाइन स्थिति का सामना करते हैं और 60 फीसदी किसी न किसी रूप में साइबर क्राइम के शिकार हैं। साइबर बुलिंग में गलत अफवाहों का फैलना, धमकी भरे संदेशों का प्रसार और अपमानजनक तस्वीरें पोस्ट किए जाना आदि शामिल हैं। साइबर बुलिंग करने वाला टेक्स मैसेज, ईमेल, इंस्टेंट मैसेज, सोशल नेटवर्किंग मैसेज भेजता है या ब्लॉग, वेब पेज पर या ऑनलाइन गेम प्लेटफार्म पर ऐसी सामग्री पोस्ट करता है, जो दूसरों को परेशान, अपमानित करने या डराने-धमकाने के लिए होती है। तकनीक का लाभ उठाकर वे ऐसे संदेश और सामग्री व्यापक रूप से प्रसारित करते हैं।

क्या हैं कारण?

साइबर बुलिंग के कारण अक्सर उसी तरह के होते हैं, जो आम तौर से स्कूल परिसरों में दी जाने वाली धौंस-धमकी के होते हैं। मसलन शक्ति का प्रदर्शन करना, बदला लेने की इच्छा या हुए नुकसानों की भरपाई। कोई पीड़ित जब अपना बचाव करने के लिए ऑनलाइन गलत संदेश का प्रसार करता है तो उसे भी साइबर बुलिंग के रूप में देखा जा सकता है। साइबर बुलिंग प्राय: गुमनाम

रहकर की जाती है और इसे बार-बार दोहराया जाता है। यह किसी एक व्यक्ति या ऑनलाइन ग्रुप का काम हो सकता है। दुर्भाग्य से अन्य नकारात्मक ऑनलाइन अनुभवों की तरह साइबर बुलिंग का भी बच्चों पर विपरीत असर पड़ता है।

प्यार से लाएं राह पर

बच्चों के लिए इंटरनेट का अनुभव सुरक्षित बनाने के लिए उनके माता-पिता की भूमिका महत्वपूर्ण है। आधुनिक माता-पिता उस पहली पीढ़ी के माता-पिता हैं जिन्हें अपने बच्चों को न केवल वास्तविक दुनिया में बल्कि तेजी से विस्तृत होती आभासी दुनिया में भी सुरक्षित रखने के सभी उपाए करने होंगे।

नकारात्मक अनुभव: एक रिपोर्ट के मुताबिक विश्वभर के लगभग 62 फीसद बच्चों ने प्रतिक्रिया दी कि ऑनलाइन होने के समय उन्होंने कोई नकारात्मक अनुभव प्राप्त किया। 10 में लगभग 4 के लिए हालांकि ऐसा ऑनलाइन नकारात्मक अनुभव अधिक गंभीर रहा, जैसे कि अजनबियों से कोई अनुचित तस्वीर प्राप्त करना, धमकाया जाना या साइबरक्राइम का शिकार हो जाना। आज प्रत्येक चार में एक भारतीय माता-पिता इस बात से चिंतित हैं कि उनके बच्चे को ऑनलाइन धमकाया जा सकता है।

कैसे बचाएं बच्चों को: बच्चों के साथ बेहतर संवाद कायम रखें। बच्चों के साथ तकनीक का सुरक्षित व समुचित उपयोग करने के महत्व के बारे में खुलकर बात करें। बच्चे की इंटरनेट गतिविधियों व सेलफोन इस्तेमाल पर निगाह रखें। देखी गई साइटों पर चर्चा करें और जरूरी हो तो कॉल लॉग भी ब्राउज करें। यदि बच्चे को ऐसा करना दखलंदाजी लगे तो अपने बच्चे की भलाई के लिए वास्तविक सरोकारों पर जोर दें। साइबर बुलिंग के संकेतों को पहचानें। अनेक लक्षण हैं जिन्हें लेकर सचेत रहें, मसलन फ्रस्ट्रेशन या डिप्रेशन, खासतौर से सेलफोन या कंप्यूटर उपयोग करने के बाद ऐसा बर्ताव करना, दोस्तों या रोजमर्रा की सामान्य मनोरंजक गतिविधियों से कट जाना या फिर स्कूल में बच्चे के शैक्षणिक प्रदर्शन में किसी प्रकार की गिरावट दिखाई देना या अरूचि होना आदि।

सतर्कता जरूरी: ऑनलाइन पैरेंटिंग, वास्तविक जीवन में पैरेंटिंग से कोई अलग नहीं है। माता-पिता को केवल नियम नहीं बनाने हैं, उन्हे समझना होगा कि उनके बच्चे ऑनलाइन क्या कर रहे हैं और उनके बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर पूरी निगाह रखनी होगी। माता-पिता द्वारा बच्चों को इंटरनेट संबंधी ऐटिकेट की जानकारी देना, सामाजिक कौशल सिखाने के समान ही महत्वपूर्ण है। ऑनलाइन किसी भी अप्रिय स्थिति से रूबरू होने पर भारतीय बच्चे, अपने माता-पिता को बताते है, वहीं अभिभावकों को इसके बदले में अपने बच्चों को शिक्षित और सशक्त बनाने हैं।

रेसिपी

राजमा गलाउटी कबाब

सामग्री

3/4 कप सलाईस्ड प्याज, 2 टेबल-स्पून घी, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ अदरक, 1 1/2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 कप पनीर, 3/4 कप भिगोए , उबले और हलके मसले हुए राजमा, 1/2 कप उबले , छिले और मसले हुए आलू, 1 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून गरम मसाला, 1 टेबल-स्पून तेल

विधि

कढ़ाई मे मध्यम आंच पर तेल गरम करें और प्याज़ डालकर उनके सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकालकर एक तरफ रख दें। पैन में घी गरम करें, अदरक और हरी मिर्च डालकर 30 सेकेन्ड तक भुन लें। तेल छोड़कर, बची हुई सामग्री डालकर 3-4 मिनट तक पका लें। मिश्रण को 5 बराबर भाग में बांट लें और प्रत्येक भाग के चपटे गोल कबाब बना लें। कढ़ाई में मध्यम आंच पर तेल गरम कर लें और कबाब डालकर उनके सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकालकर गरमा गरम परोसें।

सान्वा पान्की

सामग्री

2 कप सामा , पीसकर मुलायम पाउडर बना हुआ, 1/2 कप राजगीरे का आटा, 4 टेबल-स्पून आरारोट आटा, 2 टेबल-स्पून घी, 1 टी-स्पून ज़ीरा, 3/4 कप खट्टा दही , फेंटा हुआ, सेंधा नमक , स्वादअनुसार, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा धनिया, 1 1/2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 4 से 6 केले के पत्ते, 150 मि.मी. चौकोर टुकड़ो में कटे हुए, चुपड़ने और पकाने के लिए तेल, **परोसने के लिए:** हरी चटनी, भावनगरी मिर्च

विधि

सामे का पाउडर, राजगीरे का आटा, अरारोट आटा, दही, सेंधा नमक, धनिया, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, जीरा और 1/2 कप पानी को एक बाउल में डालकर अच्छी तरह से मिलाएं और मुलायम घोल बना लें। ढ़ककर खमीर उठने के लिए 1 घंटा एक तरफ रख दें। केले के पत्तों के एक तरफ को तेल से चुपड़े और एक जगह रख दें। 2 टेबल-स्पून घोल को केले के पत्ते के एक तरफ रखें और पतली परत में फैला लें। पत्ते की दुसरी तरफ को घोल के उपर रखें और मोड़ लें। एक नॉन-स्टिक पैन या तवा गरम करें और पान्की को थोड़े से तेल का प्रयोग कर दोनों तरफ से पान्की के पत्ते से अलग होने तक पका लें। बचे हुए घोल को प्रयोग कर 14 और पान्की बना लें। हरी चटनी और भावनगरी मिर्च के साथ तुरंत परोसें।

पुरुषों के लिए फिट रहने के टिप्स

फिटनेस की परिभाषा पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग नहीं होती है। बल्कि शारीरिक फिटनेस शरीर और मस्तिष्क दोनों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। नियमित एक्सरसाइज से न केवल मांसपेशियों में ताकत आती है बल्कि इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में विकास होता हैं, ढलती उम्र धीमी पड़ जाती है और कई अन्य तरह के रोगों से बचाव होता है। इसलिए पुरुषों को फिट रहने के लिए इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

आरामफरामोश न बनें

आधुनिक और आराम तलब जीवनशैली के कारण पुरूष 20 साल के बाद ही हृदयघात के खतरों की चपेट में आने लगते हैं। जो लोग आराम तलब जीवन जीते हैं, एक्सरसाइज करने से जी चुराते हैं और जंक व डिब्बा बंद आहार पर जीते

हैं उनमें खराब कोलेस्ट्रोल या निम्न घनत्व वाले लिपोप्रोटीन का स्तर रक्त में हमेशा उच्च रहता है। अपने शरीर में एलडीएल के स्तर को कम करने के लिए नियमित एक्सरसाइज करके एचडीएल के स्तर को उंचा उठाया जा सकता है।

रक्तचाप सामान्य रखें

जीवन में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण पैदा हुए निराशा और तनाव के कारण पुरूषों में उच्च रक्तचाप की बीमारी होना एक आम बात हो गई है। नियमित व्यायाम से रक्तचाप के स्तर को सामान्य रखने में मदद मिलती है और इस वजह से हृदयघात और हृदय रोगों के खतरे भी कम हो जाते हैं।

बढ़ाएं ब्लड सर्कुलेशन

जब आप एक्सारसाइज करते हैं तब शरीर का ब्लड सर्कुलेशन तेज हो जाता है और शरीर में ब्लड की सप्लाई भी अधिक होने लगती है। रक्त धमनी शरीर में ब्लड की जरूरत के अनुसार फैलता और सिकुड़ता रहता है। लेकिन जब अदमी आराम तलबी का जीवन जीने लगता है कोई श्रम या एक्सरसाइज नहीं करता हैं तब उसके रक्त धमनी में कोलेस्ट्रोल जमा होने से रक्त धमनी सिकुड़ जाती है जो अंततः हृदय घात का कारण बनती है।

बीमारियों के खतरे कम करें

अस्वस्थ जीवनशैली और खानपान में अनियमितता के कारण वर्तमान में डायबिटीज, कैंसर, अर्थराइटिस, हृदय की बीमारियां, पेट की समस्याएं आदि बढ़ रही हैं। इन बीमारियों से बचाव की कोशिश कीजिए। इसके लिए रोज व्यायाम करें और नियमित जांच कराए।

वजन कम करें

वजन बढ़ने से कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं, इसलिए अपने वजन को नियंत्रण में रखें। वजन कम करने से दिल की बीमारियां नहीं होती हैं। इसलिए इसपर काबू पाने के लिए रोज व्यायाम करें और हेल्दी आहार का सेवन करें। पुरुष इन सामान्य सी बातों को ध्यान में रखकर न केवल फिट रह सकते हैं बल्कि बीमारियों से भी बच सकते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**